सुविचार
पुस्तकें जागृत देवता हैं, उनकी सेवा कर के तत्काल वरदान पाया जा सकता है।
रामनरेश त्रिपाठी

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 16 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 269 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

अशोक कुमार से है खास रिश्ता...

12

SHARE

सेंसेक्स	:	66,282.74
निफ्टी	:	19,751.05

SARAFA

सोना	:	5,700
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

ईडी ने महाराष्ट्र में 315 करोड़ रुपये की 70 संपत्तियां की जब्त

MUMBAI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, सिल्लोड, जलगांव और कच्छ आदि इलाकों में कार्रवाई करते हुए 315 करोड़ रुपये की 70 संपत्तियों को जब्त किया है। सूत्रों के अनुसार ईडी की टीम ने राजमल लखीचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड, आरएल गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड, मनराज ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य बैंक धोखाधड़ी मामलों में 13 अक्टूबर से मुंबई, ठाणे, जलगांव सहित 70 जगह पर कार्रवाई शुरू की थी। इसके बाद ईडी के अधिकारियों ने कुल 315 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

बारूदी सुरंग फटने से सेना का एक जवान घायल

RAJOURI : राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंग फटने से सेना का एक जवान घायल हो गया। पास के सैन्य अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे हवाई मार्ग से कमांड अस्पताल उधमपुर ले जाया गया है। सैन्य अधिकारी ने कहा कि राइफलमैन गुरुचरण सिंह नौशहरा सेक्टर के कलसियान गांव में गश्त पर था। इस दौरान जवान का पैर गलती से बारूदी सुरंग पर पड़ गया, जिसके चलते वह घायल हो गया है। उसे पहले पास के सैन्य अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे विशेष उपचार के लिए हवाई मार्ग से कमांड अस्पताल उधमपुर ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश रोकने के लिए जम्मू-कश्मीर की नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंगों का उपयोग किया जाता है। कभी-कभी बारिश के कारण बारूदी सुरंगें जमीन में ऊपर की ओर आ जाती है, जिससे विस्फोट होते हैं।

पीएम ने लिखा गरबा गीत

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नवरात्रि के प्रथम दिन एक गरबा गीत साझा किया। इसे उन्होंने पिछले सप्ताह में लिखा था। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, जैसे ही शुभ नवरात्रि हमारे सामने आई है, मुझे पिछले सप्ताह के दौरान मेरे द्वारा लिखा गया एक गरबा साझा करने में खुशी हो रही है। उत्सव की लय को सभी को गले लगाने दें! मैं इस गरबा गीत को आवाज और संगीत देने के लिए मीटब्रोस और दिव्या कुमार को धन्यवाद देता हूं। प्रधानमंत्री ने इस गीत माढ़ी को अपने यूट्यूब चैनल पर भी साझा किया है।

इजराइल और हमास की जंग में ईरान के शामिल होने का खतरा

ईरान से सीक्रेट बातचीत कर रहा है यूएस, गाजा में जमीनी हमले की तैयारी

AGENCY TEL AVIV-YAFO : इजराइल हमास जंग का रविवार को नौवां दिन था। इस बीच अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जेक सुलिवन ने सीबीएस न्यूज को दिए इंटरव्यू में माना है कि इजराइल और हमास की जंग में ईरान के सीधे तौर पर शामिल होने का खतरा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस वक्त ईरान के साथ बैक चैनल बातचीत कर रहा है। इजराइली डिफेंस फोर्स के 10 हजार सैनिक गाजा में जमीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। बॉर्डर पर कई सौ इजराइली टैंक तैनात हैं। वहीं, गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन से पहले इजाइली सीमा से सटे स्देरोट शहर से करीब 15 हजार लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया है। लोगों को उत्तरी गाजा को खाली करने के लिए इजराइल की तरफ से दिया गया समय भी खत्म हो चुका है। इजराइली समय के मुताबिक लोगों को 10 से 1 बजे तक इलाका खाली करने को कह गया था। तब इजराइल की तरफ से कोई हमला नहीं किया गया। इसके बाद इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहां एक बफर जोन बनाया गया है। 7 अक्टूबर से शुरू हुई जंग में अब तक 2,329 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इनमें 724 बच्चे, 370 महिलाएं शामिल हैं। 8,714 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हमलों में 1300 से ज्यादा इजराइली भी मारे गए हैं।

भारत ने अब तक 918 लोगों को निकाला

भारत सरकार के ऑपरेशन अजय के तहत इजराइल के तेल अवीव से 15 अक्टूबर को भारतीयों का तीसरा और चौथा बैच दिल्ली पहुंचा। तीसरी फ्लाइट से 197 लोग और चौथी फ्लाइट से 274 लोग देश लौटे। 14 अक्टूबर को भारतीयों का दूसरा दल दिल्ली पहुंचा था। इससे 235 लोग देश वापस आए। 13 अक्टूबर को एअर इंडिया की फ्लाइट से 212 लोग दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे थे। अब तक इजराइल में फंसे 918 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है।

जमीन, समुद्र, आसमान हर तरफ से हमला करेगा इजराइल

इजराइल डिफेंस फोर्स ने कहा– हम गाजा में जमीनी हमला करने के लिए तैयार हैं। अब तक एयरस्ट्राइक कर रहे थे, लेकिन अब हम तीनों ओर से (जमीन, समुद्र और आसमान) गाजा पर हमला करेंगेइस बीच सीज फायर के लिए कोशिशें जारी हैं। एक तरफ जहां, रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इजरायल और हमास के बीच सीजफायर पर चर्चा करने को कहा है। वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सीजफायर के लिए अरब देशों में चीन के प्रभाव का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

गाजा में वाटर सप्लाई शुरू, इजराइली PM-US प्रेसिडेंट की बातचीत के बाद फैसला

TEL AVIV-YAFO : रविवार देर रात मानवता के लिहाज से एक अच्छी खबर आई। अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जेक सुलिवन ने सीएनएन को बताया कि इजराइल ने दक्षिणी गाजा में पानी की सप्लाई फिर शुरू कर दी है। सुलिवन के मुताबिक वॉटर सप्लाई बहाल करने का फैसला इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की फोन पर बातचीत के बाद लिया गया। 8 दिन से गाजा में बिजली, पानी, खाद्य पदार्थों और दवाइयों की सप्लाई बंद है। अब सिर्फ पानी दिए जाने पर फैसला किया गया है। इधर, रविवार को सेना ने कहा कि उसने किबुत्ज नीरिम और किबुत्ज नीर ओज में हमला करने वाले हमास कमांडर को मार गिराया है। सेना ने कहा– हमास के नुखबा यूनिट का कमांडर बिलाल अल–केदरा मारा गया है। इसके पहले 14 अक्टूबर को इजराइली सेना ने हमास के दो बड़े कमांडरों को मार गिराया। सेना ने बताया कि उन्होंने 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले को लीड करने वाले कमांडर अली कादी को मार गिराया है। अली कादी को मारने का काम इजराइल की इंटरनल इटेलीजेंस एजेंसी शिन बेत ने किया है।

827 शिक्षकों को आज हेमंत सोरेन देंगे ज्वाइनिंग लेटर

ऑनलाइन एजुकेशन के लिए जे गुरुजी ऐप भी होगा लांच

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के हाईस्कूलों में नवनियुक्त 827 शिक्षकों को सोमवार को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से इसकी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। कल मोरहाबादी के फुटबॉल स्टेडियम में दोपहर एक बजे से नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम रखा गया है। सीएम हेमंत सोरेन नवनियुक्त शिक्षकों को ज्वाइनिंग लेटर देंगे। नियुक्ति पत्र देने के साथ-साथ स्कूली बच्चों को ऑनलाइन एजुकेशन प्रोवाइड कराने को लेकर जे गुरुजी ऐप भी लांच किया जाएगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने छात्रों के लिए एक स्पेशल ऐप तैयार किया है। इसे जे गुरुजी ऐप नाम दिया गया है। कल सीएम हेमंत सोरेन इसे भी लांच करेंगे। इस ऐप को कुछ इस तरह से डिजाइन कराया गया है कि छात्रों को एक क्लिक पर किताब से लेकर टेस्ट सीरीज और सवालों के जवाब भी मिल जाएंगे। कल से एक्टिव भी हो जाएगा।

सबसे अधिक पश्चिमी सिंहभूम में होगी नियुक्ती

कल कुल 827 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इनमें से सबसे अधिक शिक्षक पश्चिमी सिंहभूम में नियुक्त होंगे। यहां नियुक्त होने वाले शिक्षकों की संख्या 100 है। अन्य जिलों की बात करें तो रांची में आठ, गुमला में 13, खूंटी में 5, लोहरदगा में 5, सिमडेगा में 24, पलामू में 74, गढ़वा में 32, लातेहार में 70, बोकारो में 06, चतरा में 61, धनबाद में 11, गिरिडीह में 74, हजारीबाग में 35, कोडरमा में 13, रामगढ़ में 35, देवघर में 16, दुमका में 52, गोड्डा में 39, जामताड़ा में 16, पाकुड़ में 12, साहिबगंज में 34, पूर्वी सिंहभूम में 52 और सरायकेला में 40 शिक्षक नियुक्त होंगे। सीएम ने इससे पहले मई में 3469 हाईस्कूल शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया था।

गरीबों को आखिर कब देंगे तीन कमरों वाला घर : बाबूलाल

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार की आवास योजना को लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल भी पूछा भी कि आखिर वे झारखंड के गरीबों को तीन कमरों वाला घर कब देंगे। अब तो चार साल बीत दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आवास के लिए भ्रामक आरोप लगाने से पहले सीएम हेमंत को मालूम होना चाहिए कि वे अपने अधिकारियों से डाटा मंगाकर तसल्ली कर लें। पिछले नौ वर्षों में झारखंड में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक करीब 18 लाख पक्के घर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन चुके हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 14 अक्टूबर को चक्रधरपुर में एक कार्यक्रम में कहा था कि राज्य में आठ लोगों को तीन कमरे वाला घर राज्य सरकार देगी। पीएम आवास योजना के तहत 8.50 लाख गरीबों की फाइल लंबित पडी.हुई है। यहां के लोग टूटे फूटे मकान और झोपड़ी में नहीं रहेंगे।

टेट पास पारा शिक्षकों ने घेरा कांग्रेस भवन, सीधे समायोजन की रखी मांग

सीएम हेमंत सोरेन पर लगाया वादा खिलाफी का आरोप

PHOTON NEWS RANCHI : सेवा नियमितिकरण और वेतनमान की बात कहने के बाद भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वादाखिलाफी की। चार साल हो जाने के बाद भी टेट पास पारा शिक्षकों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया। इन सब तमाम बातों के साथ रविवार को कांग्रेस भवन का घेराव टेट पास पारा शिक्षकों ने किया। बड़ी संख्या में ये शिक्षक कांग्रेस भवन पहुंचे और गेट के बाहर बैठ गए। उन्होंने सेवा नियमितीकरण और सहायक शिक्षक की वैकेंसी में टेट पास सहायक अध्यापकों का सीधे समायोजन की मांग की। इस दौरान जिला पुलिस के जवानों को लगाया गया था। घंटे भर से अधिक समय तक ये शिक्षक यहां बैठे रहे और नारेबाजी करते रहे।

कांग्रेस भवन के बाहर बैठकर प्रर्दशन करते टेट पास पारा शिक्षक।

पारा शिक्षकों की ये है मांग

लंबे समय से आंदोलन कर रहे पारा शिक्षकों को कहना है कि टेट परीक्षा पास करने के बाद भी सरकार उन्हें वेतनमान नहीं दे रही है। चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ने इसका वादा किया था पर अब वे वादाखिलाफी कर रहे हैं। आंदोलित पारा शिक्षकों ने कहा कि 2019 में सीएम हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद उनकी सेवा नियमित होगी और वेतनमान मिलेगा। लेकिन चार साल होने को उनके साथ सिर्फ छल ही हुआ है। पारा शिक्षकों की माने तो वे सेवा नियमितीकरण और सहायक शिक्षक की वैकेंसी में टेट पास सहायक अध्यापकों का सीधे समायोजन की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह जायज है। संघ की माने तो मांगें पूरी होने आंदोलन जारी रखेंगे।

दिल्ली-NCR में भूकंप के तेज झटके, हड़कंप

फिर कांपी धरती, घरों से बाहर निकले लोग, फरिदाबाद में था केंद्र

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली-एनसीआर में रविवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यह झटके राजधानी दिल्ली सहित आसपास के शहरों फरीदाबाद, गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा में लगे हैं। रिक्टल स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.1 रही। वहीं भूकंप महसूस होते ही लोगों में हड़कंप मच गया। लोग घरों से निकलकर सड़कों पर आ गये। भूकंप का केंद्र हरियाणा के फरीदाबाद में था जो दिल्ली की सीमा से सटा हुआ है। राष्ट्रीय

भूकंप केंद्र ने बताया कि स्थानीय समय के अनुसार दोपहर बाद लगभग 4:08 बजे भूकंप आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.1 मापी गई। इसका केंद्र फरीदाबाद में था। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

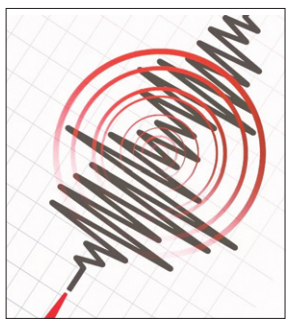

गौरतलब है कि इससे पहले 3 अक्टूबर को बी दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किये गये थे। 3 अक्टूबर को आये भूकंप का केंद्र नेपाल में था। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.6 थी। इससे पहले पश्चिमी अफगानिस्तान में भी रविवार को भूकंप के झटके महसूस किये गये। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.3 रही। इससे करीब एक सप्ताह पहले ही अफगानिस्तान के इसी क्षेत्र में आये भूकंप और इसके बाद के झटकों में हजारों लोगों की मौत हो गई और इलाके में तमाम गांव तबाह हो गये थे। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि रविवार को आए भूकंप का केंद्र प्रांतीय राजधानी हेरात से लगभग 34 किलोमीटर दूर और सतह से आठ किलोमीटर (पांच मील) की गहराई में था।वहीं, सहायता समूह ने बताया कि भूकंप में दो लोगों की मौत हो गई है।

रिश्वत लेकर संसद में महुआ मोइत्रा ने पूछे सवाल, भाजपा सांसद ने लगाए गंभीर आरोप

NEW DELHI : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर संसद में सवाल पूछने के लिए एक बिजनेसमैन से रिश्वत लेने का आरोप लगाया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने का आग्रह किया। मोइत्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि वह लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उनके (दुबे) खिलाफ लंबित आरोपों से निपटने के बाद उनके खिलाफ किसी भी कदम का स्वागत करती हैं। मोइत्रा और दुबे अपने अलग अंदाज के संसदीय भाषणों और एक–दूसरे पर आक्रामक हमलों के लिए जाने जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में कई मुद्दों पर अक्सर एक–दूसरे से भिड़ते रहे हैं। रविवार को, निशिकांत दुबे ने स्पीकर बिरला को संसद में सवाल के लिए कैश लेने का मामला फिर से उभरना, गंभीर विशेषाधिकार के उल्लंघन, अवमानना के लिए संसद सदस्य (लोकसभा) महुआ मोइत्रा की सीधी संलिप्तता विषय के तहत पत्र लिखा। एक वकील से मिले पत्र का हवाला देते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि वकील ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और एक बिजनेसमैन के बीच रिश्वत के आदान–प्रदान के अहम सबूत साझा किए हैं। पलटवार करते हुए, मोइत्रा ने 'एक्स' पर कहा, मैं एक कॉलेज/विश्वविद्यालय खरीदने के लिए अपनी सारी कमाई और उपहारों का उपयोग कर रही हूं, जिसमें डिग्री दुबे अंततः एक वास्तविक डिग्री खरीद सकते हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को टैग करते हुए कहा, "झूठे हलफनामे के लिए उनके खिलाफ जांच खत्म करें और फिर मेरी जांच समिति गठित करें।" स्पीकर को लिखे अपने पत्र में, भाजपा सांसद दुबे ने कहा कि हाल तक लोकसभा में उनके द्वारा पूछे गए 61 में से 50 प्रश्न अडानी समूह पर केंद्रित थे।

कांग्रेस ने तीन राज्यों में 229 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट घोषित की

विधानसभा चुनाव

- एमपी से 144, छत्तीसगढ़ से 30 और तेलंगाना से 55 नाम
- कमलनाथ छिंदवाड़ा, बघेल पाटन से लड़ेंगे

AGENCY NEW DELHI : कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में अगले महीने से होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 229 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इनमें मध्यप्रदेश से 144, छत्तीसगढ़ से 30 और तेलंगाना से 55 उम्मीदवारों के नाम हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को पार्टी ने छिंदवाड़ा से टिकट दिया है। सीएम शिवराज सिंह के खिलाफ बुधनी से विक्रम मस्ताल को उतारा गया है। मस्तल ने 2008 में आई रामायण में हनुमान का किरदार निभाया था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनकी परम्परागत सीट पाटन से और डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को अंबिकापुर से प्रत्याशी बनाया गया है। चुनाव आयोग ने 9 अक्टूबर को 5 राज्यों में मतदान के तारीख की घोषणा की थी। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर तो छत्तीसगढ़ में 2 चरणों में 7 और 17 नवंबर को वोटिंग होगी। राजस्थान में 25 नवंबर, मिजोरम में 7 नवंबर और तेलंगाना में 30 नवंबर को चुनाव होंगे। पांचों राज्यों में 3 दिसंबर को नतीजे आएंगे। मध्य प्रदेश में विधानसभा की 230 सीटें हैं, जिसमें से भाजपा 136 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है।

तीनों राज्यों की 210 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान बाकी

कांग्रेस ने मध्यप्रदेश की 230 सीटों में से 144 पर नामों का ऐलान किया है। 86 सीटों पर ऐलान बाकी है। छत्तीसगढ़ की 90 सीटों में से 30 सीटों पर नामों की घोषणा हुई है। यहां 60 सीटें बाकी हैं।तेलंगाना में 119 सीटों में से 55 पर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान हुआ है। अभी यहां 64 सीटों पर नाम आना बाकी है। कुल–मिलाकर तीनों राज्यों की 210 सीटों पर अभी प्रत्याशियों के नाम का ऐलान अगले कुछ दिनों में होने की संभावना है।

अब अमेरिकी कंपनी कमिंस को चुना गया, चीन सीमा पर उच्च ऊंचाई वाले युद्ध क्षेत्रों में तैनात किए जाने हैं हल्के टैंक

जोरावर टैंक के लिए जर्मनी ने भारत को नहीं दिया इंजन

AGENCY NEW DELHI : जर्मनी की फर्म से समय पर इंजन की आपूर्ति न हो पाने से भारत का 'प्रोजेक्ट जोरावर' परवान नहीं चढ़ सका है, जबकि अब तक इन हल्के टैंकों की आपूर्ति शुरू हो जानी थी। इन टैंकों को चीन सीमा पर पूर्वी लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में उन उच्च ऊंचाई वाले युद्ध क्षेत्रों में तैनात किया जाना है, जहां भारी-भरकम वजन वाले टैंक नहीं ले जाए जा सकते हैं। अब इंजन की सप्लाई के लिए अमेरिकी कंपनी कमिंस को चुना गया है। पूर्वी लद्दाख में चीन से टकराव के बाद 12 लाख सैनिकों वाली मजबूत भारतीय सेना ने 40 से 50 टन वजन वाले रूसी मूल के टी-90 और टी-72 मुख्य युद्धक टैंक निचाई वाले इलाकों में तैनात किये हैं। सेना ने चीन को चौतरफा घेरने के लिए एलएसी पर भीष्म टी-90, टी-72 अजय और मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन की भी तैनाती की है। इसके बावजूद उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में टैंक तैनात नहीं किए जा सके हैं, क्योंकि इन वजनी टैंकों को हजारों फीट की ऊंचाई पर चढ़ाना मुश्किल है। इन परिस्थितियों में हल्के वजन वाले टैंकों की जरूरत महसूस की गई है, ताकि इन्हें 8 से 10 हजार फीट की ऊंचाई पर ले जाया जा सके।

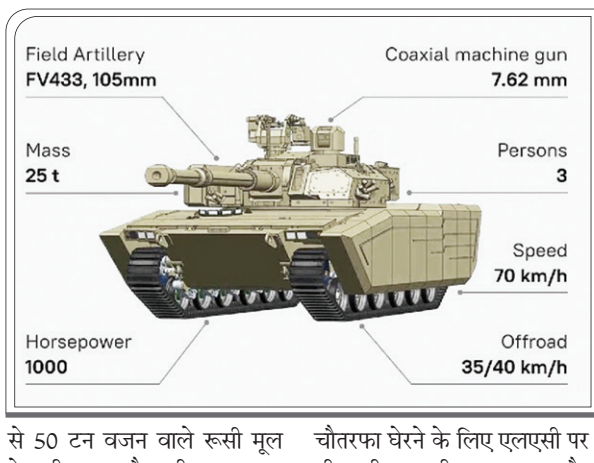

354 टैंकों का किया जाना है निर्माण

लद्दाख के ऊंचाई वाले युद्ध क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए सेना के जवानों को कई दर्रों से गुजरना पड़ता है। ऐसी स्थिति में ऑपरेशन के दौरान आवश्यकता पड़ने पर टी–72 और अन्य भारी टैंक उस स्थान तक नहीं पहुंच सकते हैं। पूर्वी लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में उच्च ऊंचाई वाले युद्ध क्षेत्रों में हल्के टैंकों को ही तैनात किया जा सकता है। इसलिए सरकार ने खुद 'प्रोजेक्ट जोरावर' के तहत हल्के वजन वाले 354 टैंकों का निर्माण करने का फैसला लिया। सेना ने मेक–1 श्रेणी के तहत निजी क्षेत्र से सभी 354 टैंकों का उत्पादन कराने की पुरजोर वकालत की थी, लेकिन डीआरडीओ ने सेना के इस प्रस्ताव को नकार दिया। योजना के मुताबिक 25 टन से कम वजन वाले 354 लाइट टैंकों में से 59 डीआरडीओ को बनाने थे। शेष 295 टैंक बनाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टुब्रो डीआरडीओ के कॉम्बैट व्हीकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट के साथ 'लीड सिस्टम इंटीग्रेटर' के रूप में काम कर रही थी।

BRIEF NEWS

साहिबगंज एसपी ने दो एसआई सहित 10 पुलिसकर्मियों का किया तबादला

SAHIBGANJ : साहिबगंज एसपी नौशाद आलम ने जिले में तैनात दो एसआई समेत 10 पुलिसकर्मियों का तबादला किया है। तबादला किए गए पुलिसकर्मी में दो एसआई, चार एएसआई और चार आरक्षी शामिल है। इसमें जिरवाबाड़ी ओपी में तैनात एसआई कैलाश प्रसाद का नगर थाना, जितन तिग्गा का रांगा थाना, अभियोजन कोषांग में तैनात एएसआई तौफिक खां का मुफ्फसिल थाना, शिवशंकर यादव का टाउन थाना, मुफ्फसिल थाना में तैनात एएसआई प्रमोद कुमार को डीसीबी शाखा में पदस्थापित किया है। इसी तरह डीबीसी में तैनात एएसआई उमांकांत ओझा का जिरबावाड़ी ओपी, अभियोजन कोषांग में तैनात महिला आरक्षी सरोज मुर्मू का जिरबावाड़ी ओपी, जिरबावाड़ी ओपी में तैनात महिला आरक्षी गुलनाज बेगम का जनशिकायत कोषांग, जनशिकायत कोषांग में तैनात आरक्षी पवन कुमार का बड़हरवा थाना और रंगा थाना में तैनात पवन कुमार का बरहेट थाना में तबादला किया गया है। एसपी ने तबादला किए गए सभी पुलिस अधिकारियों को अविलंब योगदान देने को कहा है। साथ ही कांड का प्रभार थाना प्रभारी को सौंपने का निर्देश दिया गया है।

ऋषभ सिंह का पहला देवीगीत हुआ लॉन्च

RANCHI : झारखण्ड के उभरते युवा गायक ऋषभ सिंह द्वारा गाये गीत 'माई अईहे अंगना' रिलीज हुआ इस गाने को ऋषभ सिंह और उनकी टीम ने बहुत अच्छे से फिल्माया है ये पारंपरिक भक्ति गीत काफी ज्यादा लोक्रप्रियता बटोर रही है। इस गीत में विशेष सहयोग में सुजीत सिंह, निशांत यादव, चंदन मिश्रा सहयोग आषीश शर्मा, सुनील बरनवाल, वेद राज, आयुष कुमार है प्रोडूसर तृषा राज है गीत में संगीत एसएमपी सरगम द्वारा दिया गया है।

हत्या मामले में दो आरोपित भेजे गये जेल

DUMKA : जिले के रानेश्वर प्रखंड के मयूराक्षी नदी के दुगिली घाट में बीते शुक्रवार को बालू में गड़ा शव मिलने के बाद रानेश्वर थाना के पुलिस ने महज दो दिन में हत्या के दो आरोपितों को रविवार को पकड़ कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी छटन महातो ने बताया कि दिगुली गांव के जीतेन माल एवं उनके पत्नी झूमा माला ने स्वीकार किया की उनलोगों ने मिलकर पश्चिम बंगाल के केंदुली गांव के विनय बागति की हत्या की है। शव को गाड़ने में गड्ढा करने वाला कुदाली(फावड़ा) एवं एक साइकिल का बरामद किया गया है। मृतक की पत्नी रोमा बागति के लिखित बयान पर कार्रवाई की गई है।

भूमि विवाद में अधेड़ की चाकू घोंपकर हत्या

GODDA : ललमटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ताटकुंडा गांव में जमीन विवाद में चाकू गोद कर अधेड़ की हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार अधेड़ की पहचान देवा पहाड़िया (45) के रूप में की गई है। मृतक की पत्नी सूरजी पहाड़ीन एवं पुत्र जितेंद्र पहाड़िया ने रविवार को बताया कि आपसी जमीन विवाद को लेकर ताटकुंडा गांव के ही उनके गोतिया के इतवारी पहाड़िया, गंगू पहाड़िया एवं छोटा देवा पहाड़िया के द्वारा उनके पति को शनिवार की देर शाम चाकू गोदकर बुरी तरह से घायल कर दिया, जिसे घायल अवस्था में पति देवा पहाड़िया को इलाज के लिए सदर अस्पताल गोड्डा ले जाया गया था। इलाज के दौरान शनिवार के रात उसकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र पुत्र जितेंद्र पहाड़िया ने बताया कि हत्यारे ने उनके पिताजी को गला, गर्दन और सर पर चाकू मार कर गहरा जख्म कर दिया था। अवर निरीक्षक जितेंद्र वर्मा स्थानीय ग्रामीण पुलिस एवं पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच की।उन्होंने बताया कि दोनों पर पक्ष के बीच जमीन संबंधी मामूली विवाद चल रहा था, जिसके कारण महुआ चुनने तथा अन्य छोटे जमीनी कार्यों में विवाद होती रहती थी।

तस्करी के तीन आरोपी धराये पांच किलो अफीम हुआ बरामद

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : बरही थाना पुलिस ने रविवार को बरही जेल के नजदीक चकराटांड के पास से अफीम तस्करी के तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। ब्रेजा कार में सवार तस्करों के पास से पांच किलोग्राम अफीम बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपितों में चतरा जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित चतरा लाइन मुहल्ला निवासी बुलन्द अख्तर (44), लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के रहने वाले मुकेश प्रसाद (52) और हजारीबाग जिले के बरही थाना क्षेत्र स्थित कोयली निवासी मो जमील (27) शामिल हैं। आरोपित के पास से पांच किग्रा अफीम, ब्रेजा गाडी सहित अन्य समान बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार हजारीबाग एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि बरही थाना क्षेत्र बरही जेल के नजदीक चुकरा टांड में अफीम कारोबारी अफीम बेचने के लिए जुटे हैं। सूचना पर बरही एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान जेल के नजदीक चकुरा टॉड के पास एक ब्रेजा गाड़ी लगी हुई थी, जिसमें कुछ लोग बैठे हुए थे।

पुलिस को देख गाड़ी में बैठे लोग गेट खोलकर इधर-उधर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर बुलन्द अख्तर, मुकेश प्रसाद ओर मो जमील को पकड़ लिया। ब्रेजा गाड़ी का तलाशी के क्रम में बोनट के अन्दर में छिपाकर रखा गया 1-1 किग्रा का प्लास्टिक थैली में रखा पांच किग्रा अफीम बरामद किया गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपितों को जेल भेज दिया गया।

साहिबगंज में भाई की हत्या का आरोपी बिहार से गिरफ्तार

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : पुलिस ने जमीन विवाद में छोटे भाई की हत्या करने वाले बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को 17 दिन बाद आरोपित गोवर्धन रविदास को बिहार से गिरफ्तार किया है। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के जयंतिग्राम निवासी आरोपित के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त झोरनी पुलिस ने बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 27 सितम्बर की रात मुफ्फसिल थाना क्षेत्र स्थित जयंती ग्राम में जमीन विवाद को लेकर दो भाईयों के बीच हुई मारपीट की घटना में जख्मी त्रिभुवन रविदास की मौत हो गयी थी। आरोपित को पकड़ने के लिए एसआई अनुपम प्रकाश के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने पेशेवर एवं तकनीकी तौर पर कार्रवाई करते हुए फरार आरोपित गोर्वधन रविदास को बिहार के बोलबज्जा गांव से गिरफ्तार किया। आरोपित पर बिहार और झारखंड के साहिबगंज जिले में 13 मामले दर्ज हैं।

आरोपित गोवर्धन रविदास 27 सितम्बर को पुश्तैनी जमीन के बंटवारे के विवाद में छोटे भाई त्रिभुवन रविदास को गम्भीर रूप से जख्मी कर दिया था, जिसका इलाज के दौरान मौत हो गया। बचाव करने आए भाभी एवं भतीजे को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

जानकारी के अनुसार पिता गुंजन दास के पुश्तैनी जमीन 14 डिसमिल तीन भाइयों एक बहन में बराबर हिस्से में 20 साल पूर्व ही बंटवारा हो गया था लेकिन छोटा भाई गोवर्धन रविदास को यह मंजूर नहीं था।

विधिक जागरुकता मेला का किया गया आयोजन

न्यायाधीशों ने सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने पर दिया जोर

PHOTON NEWS DUMKA : नालसा, दिल्ली व झालसा, रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने रविवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों में विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर सह विधिक जागरुकता मेला का आयोजन किया। सभी न्यायाधीशों ने अलग-अलग सभी दस प्रखंडों में कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने पर जोर दिया।

मेले में विकलांग को ट्राई साइकिल देते अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

इस दौरान दुमका, मसलिया, रानेश्वर, जरमुंडी, जामा, सरैयाहाट, शिकारिपाड़ा, काठीकुंड, गोपीकांदर आदि प्रखंडो में लाखों रुपये का परिसम्पतियों का वितरण लाभुकों के बीच किया। शिकारीपाड़ा में जिला सत्र एवं अपर न्यायधीश-प्रथम, रमेश चंद्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान न्यायाधीश ने 15,545 लाभुकों के बीच 5,01,59,200 रुपये के परिसम्पतियों का वितरण किया।

मुख्यमंत्री राज्य वृद्धा पैशन के 396, मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन 23, मुख्यमंत्री विधवा सम्मान पेंशन 113, स्वामी विवेकानंद निशक्त स्वावलंबन 55, मुख्यमंत्री कन्यादान 49, मुख्यमंत्री सुकन्या योजना 3087, प्रधानमंत्री वन्दना 1189, दिव्यांग यन्त्र 13, आदि वितरण किया गया। चंद्रा ने सांकेतिक रूप से 03 अम्बेडकर आवास, 05 को पेंशन, जेएसपीएल के जरिए सखी मंडल महिला ग्रुप को करीब 6 लाख का चेक, 03 लाभुक को बिरसा सिंचाई कूप मिशन प्रमाण पत्र, 05 को जॉब कार्ड दिया गया। अंचल कार्यालय से आपदा राहत में वज्रपात से हुई गाय की मौत से लाभुक को 30000 रुपये जबकि बाल विकास परियोजना कार्यालय से 01 को ट्राइसाईकिल और माताओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन किया गया।

इस मौके पर न्यायाधीश रमेश चंद्रा ने कहा कि आज के समाज में महिलाओ की भागीदारी जरूरी है। इसके लिए महिलाओं को आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाती हैं। इसका लाभ उठाने पर जोर दिया। न्यायाधीश ने शिक्षा, रोजगार पर बल देते हुए कहा कि आज के दौर में शिक्षा का होना जरूरी है। इसके जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने शिकारीपाड़ा में अवैध खदान और उससे जुड़े बिचौलियों से बचने की सलाह दी। साथ ही डालसा से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सेवा को लाभ उठाने की अपील की।

इस मौके पर शिकारीपाड़ा प्रखंड में जिला सत्र न्यायाधीश प्रथम रमेश चंद्र, एलएडीसी अंकित कुमार सिंह, बीडीओ ऐजाद आलम, सीओ कपिल देव ठाकुर एवं थाना प्रभारी वकार हुसैन, एलइओ तेरेसा मुर्मू, सीडीपीओ कुमारी रंजना, पीएलवी विकास प्रसाद, सुशीला हेम्ब्रम, प्रदान संस्था के प्रतिनिधि धीरेन्द्र कुमार जेएसपीएल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भाजपा नेता प्रमोद प्रसाद ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ लोकहीत अधिकार पार्टी का थामा दामन

PHOTON NEWS RANCHI : कांके प्रेमनगर के पंचायत सभागार में रविवार को लोकहित अधिकार पार्टी के तत्वावधान में कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर भाजपा नेता प्रमोद प्रसाद गुप्ता ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह रांची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू ने किया।

मिलन समारोह में उपस्थित पार्टी के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू एवं विशिष्ट अतिथि स्वरुप पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी मोहम्मद अजहर आलम उपस्थित रहें। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सभी को फूल माला देकर अभिनंदन करते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि आम जनता को यदि निःशुल्क शिक्षा और चिकित्सा दिया जाए तो सचमुच में भारत विश्व गुरु बन सकता है परन्तु देश और प्रदेश की सबसे बड़ी बाधा मनु मानसिकता है। दुर्भाग्यवश देश की दोनों बड़ी पार्टी भाजपा और कांग्रेस मनु मानसिकता से ग्रसित है।

पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह राँची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू ने कहा कि अभी पूरे झारखण्ड प्रदेश में पार्टी का जन जागरण अभियान चल रहा है।आम जनता को निःशुल्क शिक्षा और चिकित्सा मिले इसके लिए जल्द ही आंदोलन भी प्रारम्भ किया जाएगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी मोहम्मद अजहर आलम ने कहा कि आजादी के इन 75 वर्षों में जिन मनु मानसिकता के लोगों ने देश में कांग्रेस के नाम पर 58 साल राजपाट किया आज भी वही लोग मोदी जी के नाम पर राजपाट कर रहे हैं। निःशुल्क शिक्षा और चिकित्सा के लिए आम जनता को गोलबंद होना होगा। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद प्रमोद प्रसाद गुप्ता ने कहा कि हम और हमारे पूर्वज जिन्दगी भर कांग्रेस और भाजपा को ही वोट देते रहे परन्तु देखा जा रहा है कि सत्ता परिवर्तन होती है शासक नहीं। इसीलिए हमलोगों ने लोकहित अधिकार पार्टी का दामन थामा। सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से देव पूजन ठाकुर, जनक प्रजापति संजय लोहरा, कुंज बिहारी साहू, रामानंद ठाकुर, रीना देवी, सुनीता मुंडा, सुनीता उरांव, बृज किशोर, पंचू महतो, गणेश लोहार, मुकुल नायक, मोगुल नायक, पूरन लोहार, दानेश्वर साहू, नागेंद्र साहू, सुभाष कुमार शर्मा, अमित यादव, तरुण वर्मा, नवनीत भेंगरा, प्रमोद प्रसाद, इमरान खान, आदि सैकड़ों लोग शामिल रहें !

कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू

PHOTON NEWS DUMKA : दुमका सहित आसपास के क्षेत्रों में रविवार को कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र का अनुष्ठान शुरू हो गया है। यहां के दुर्गा मंदिरों एवं पूजा पंडालों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना की गई। सुबह से ही दुर्गा स्थान, धर्मस्थान सहित शहर के अन्य मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

पूजा स्थलों पर अब नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग रूप शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कुष्माण्डा, स्कंदमाता, कात्यायनी, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा की जाएगी। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन मां दुर्गा के प्रथम रूप शैलपुत्री का आह्वान कर पूजा अर्चना की गई। पर्वतराज हिमालय के घर पुत्री के रूप में उत्पन्न होने के कारण इनका नाम शैलपुत्री पड़ा। मां दुर्गा के इस रूप को शक्तिवर्द्धक माना जाता है। जो भय का नाश करने वाली हैं तथा यश, कीर्ति, धन व विद्या प्रदान करती है। शारदीय नवरात्र शुरू होने के साथ ही यहां के दुर्गा मंदरों एवं पूजा पंडालों में दुर्गा सप्तशती का पाठ प्रारंभ हो गया हैं। अनेक श्रद्धालु अपने घरों में विधि विधान के साथ कलश स्थापित कर दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं। शहर का वातावरण वेद मंत्रों और श्लोकों के पाठ से श्रद्धा और भक्ति में डूब गया है।

हजारीबाग में मारपीट और वाहनों में आगजनी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : जिले के कटक मसांडी थाना क्षेत्र स्थित शाहपुर में रेल निर्माण कंपनी के कर्मचारी के साथ मारपीट और वाहनों में आगजनी करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी चतरा जिले के पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र निवासी सीमांत साव उर्फ सीमांत कुमार ने लेवी वसूली के लिए घटना को अंजाम दिया था। पुलिस आरोपी के पास से एक जंगल बुट, एक उग्रवादी वर्दी ओर एक देशी कट्टा बरामद किया है।

पुलिस ने रविवार को बताया कि 11-12 अक्टूबर की अर्द्ध रात्रि में कटकमसांडी थाना क्षेत्र स्थित शाहपुर में रेलवे ट्रेक निर्माण कार्य में लगे रॉयल ईनका कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड कम्पनी के साईट पर वर्दी पहने करीब 12-15 अज्ञात अपराधी पहुंचकर वहां पर खड़े तीन हाईवा, एक रोलर एवं एक टैंकर में आग लगा दिया था। इस दौरान कम्पनी के कर्मचारियों के साथ मारपीट कर लेवी लेने के उद्देश्य से धमकाया गया था। घटना को अंजाम देने के बाद जाते समय कर्मचारियों का मोबाईल अपने साथ ले गए।

मीडिया को जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

मामले को लेकर कटकमसांडी थाना (कांड सं. 421/ 23) प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले के उद्भेदन के लिए डीएसपी मुख्यालय के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया। अनुसंधान के क्रम में इस कांड में सूत्रधार के रूप में सिमन्त साव उर्फ सिमन्त कुमार की संलिप्तता प्रकाश में आयी। शनिवार को रात सूचना मिली कि सिमन्त बलबल नदी के पास जंगल में देखा गया है। एसआईटी की टीम कार्रवाई करते हुए बलबल नदी के पास जंगल से सिमन्त को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से घटना के समय प्रयुक्त हुआ वर्दी, बूट बरामद किया गया।

पुलिस को पूछताछ में आरोपित सिमन्त ने इस कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकारते हुए बताया कि वह घटना के समय प्रयुक्त हुआ वर्दी, बूट छुपाने जा रहा था। आरोपित के पास से एक देशी कट्टा भी बरामद किया गया। घटना में संलिप्त एक अन्य आरोपित की पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। अन्य संलिप्त आरोपित की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी लगातार छापामारी कर रही है।

लापता बालक का शव तालाब से बरामद, हत्या की आशंका

PHOTON NEWS KODERMA : जिले के मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचायत मुर्कमनाय से 14 अक्टूबर दोपहर को लापता हुए मासूम बच्चे का शव रविवार को ग्रामीणों ने उसके घर से 500 मीटर दूर तालाब में तैरता हुआ मिला। शव की पहचान ग्राम मुर्कमनाय निवासी राहुल गोस्वामी के चार वर्षीय पुत्र शिव कुमार के रूप में किया गया।

मासूम का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी लव कुमार, एसआई अनिल टोपो, एसआई शंभूनाथ मिश्रा अपने दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से मासूम बच्चे का शव तालाब से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम की तैयारी में जुटे परंतु परिजनों एवम ग्रामीणों ने शव को उठाने नही देने लगे। वहीं इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को दिया गया। सूचना पर कोडरमा डीएसपी दिवाकर प्रसाद घटना स्थल पर पहुंचे और परिजनों और ग्रामीणों को समझा बुझा कर पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना के बाद रोते-बिलखते परिजन तथा इनसेट में बच्चे की तस्वीर। ● फोटोन न्यूज

परिजनों और ग्रामीणों ने बच्चे की हत्या कर शव को तालाब में फेंक देने की आशंका जाहिर की है। जानकारी के मुताबिक 14 अक्टूबर को बच्चा अपने घर के बाहर खेलते हुए अचानक गायब हो गया था। इसके बाद पुलिस बच्चे की गुमशुदगी को लेकर मामला दर्ज कर लगातार तलाश कर रही थी। डीएसपी के द्वारा डॉग स्क्वायड से भी जांच पड़ताल की गई परंतु खबर लिखे जाने तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा।

को-ऑपरेटिव कॉलेज को लगातार दूसरी बार नैक से मिला बी ग्रेड

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोआपरेटिव कालेज को इस बार भी नैक से बी ग्रेड मिला है। मिली जानकारी के अनुसार कॉलेज को 2.36 अंक ही मिल पाए। जबकि यदि 2.51 अंक मिल जाते तो कॉलेज बी प्लस-ग्रेड हासिल कर लेता। ए-ग्रेड के लिए कॉलेज को न्यूनतम 3.01 अंक चाहिए थे। जिससे कॉलेज बहुत दूर रहा। हालांकि कॉलेज ने इसके लिए बहुत तैयार की थी। लेकिन इसका कोई खास असर नहीं हुआ और छह साल पहले के ही तरह कॉलेज को इस बार भी बी-ग्रेड ही मिला। वहीं कॉलेज प्रशासन का कहना है कि वह गेडिंग का रिव्यू कर रहा है। इसमें देखा जा रहा है कि नैक के किन किन बिंदुओं पर पिछड़ा है। विदित हो कि 5 व 6 अक्टूबर को नैक की तीन सदस्सीय टीम ने कॉलेज का निरीक्षण किया था।

नैक के निरीक्षण से कॉलेज को मिलेगा ग्रांट

विदित हो कि यूजीसी ने सभी महाविद्यालयों को नैक निरीक्षण कराना अनिवार्य कर दिया है। नैक निरीक्षण के आधार पर शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिए ग्रांट मिलेगी। जिसे महाविद्यालयों को उनके ग्रेड के मुताबिक वितरित किया जाता है। ग्रांट के लिए कम से कम बी ग्रेड मिलना जरूरी होता है। जिसे कॉलेज प्राप्त कर चुका है।

टीम ने दो दिन तक कॉलेज के सभी विभागों का निरीक्षण कर प्रेजेंटेशन देखा था साथ ही शिक्षकों व विभागाध्यक्षों तक से बात की थी। कुल 4 अंकों में 70% अंक एसएसआर (सेल्फ स्टडी रिपोर्ट) के और 30% अंक नैक टीम के निरीक्षण के थे। एसएसआर रिपोर्ट कॉलेज ने ऑनलाइन भेजी थी। जानकारी के मुताबिक सेल्फ स्टडी रिपोर्ट में कई खामियां पाई गईं। इसी कारण रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज को उम्मीद के अनुसार अंक नहीं मिल पाए।

ग्रेडिंग की समीक्षा के बाद पुनर मूल्यांकन के बारे में सोचेंगे : प्रिंसिपल

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अमर सिंह ने कहा कि वे ग्रेडिंग से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। इसे देखने के बाद ही यह फैसल लिया जाएगा कि वे रिव्यू में जाएंगे या नहीं। जिन बिंदुओं पर हमें बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी अगर उसमें प्रदर्शन खराब होगा तो हम नैक से पुनर मूल्यांकन के लिए अप्लाई करेंगे। लेकिन इस पर फैसला समीक्षा के बाद ही लिया जाएगा।

खूंटी में आज भी कायम हैं ऐसी परंपरा, जिनके निर्वहन से होती है गर्व की अनुभूति

बगड़ू गांव के आदिवासी देवी-देवताओं की मूर्तियों को अपने कंधे पर ढोकर लाते हैं पूजा स्थल तक

PHOTON NEWS KHUNTI : वर्तमान वैज्ञानिक युग में भी कुछ ऐसी परंपराएं आज भी कायम हैं, जिनके निर्वहन में लोगों को गर्व की अनुभूति होती है। ऐसी ही एक परंपरा है खूंटी के चौधरी मुहल्ला में सैकड़ों वर्षों से हो रही दुर्गा पूजा। यहां की विशेषता है कि माता दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती, भगवान गणेश, कार्तिक, महिषासुर सहित अन्य मूर्तियों को निकट गांव बगड़ू के आदिवासी अपने कंधे पर ढोकर पूजा स्थल तक लाते हैं।

मूर्तियों को कंधे पर ढोकर ले जाते ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

जनजाति समुदाय के लोग ही पूजा समापन के बाद विसर्जन के लिए मूर्तियों को कंधे पर ढोकर ही ले जाते हैं। यहां की यह पुरातन परंपरा उन आदिवासी नेताओं के लिए आंख खोलने वाली है, जो कहते हैं आदिवासी हिंदू नहीं हैं और वे मूर्तिपूजक नहीं हैं। इस जनजातीय समाज में नवरात्र के नौ दिनों तक लोग मांस-मछली और शराब का सेवन नहीं करते।

चौधरी मुहल्ला की दुर्गा पूजा खूंटी की सबसे पुरानी पूजा है। यहां दुर्गा पूजा की शुरूआत कब हुई, इसकी सटीक जानकारी तो किसी के पास नहीं है लेकिन यह जिले की सबसे पुरानी पूजा में से एक है। इस संबंध में वरिष्ठ पत्रकार और पूजा का आयोजन करने वाले चौधरी परिवार के सदस्य अरुण चौधरी और अधिवक्ता रास बिहारी चौधरी बताते हैं कि झारखंड में सबसे पहले दुर्गा पूजा की शुरूआत बंगाली समुदाय द्वारा की गई थी। उसी कालखांड में रातू के महाराजा और जरियागढ़ राज परिवार द्वारा दुर्गा पूजा की गई थी।

जरियागढ़ स्टेट के तत्कालीन राजा और खूंटी पट्टी के 12 गांवों के जमींदार बड़ाईक साहब की पहल पर जमींदार सदाशिव चौधरी ने पहली बार खूंटी में दुर्गा पूजा का आयोजन किया था। अरुण चौधरी और रास बिहारी चौधरी ने बताया कि उनके पूर्वजों द्वारा शुरू की गई परंपरागत दुर्गा पूजा आज भी जारी है। यहां पहले बलि प्रथा का प्रचलन था लेकिन अब इसे बंद कर दिया गया। आज भी आदिवासी समुदाय के लोग सभी प्रतिमाओं को कंधे पर ढोकर लाते हैं और माता रानी सहित देवी-देवता विसर्जन के लिए आदिवासियों के कंधे पर ही सवार होकर तालाब तक जाते हैं। इस दौरान दर्जनों गांवों के हजारों लोग पूजा-अर्चना के लिए चौधरी मुहल्ला के पूजा पंडाल में पहुंचते हैं।

BRIEF NEWS

अवैध खनन के खिलाफ छापेमारी अभियान, बालू लदे पांच हाइवा जब्त

RANCHI : अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण को पुलिस प्रशासन सख्त है। अनगड़ा थाना क्षेत्र के रांची- मुरी मार्ग स्थित बरवादाग के पास से पुलिस ने अवैध बालू लदे पांच हाइवा को जब्त किया है। शनिवार देर रात एक बजे पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। जब्त हाइवा में जेएच 10 बीबी 4003, जेएच 01 डीपी 3008, जेएच 01 सीवाई 6793, जेएच 19 सी 0329 और जेएच 01 4103 शामिल है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को रांची-मुरी मार्ग से बालू के अवैध परिवहन की सूचना मिली थी। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम का गठन कर छापेमारी अभियान चलाया गया।

मनरेगा अंतर्गत अकुशल मजदूर से कुशल हुए 41 को मिला प्लेसमेंट

RANCHI : मनरेगा अंतर्गत संचालित उन्नति परियोजना से अब तक झारखंड में 41 मनरेगा मजदूरों को कुशल बनाकर प्लेसमेंट दिया जा सका है। यानि इनसे मजदूरी छुड़ाकर इन्हें विभिन्न कंपनियों, कार्यालयों इत्यादि में नौकरी दिलायी गयी है। इस परियोजना अंतर्गत राज्य में अब तक 1442 मनरेगा श्रमिकों को कुशल बनाने के लिए विभिन्न ट्रेंड में प्रशिक्षण दिया गया है। बता दें कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा पूरे देश में निबंधित अकुशल मजदूरों को कुशल बनाकर रोजगार उपलब्ध कराने या स्वरोजगार करने के लिए उन्नति परियोजना शुरू की गयी है। इस परियोजना के तहत राज्य सरकारों को यह जिम्मेदारी भी दी गयी है कि ट्रेंड मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराये। प्लंबर, बिजली, सिलाई सहित कई ट्रेड में इन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सभी जिलों को लक्ष्य देकर प्रशिक्षण काम प्रारंभ शुरू किया जायेगा।

पथ निर्माण विभाग ने ड्यूटी से फरार कार्यपालक अभियंता को दी राहत, दंड से हुए मुक्त

RANCHI : झारखंड हाइकोर्ट के आदेश से पथ प्रमंडल के इंजीनियर को दंड से मुक्त कर दिया गया है। हालांकि हाइकोर्ट में दायर रिट के अंतिम फलाफल से यह आदेश प्रभावित होगा। तत्कालीन सहायक अभियंता रिंग रोड अवर प्रमंडल-2 पथ निर्माण विभाग अभिषेक श्रेष्ठ पर अगस्त 2012 में गंभीर आरोप लगे थे और उन्हें 28 अगस्त 2012 को निलंबित किया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें निलंबन मुक्त किया गया। वर्तमान में वे कार्यपालक अभियंता केंद्रीय प्रयोगशाला प्रमंडल गुण नियंत्रण निदेशालय रांची के पद पर काबिज हैं।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

HC के अधिवक्ता को जान से मारने की धमकी 5 लाख रुपये की मांगी रंगदारी, एफआईआर दर्ज

CRIME REPORTER RANCHI : हाई कोर्ट के अधिवक्ता नवीन सिंह को केस मैनेज नहीं करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। साथ ही उनसे पांच लाख की रंगदारी की भी मांग की गयी है। डोरंडा निवासी अधिवक्ता नवीन सिंह ने क्लाइंट रामगढ़ निवासी पंकज महतो और उसके साथियों के खिलाफ धुर्वा थाना में एफआईआर दर्ज कराया है। दर्ज एफआईआर में नवीन सिंह ने कहा कि उनके क्लाइंट पंकज महतो

उससे लीगल नोटिस करवाने के संदर्भ में मिला था, जो उन्होंने किया। इस बीच पंकज महतो किसी केस में जेल चला गया। जेल से बाहर आने के बाद पंकज महतो ने उन्हें सूचक की तरफ से हाजिर करवाकर जमानत का विरोध करने को कहा। उनपर दोनों केस में मैनेज करने के लिए दबाव बनाया गया। इससे वह विवश होकर पंकज महतो को अपनी दोनों फाइल और अन्य कागजात ले जाने को कहा। इसका सबूत व्हाट्सएप चैटिंग में है। इसके बाद पंकज महतो ने उनके मोबाइल नंबर पर कॉल कर धमकी दी।

नवीन सिंह ने थाना में दर्ज शिकायत में कहा है कि बीते 11 अक्टूबर को वह क्लर्क दिलीप यादव के साथ हाई कोर्ट से घर जा रहे थे। इसी दौरान जगरनाथपुर मंदिर के पास पंकज महतो अपने साथियों के साथ उनकी गाड़ी को ओवरटेक कर गाली-गलौच की और पांच लाख की मांग की। पैसे देने से मना करने पर पंकज महतो ने पिस्टल निकाल कर धमकी दी। साथ ही पंकज ने कहा कि दोनों केश मैनेज होने के लिए बोला था लेकिन तुमने बात नहीं मानकर मेरा लाखों का नुकसान करवा दिया। इसलिए तुम्हें रंगदारी के रूप में पांच लाख देने पड़ेंगे, नहीं तो तुम्हें जान से मार देंगे।

सीआरपीएफ के पूर्व डीआईजी की पत्नी से 27.50 लाख की धोखाधड़ी

बिजनेस में पैसा लगाने का झांसा देकर कर ली ठगी, प्राथमिकी दर्ज

CRIME REPORTER RANCHI : सीआरपीएफ के पूर्व डीआईजी स्व.मारियानुस मिंज की पत्नी सुनिता मिंज से 27.50 लाख की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस संबंध में सुनिता मिंज ने नामकुम थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। महिला ने आरिफ नय्यर उर्फ आर्या पर पार्टनरशिप में धोखाधडी कर पैसा हड़पने का आरोप लगाया है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, सुनिता मिंज कोकर बरियातु के रिम्स रोड पहान टोली में रहती है। वहीं आरिफ नय्यर उर्फ आर्या हसनेन पोल्टरी फर्म रोड छोटा तलाब निजाम नगर में रहता है।

स्टांप पेपर पर नाम चढ़वाकर साइन करवाया और बना पार्टनर

महिला ने थाने में दिये आवेदन में कहा है कि आरिफ नय्यर ने षडयंत्र के तहत नामकुम के उलीडिह स्थित उनके रेस्टोरेंट में पार्टनरशिप के लिए स्टांप पेपर पर अपना नाम चढ़वाकर साइन करवाया। इसके बाद आरिफ नयय्र उर्फ आर्या ने किसी और बिजनेस में पैसा लगाने का झांसा देकर महिला से लगभग 27.50 लाख ले लिया था। लेकिन आरिफ नय्यर ने पैसे को न तो किसी बिजनेस में निवेश किया और न ही बताया कि उनसे पैसा का क्या किया। महिला ने पार्टनरशिप में धोखाधडी कर पैसा हड़पने का आरोप लगाया है।

रेल पटरियों की होगी जांच, पांच स्टेशन में होगा काम

राजधानी सहित 11 ट्रेनों के रूट 10 नवंबर तक बदले, 11 हुईं रद्द

PHOTON NEWS RANCHI : खड़गपुर-आदित्यपुर नयी तीसरी रेल लाइन परियोजना में बनी रेल पटरियों के सुरक्षा की जांच की जाएगी। यह काम 17 दिनों तक चलेगा। इस वजह से दक्षिण पूर्व रेलवे के हावड़ा-मुंबई मेन लाइन में ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। यह नयी लाइन खड़गपुर व चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आता है। इस लाइन में आने वाले पांच रेलवे स्टेशनों में कमीशनिंग (पटरियों की सुरक्षा जांच) होगी। इस वजह से 25 अक्तूबर से 10 नवंबर तक राजधानी सहित 11 ट्रेनों के रूट में बदलाव किए गए हैं। वहीं 11 ट्रेनों को रद्द किया गया है। निर्धारित तारीख तक पांच स्टेशनों में प्री एनआई व एनआई वर्क होगा। ट्रेनों के रद्द, रूट चेंज करने के अतिरिक्त ट्रेनों के समय में भी बदलाव किया गया है। वहीं 11 ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया है। जिसमें ट्रेन संख्या 22892 आसनसोल-एचड ब्ल्यूएच एक्सप्रेस 25, 28 अक्तूबर, 1 नवंबर व 4 नवंबर को परिवर्तित मार्ग आद्रा-एमडीएन, 22891 हावड़ा-रांची एक्सप्रेस 2 नवंबर को परिवर्तित मार्ग आद्रा-एमडीएन, 12833 अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस 24, 26, 28, 30 अक्तूबर, 2 नवंबर व 5 नवंबर को चांडिल-आद्रा मार्ग, 18010 एआईआई-एसआरसी एक्सप्रेस 29 अक्तूबर व 5 नवंबर को चांडिल-आद्रा मार्ग, 22824 नयी दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस 24, 26, 28 अक्तूबर व 2 नवंबर को आद्रा-मेदनीपुर मार्ग, 22823 भुवनेश्वर-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस 2, 6 नवंबर व 7 नवंबर को मेदनीपुर-आद्रा मार्ग, 22858 आनदविहार-संतरागाछी एक्सप्रेस 24 अक्तूबर को आद्रा-एमडीएन मार्ग, 20827 जेबीपी-एसआरसी हमसफर एक्सप्रेस 26 अक्तूबर व 2 नवंबर को चांडिल मार्ग, 22511 एलटीटी- कामाख्या एक्सप्रेस 31 अक्तूबर को चांडिल-आद्रा-एमडीएन मार्ग, 15930 एनटीएसके-टीबीएम एक्सप्रेस 6 नवंबर को एमडीएन मार्ग, 12876 एएनवीटी-पुरी एक्सप्रेस 5 नवंबर को खड़गपुर-एमडीएन-आद्रा मार्ग पर चलेगी।

ये ट्रेनें रहेंगी रद्द

- 08049/08697 खड़गपुर-जेजीएम-पुरुलिया मेमू 25, 27, 28 अक्तूबर , 1, 3, 4 नवंबर व 6 से 10 नवंबर तक
- 08698/08050 पुरुलिया-जेजीएम-खड़गपुर मेमू 25, 27, 28 अक्तूबर, 1, 3, 4 नवंबर, 6 से 10 नवंबर तक
- 18033/18034 हावड़ा-जीटीएस-हावड़ा मेमू एक्सप्रेस 28, 30 अक्तूबर, 1 से 4 नवंबर तक
- 22857 एसआरसी-एएनवीटी एक्सप्रेस 30 अक्तूबर
- 22858 एएनवीटी-एसआरसी एक्सप्रेस 31 अक्तूबर
- 08152/08072 बीआरकेए-टाटा-खड़गपुर पैसेंजर स्पेशल 30, 31 अक्तूबर ,3, 5, 10 नवंबर तक
- 08071/08151 खड़गपुर-टाटा-बीआरकेए स्पेशल 30, 31 अक्तूबर, 2, 5, 10 नवंबर
- 08159/08160 खड़गपुर-टाटा-केजीपी मेमू 3 नवंबर
- 08055/08056 खड़गपुर-टाटा-खड़गपुर मेमू 1, 3 नवंबर, 5 से 10 नवंबर
- खड़गपुर-पुरुलिया तक चलने और खुलने वाली ट्रेनें
- 18033/18034 हावड़ा-जीटीएस-हावड़ा मेमू 25, 26, 27, 29, 31 अक्तूबर खड़गपुर तक चलेगी
- 08173/08174 आसनसोल-टाटा-एएसएन मेमू 3, 5, 6 व 7 नवंबर को पुरुलिया तक चलेगी

यहां चलेगा काम

- घाटशिला - 25 से 28 अक्तूबर तक
- गालूडीह - 28 से 30 अक्तूबर तक
- राखामाइंस - 29 से 4 नवंबर तक
- आसनबनी - 3 नवंबर से 7 नवंबर तक
- सालगाझरी इस्ट केबिन - 8 नवंबर से 10 नवंबर तक

ED के समन से आखिर CM परेशान क्यों : BJP

जेल भेजने की साजिश हेमंत की अंतरात्मा की आवाज : प्रतुल शाहदेव

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को चक्रधरपुर में एक प्रोग्राम में सीएम हेमंत सोरेन ने पैसे की मांग पर केंद्र द्वारा इडी का डर दिखाए जाने की बात कही थी। साथ ही उन्हें साजिशन जेल भेजे जाने की आशंका जताई थी। इस पर प्रदेश भाजपा ने उन पर हमला बोला है। प्रदेश कार्यालय में रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से यह जानना चाहा कि वह किस आधार पर कह रहे हैं कि उन्हें जेल भेजने की साजिश की जा रही है? इडी द्वारा सिर्फ उन्हें समन किया गया है लेकिन सीएम शायद अपनी अंतरात्मा की आवाज से यह बात कह रहे हैं क्योंकि उसे ही सारी सच्चाई पता होती है। प्रतुल ने कहा कि झारखंड पुलिस भी 41 ए के तहत हजारों नोटिस निर्गत किया करती है। तो ऐसे में एक केंद्रीय एजेंसी के नोटिस से मुख्यमंत्री इतना परेशान क्यों होकर बेचैन दिख रहे हैं? जाहिर है कि मुख्यमंत्री को पता है कि जजमेंट डे निकट आ रहा है। सारे घपले, घोटाले का हिसाब देना होगा। मुख्यमंत्री को यह भी पता है कि इसका अंतिम अंजाम क्या होगा

प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों से बातचीत करते प्रतुल शाहदेव व अन्य।

इसलिए वह बार-बार जेल जाने की बात कह रहे हैं। मौके पर मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक भी उपस्थित थे। प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने स्क्रिप्ट राइटर को बदलें क्योंकि वह बार-बार भाजपा पर 20 साल राज करने का आरोप लगा रहे हैं जबकि इस प्रदेश के 23 वर्षों में 12 साल तक झामुमो, कांग्रेस ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से राज किया। 2005 में 9 दिनों के लिए शिबू सोरेन मुख्यमंत्री बने।निर्दलीय मधु कोड़ा एक साल 346 दिन मुख्यमंत्री रहे जिन्हें झामुमो, कांग्रेस चला रहे थे। 2008 से 2010 के बीच में शिबू सोरेन दो बार 145 दिन और 153 दिन के लिए मुख्यमंत्री रहे। खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 2012 से 2014 में 1 साल 168 दिन तक मुख्यमंत्री बने रहे। वर्तमान में 29 दिसंबर 2019 से लगभग 3 वर्ष 10 महीने तक वह मुख्यमंत्री बने हुए हैं। हेमंत सोरेन 2 साल 129 दिन उपमुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। 2004 से 2014 के बीच में यूपीए के शासनकाल में 623 दिनों तक राष्ट्रपति शासन भी था और यह वह दौर था जब राजभवन कांग्रेस ऑफिस का एक्सटेंशन ऑफिस हुआ करता था। कांग्रेस के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भी उस दौर में राज्यपाल के सलाहकार हुआ करते थे। केंद्र सरकार के असहयोग पर पलटवार करते हुए प्रतुल ने कहा कि मोदी सरकार ने रघुवर सरकार के समय से भी ज्यादा मदद हेमंत सरकार को दिया है। इनके वित्तमंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने विधानसभा में भी केंद्र सरकार के सहयोग की प्रशंसा की थी।

विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश कर रहे सीएम

प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री खुद को आदिवासी बता कर विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश कर रहे हैं। पर वह भूल रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उनसे 28 मार्च, 2010 को एसआईटी ने 10 घंटे तक पूछताछ की थी। उस समय तो उन्होंने अपने पिछड़ी जाति के होने का हवाला देकर यूपीए सरकार पर कोई आरोप नहीं लगाया था। बाद में इस केस में एसआईटी ने मोदी को यूपीए शासन काल में ही क्लीन चिट दे दी जिसे बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने भी सही माना। सीबीआई ने भी गृह मंत्री अमित शाह से 7 अगस्त, 2010 को 9 घंटे तक लंबी पूछताछ की थी। बाद में 1 अगस्त, 2016 को अमित शाह को सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिल गई। उस समय उन्होंने भी कोई विक्टिम कार्ड नहीं खेला। लेकिन मुख्यमंत्री बार-बार विक्टिम कार्ड खेलकर ध्यान बाटने की कोशिश कर रहे हैं।

कृषि श्रमिक के लिए मनरेगा में 200 दिन काम की गारंटी दे सरकार : महेंद्र पाठक

RANCHI : झारखंड कृषि श्रमिक मजदूर यूनियन का राज्य सम्मेलन रविवार को अध्यक्ष मंडल कन्हाई मल पहाड़िया, अर्जुन कुमार और इम्तियाज खान की अध्यक्षता में हुई। सीपीआई के राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि झारखंड कृषि श्रमिक यूनियन के सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब पूरी दुनिया में युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। दूसरी ओर केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के कारण लगातार महंगाई बढ़ रही है। झारखंड बनने के बाद भी पलायन नहीं रुका है। सरकार की उदासीनता के कारण आज भी मजदूर दूसरे राज्यों में रोजी रोजगार के लिए जाने को मजबूर हैं। सरकार कृषि श्रमिक के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाए। साथ ही मनरेगा में 100 दिन की जगह 200 दिन काम की गारंटी दे।

झारखंड की फिल्म को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई जाएगी : डेनिस होरो

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में पहली बार फिल्म निर्माण से जुड़ी बारीकियों से रूबरू कराने के उद्देश्य से एक वर्कशॉप का आयोजन होगा। इंजोत डहर नाम की संस्था केबी जॉन प्रोडक्शन, मुंबई के साथ मिलकर इसका आयोजन किया जा रहा है। यह वर्कशॉप पुरूलिया रोड स्थित सत्यभारती के ऑडिटोरियम में होगा, जो 26 अक्टूबर से 4 नवंबर तक चलेगा। कार्यशाला का समापन समारोह अदन वाटिका, सहेरा रोड नामकुम में 4 नवंबर को फिल्म स्क्रीनिंग, सम्मान समारोह एवं संगीत के रंगारंग कार्यक्रम देसी टेकओवर से होगा। समापन

समारोह में झारखंड फिल्म इंडस्ट्री के सम्मानित गणमान्य शख्सियतों को उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम में झारखंड फिल्म इंडस्ट्री की मौजूदा चुनौतियों और समाधान पर परिचर्चा की जायेगी। झारखंड की फिल्म को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की कोशिश की जाएगी। यह जानकारी संस्था व आयोजन के संयोजक सह वरिष्ठ सलाहकार जॉन डेनिस होरो ने रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस ने 2.5 किलो अफीम के साथ दो तस्करों को दबोचा

CRIME REPORTER RANCHI : रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र से पुलिस ने दो अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों के पास पुलिस ग्राहक बनकर पहुंची थी और रंगेहाथ आरोपियों को धर दबोचा। जानकारी के अनुसार डीएसपी मुमल राज पुरोहित की सूचना पर पिठोरिया थाना प्रभारी अभय कुमार, एसआई राहुल कुमार और जेएसआई अमित मेहता की टीम ने थाना क्षेत्र के कोनकी रोड में छापेमारी कर अफीम के वैध धंधे में लगे दो लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 2.7 किलो अफीम बरामद हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम बिहारी मुंडा पिता मंगरु मुंडा उम्र 32 वर्ष और विनोद गोप पिता रामेश्वर गोप उम्र 32 है । ये दोनों गिरफ्तार आरोपी पुसु गांव के महुआ जरा के रहने वाले हैं। पूछताछ में दोनों आरोपी ने बताया कि वे अपनी गाड़ी पैशन प्रो जेएच 01 डीडी -9078 में अफीम को लेकर बिक्री के लिए खूंटी निकलने वाले थे। इससे पहले ही पिठोरिया थाना प्रभारी अभय कुमार ग्राहक बनकर अफीम खरीदने

पहुंचे और दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया।

चक्रव्यूह में अभिमन्यु रथ पर सवार होकर कौरवों से युद्ध करने की मुद्रा में नजर आएंगी मां दुर्गा

चतुर्थी से खुलेंगे पंडालों के पट, सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में दुर्गा पूजा को लेकर एक से एक आकर्षक पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। सभी पूजा समितियों के पंडाल लगभग तैयार होने को है। इसी क्रम में भारतीय नवयुवक संघ बकरी बाजार चतुर्थी के दिन अपने पंडाल का पट खोल देगा। यहां चक्रव्यूह में अभिमन्यु रथ पर सवार होकर कौरवों से युद्ध करने की मुद्रा में मां नजर आएंगी।

ओसीसी क्लब पूजा समिति, बांग्ला स्कूल के पंडाल का पट चतुर्थी को शाम को खुलेगा। यहां पंडाल के अंदर की कलाकृतियां विभिन्न राज्यों की रंगोलियां और वृहद प्रकाश व्यवस्था की होगी। आरआर स्पोर्टिंग क्लब, रातू रोड पंचमी के दिन पंडाल का पट

दुर्गा मां की मुर्ति को अंतिम रूप देता कलाकार।

खोलेगा। आरआर स्पोर्टिंग क्लब पुनर्जन्म की यात्रा को दिखाएगा। भगवान बुद्ध की जीवनी भी बताई जाएगी। इसके अलावा चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति, मेन रोड के पंडाल का पट पंचमी को खुलेगा। यहां देवनगरी का प्रारूप बनाया गया है। माता के हाथ में ग्लोब रहेगा। बनारस की तर्ज पर महाआरती और डमरू नृत्य होगा। दुर्गा पूजा में सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से राजधानी रांची में तीन हजार अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने रविवार को बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। साथ ही सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों को लगाया जाएगा।

रांची नगर निगम की स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता 20 अक्टूबर से

RANCHI : रांची नगर निगम की ओर से दुर्गा पूजा के अवसर पर स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जाना है। पूजा एवं त्योहारों के मौके पर अक्सर श्रद्धालुओं के द्वारा पंडालों के आसपास बचे खाद्य पदार्थों एवं अन्य ठोस अपशिष्ट को यत्र- तत्र फेंक दिया जाता है, जिससे गंदगी फैलती है। बेहतर सफाई के प्रबंधन का उत्तरदायित्व आयोजनकर्ता, स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं का भी है। इस प्रयास को प्रभावी बनाने के लिए सूडा के निर्देश के आलोक में स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। पूजा पंडालों का स्वच्छता मूल्यांकन 20 से 25 अक्टूबर के दौरान गठित टीम की ओर से तालिका में अंकित मापदंडों के आधार पर किया जायेगा। प्रतियोगिता कुल 120 अंक की है।

झारखंड के नौ नगर निगमों की 18 महिला कर्मी गणतंत्र दिवस समारोह में होंगी अतिथि

RANCHI : नई दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर भारत सरकार ने राज्यों को पत्र लिखा है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर झारखंड सरकार को लिखे गए पत्र में राज्य सरकार से नगर निगमों में कार्यरत दो महिला कर्मियों के नाम मांगे गए हैं, जिन्हें विशिष्ट अतिथि के रूप में गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जायेगा। इसी आलोक में झारखंड के नगर विकास विभाग ने रांची, धनबाद, देवघर, चास, मानगो, आदित्यपुर, मेदिनीनगर ,गिरिडीह, हजारीबाग नगर निगम के नगर आयुक्त और अपर नगर आयुक्त को पत्र लिखा है। विभाग ने गणतंत्र दिवस समारोह 2024 समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वुमेन इमप्लॉय ऑफ नगर निगम को शामिल करने के लिए दो महिला कर्मियों के नाम मांगे हैं।

75 फोर्टिफायड पुलिस थानों में प्रशासनिक कार्य शुरू

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में 75 फोर्टिफायड पुलिस थाना बनकर तैयार है और इसमें काम भी शुरू हो गया है। इसके अलावा सात फोर्टिफायड पुलिस थाना के निर्माण के लिए स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम के तहत 17 150 लाख का आवंटन किया गया है। राज्य में 54 पुलिस थानों का भी निर्माण पूरा हो चुका है और आठ निमार्णाधीन हैं। जानकारी के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2019-20 के बीच राज्य में स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम के तहत 156 करोड़ की लागत से कुल 75 फोर्टिफायड पुलिस स्टेशन का निर्माण पूरा किया गया है। फोर्टिफायड पुलिस स्टेशन खास तौर पर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बनता है। फोर्टिफायड का अर्थ किलानुमा यानी ऐसा पुलिस स्टेशन, जिसपर नक्सली या अपराधी चाहकर भी हमला नहीं कर पायें। इस पुलिस स्टेशन की घेराबंदी किले की तरह होती है। संतरी पोस्ट से लेकर सुरक्षा वे तमाम उपाय मजबूत होते हैं, जिससे थाना भवन हर तरह से सुरक्षित होता है। स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम के तहत फोर्टिफायड पुलिस स्टेशन के निर्माण में राज्य सरकार का जहां 40 प्रतिशत राशि खर्च होती है। वहीं केंद्र 60 प्रतिशत खर्च करता है। प्रोजेक्ट, डिजाइन व खर्च का आकलन कर केंद्र को प्रस्ताव भेजा जाता है। अंतिम रूप से खर्च की राशि की वापसी को 60 प्रतिशत राशि के लिए राज्य सरकार केंद्र को प्रस्ताव भेजती है।

BRIEF NEWS

बिरमित्रपुर में दुर्गोत्सव के लिए शांति समिति की बैठक

ROURKELA : बिरमित्रपुर थाना में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी आशीष कुमार जेना की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बिरमित्रपुर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशांत कुमार दास, पूर्व विधायक निहार सुरीन सहित शहर के कई बुद्धिजीवी उपस्थित थे। शांति के साथ दुगार्पूजा कैसे संपन्न हो, इस पर चर्चा हुई। इसमें मुख्य रूप से शहर में ट्रैफिक समस्या और बिजली समस्या पर चर्चा की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन शाखा की ओर से पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने का वादा किया गया। प्रत्येक पंडाल और यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की प्रतिनियुक्ति पर चर्चा हुई। इस बैठक में पुलिस की ओर से एसआई गणेश्वर नाइक और समिति के सदस्य जगदीश अग्रवाल, सुनील बल्लू तिवारी, बीके शुक्ला, विक्रम पटनायक, अब्बुल खेरू, मो. अब्दुल्ला, मानस नंद, लक्ष्मी पात्र उपस्थित थे।

भगवती महिला मंडल ने निकाली कलश यात्रा

ROURKELA : राउरकेला के गोबंधुपल्ली मे माँ भगवती महिला मंडल और जीपी यंग क्लब के द्वारा तीसरे वर्ष नवरात्र महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर कलश यात्रा निकाला गया। जिसमें करीव 250 महिलाओं ने भाग लिया। नौ दिनों तक मां दुर्गा और देवी देवताओं के पूजन यज्ञ, भजन इत्यादि कराया जाएगा।

कचड़ा मुक्त शहर के लिए लोगों को किया जा रहा जागरूक

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम की तरफ से राउरकेला शहर को कचड़ा मुक्त करने के लिए शहर के विभिन्न वार्डों के घरों से अप्रयुक्त विद्युत कचरे का संग्रहण किया जा रहा है। एकत्रित कचरे को स्थानीय म्यूनिसिपल कॉलेज, तुस्सीटोला और बीपीयूटी के पास मटेरियल रिकवरी सेंटर (एमआरएफ) में जमा किया जाता है। आरएमसी द्वारा नियोजित स्वच्छ साथी घर-घर जाकर लोगों को अपशिष्ट पदार्थों को इधर-उधर न फेंकने की सचेतन कर रहे हैं।

ग्रामीणों की सुख-समृद्धि व शांति के लिए की गयी ग्राम देवता की पूजा अर्चना

CHAIBASA : शहर से सटे मतकमहातु सीमान पर रविवार को ग्राम देवता के नाम से बनाए पूजास्थल पर ग्रामीणों ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। प्रत्येक वर्ष अक्टूबर माह के 15 तारीख को पूजा का आयोजन पूरे गांव के सुख, शांति के लिए मिलकर करते हैं। गांव के दियुरी चंद्र मोहन देवगम व सहयोगी सतारी देवगम ने मिलकर दो लाल मुर्गे की बलि चढ़ा कर सुख समृद्धि की कामना की। ग्रामीणों के आग्रह पर विधायक दीपक बिरुवा भी उपस्थित हुए।के उन्होंने पूजा स्थल पर हाथ जोड़कर गांव के सुख समृद्धि की कामना की। ग्रामीण मुंडा धनुर्जय देवगम ने बताया कि मतकमहातु गांव को नगर परिषद से अलग कराने के बाद यहां हर साल पूजा अर्चना की जाती है। ग्रामीणों की सुख समृद्धि व शांति के लिए ग्राम देवता की पूजा अर्चना प्रारंभ की गई थी, जिसे वे ग्रामीणों के साथ निभाते आ रहे हैं। इसके पूर्व ग्रामीणों ने पारंपरिक मादल नगाड़े की धुन पर दियुरी को उनके घर से नाचते गाते हुए पूजा स्थल तक पहुंचाया। जहां विधिवत पूजा अर्चना की गई। पूजा अर्चना समाप्त होते तक ग्रामीण नाचते गाते रहे। पूजा की समाप्ति के बाद नाचते गाते हुए पुनः दियुरी को उनके घर पहुंचाया गया। मौके पर गंगाराम देवगम, नारायण देवगम, धर्मराज देवगम, कैलाश देवगम, चक्र देवगम, विक्रम देवगम, बोस देवगम, छोटू सुंडी समेत अन्य उपस्थित थे।

झामुमो सदर प्रखंड कमेटी के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सह सदस्यता अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक, बोले-

पार्टी के सिद्धांत को लोगों तक पहुंचाएं कार्यकर्ता

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर प्रखंड अंतर्गत सरनाडीह स्थित झामुमो कार्यालय परिसर में रविवार को झामुमो सदर प्रखंड कमेटी की ओर से एक दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सह सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रखंड अध्यक्ष सतीश सुंडी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक बिरुवा शामिल हुए. कार्यक्रम में पहुंचते ही स्थानीय कार्यकताओं द्वारा विधायक व अन्य अतिथियों को गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया. कार्यक्रम के दौरान प्रखंड के सैकड़ों लोगों ने राज्य सरकार और विधायक के कार्यशैली से प्रभावित होकर अन्य

कार्यक्रम में उपस्थित विधायक दीपक बिरुवा एवं नवनिर्वाचित सदस्य • फोटोन न्यूज

पार्टी छोड़कर झामुमो का दामन थामा. विधायक और अन्य अतिथि द्वारा उन्हें माला पहनाकर झामुमो पार्टी में स्वागत किया. इसके पूर्व झामुमो पार्टी के दिवंगत कार्यकताओं की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जी ने राज्य सरकार द्वारा एवं उनके अथक प्रयास से किए जा रहे जनकल्याणकारी योजना के बारे में कार्यकताओं को अवगत कराया एवं प्रखंड के 18 पंचायत के पदाधिकारियो को पंचायत स्तर पर योजनाओं का प्रचार प्रसार करने और संगठन को मजबूत करने का आदेश दिया. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है. हमारा संगठन काफी मजबूत है। सदस्यता अभियान को सफल बनाकर एक बार फिर से पार्टी संगठन को मजबूत करेंगे और आने वाले लोकसभा व विधान सभा चुनाव में झामुमो को सत्ता में बरकरार रखने का प्रयास करेंगे। पार्टी से जुड़े लोग संयम और अनुशासन बरतें, जीत अवश्य मिलेगी। कार्यकर्ता पार्टी के नीति सिद्धांत को हर लोगों के पास पहुंचाएं। कार्यकर्ता एक कदम आगे बढ़े, झामुमो पार्टी दस कदम आगे बढ़ने को तैयार है।

वहीं विशिष्ट अतिथि जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य श्री सुभाष बनर्जी ने कहा कि आप ही ऐसे कार्यकर्ता हैं जिन्होंने दीपक बैरवा को मजबूत बनाने का काम किया और लगातार तीन बार जिताकर विधानसभा भेजने का काम किया। विधायक जी ने जनता हित में लगातार विधानसभा में मुखर होकर आवाज उठाने का काम किया। उन्होंने विधायक जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि विधायक दीपक बिरुवा विधानसभा क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहे हैं और जनता के सुख दुख में भी उनके साथ खड़े रहते हैं.

भुवनेश्वर महतो ने कहा कि विधायक जी की आंधी को और मजबूत प्रदान करने के लिए सदस्यता ग्रहण करने वालों को बधाई देते हुए कहा कि झामुमो के नीति सिद्धांतों को बताकर अधिक से अधिक कार्यकर्ता को जोड़ने का काम करें। विधानसभा में हर जाति समुदाय के लोगों के हित में आवाज उठाने वाले विधायक दीपक बिरुवा को और अधिक मजबूती प्रदान करने का काम करें। अधिवक्ता विकास मिश्रा ने कहा कि सभी कार्यकर्ता महीना में 10 व्यक्ति को जोड़ने का कार्य करें। सफलता निश्चित हासिल होगी। उन्होंने तन मन धन से विधायक दीपक बिरुवा को चौथी बार विधायक बनाने का संकल्प दिलाया। विधायक आपका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

मंच संचालन सेबोन बोयपाई एवं मन्ना कुदादा ने किया। मौके पर झामुमो बुद्धिजीवी मंच के सुभाष मिश्रा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सोमवारी बहंदा, पूर्व नगर परिषद कार्यकारी अध्यक्ष डोमा मिंज, हाटगम्हारिया जिप सदस्य प्रमिला पिंगुवा, टोंटो जिप सदस्य

राज नारायण तुबिड, चाईबासा जिप सदस्य राजश्री सवैया, झींकपानी प्रखंड अध्यक्ष सोंगा बिरुली, हाटगम्हारिया प्रखंड अध्यक्ष बलवंत गोप, नगर अध्यक्ष राहुल तिवारी, झामुमो महिला नेत्री सुमी सिंकू, झारखंड आंदोलनकारी भुवनेश्वर महतो, सतीश बानरा, मोहन सूंब्रुई, तुराम सुंडी, मसीह देवगम, डूबलिया बारी, नारायण देवगम, मानकी कुदादा, बेरेल तियू, गुमदी पूर्ति, चंद्र मोहन देवगम, राजा सुंडी, सूरज बोयपाई, विजय सिंह बोयपाई, महेंद्र पूर्ति, राजेंद्र देवगम समेत अन्य उपस्थित थे।

बीजेडी ने निकाली जनसंपर्क यात्रा सरकार के योजनाओं की दी जानकारी

PHOTON NEWS ROURKELA : बीजू जनता दल (बीजेडी) ने राउरकेला निर्वाचन क्षेत्र में जनसंपर्क यात्रा रविवार को निकाला। राउरकेला के विधायक और श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक के नेतृत्व में यात्रा निकाली गई। राउरकेला बिसरा चौक स्थित बिरसा मुंडा मूर्ति पर पुष्प अर्पित किया गया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बीजेडी के कार्यकर्ताओं ने बिसरा चौक से निकल कर मेन रोड होते हुए अंबेदकर चौक से विशाल रैली निकाली जो मां सिंहासिनी मंदिर तक पहुंची।

इस दौरान श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने कहा कि ओडिशा के लोगों का विकास, 23 वर्षों से ओडिशा की प्रगति, साढ़े चार करोड़ लोगों की सेवा करने वाले

जनसंपर्क यात्रा में शामिल पार्टी कार्यकर्ता। • फोटोन न्यूज

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हमेशा बीजू स्वास्थ्य कल्याण, मिशन शक्ति, मातृत्व जैसी योजनाएं चलाई हैं जागृति, सुशासन के लिए 5 परिवर्तन, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, जनजाति, दलित, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों का विकास, खेती, खेती में सुधार, कृत्रिम संघर्ष से सफलतापूर्वक निपटना, हमारी संस्कृति को मजबूत करना, हमारी विरासत, हमारी पहचान पर काम किया। वहीं ओडिशा के प्रति केंद्र की लापरवाही- ओडिशा को विशेष राज्य का दर्जा, राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में उचित देरी, रेलवे में ओडिशा को उसके अधिकारों से वंचित किया गया, ओडिशा आवास योजना को केंद्र ने खारिज कर ओडिशा के विकास की गति कम की है। केन्द्र सरकार केवल भाषण देकर वोट लेना जानती है।

इसके साथ ही बंडामुंडा के भाजपा एससी मंडल अध्यक्ष नीतीश मुखी ने अपने समर्थक सतशा मुखी, शंकर मुखी, मंटू मुखी के साथ आज अपनी पार्टी छोड़कर बीजेजे में शामिल हो हुए। श्रम मंत्री ने नए गठबंधन नेताओं का स्वागत किया। इस जनसंपर्क यात्रा में 5 हजार से ज्यादा बीजद कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस दौरान बीजद कार्यकर्ता नवीन पटनायक जिंदाबाद और सारदा नायक जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। जनसंपर्क यात्रा में नगर अध्यक्ष गगन पंडा, जिला परिषद प्रमुख कुंती प्रधान, सभापति हलु मुंडारी, कार्यवाहक सभापति प्रदीमन त्रिपाठी, पूर्व विधायक डॉ. प्रफुल्ल माझी, रंजीत किशन, संतोष अमात, फुलमनी केरकेटा आदि उपस्थित थे।

नेशनल गर्ल्स फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे यूएई और महाराष्ट्र

PHOTON NEWS SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिला खेल संसद स्टेडियम में काउंसिल ऑफ इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) द्वारा आयोजित अंडर-19 नेशनल गर्ल्स फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन छह मैच खेले गए। पहले मैच में नॉर्थ इंडिया टीम ने तमिलनाडु को 4-1 गोल से हराया, जबकि दूसरे मैच में यूएई की टीम ने नॉर्थ वेस्ट टीम को 3-0 गोल से हराया।

अन्य मुकाबलों में यूपी-यूके की टीम ने आंध्र प्रदेश-तेलंगाना की टीम को 4-0 गोल से और महाराष्ट्र की टीम ने पश्चिम बंगाल-नॉर्थ ईस्ट की टीम को 9-0 गोल से हराया। पहला सेमीफाइनल यूएई और यूपी-यूके के बीच हुआ, जिसमें यूएई की टीम ने 6-1 से जीत हासिल कर फाइनल में

फाइनल में पहुंचीं यूएई एवं महाराष्ट्र की टीमें। • फोटोन न्यूज

जगह बनाई। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में महाराष्ट्र की टीम ने नॉर्थ इंडिया को 8-0 गोल से हराकर फाइनल खेलने के लिए क्वालीफाई कर लिया। कल प्रतियोगिता का फाइनल मैच यूनाइटेड अरब एमिरेट और महाराष्ट्र की टीम के बीच होगा। सेंट टेरेसा इंग्लिश स्कूल, सुंदरगढ़ सीआईएससीई और ओडिशा क्षेत्र के सहयोग से प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है।

सीआईएससीई के पर्यवेक्षक डॉ. जेम्स, आईसीएससी स्कूल ओडिशा क्षेत्र के संपादक और मुख्य कोऑर्डिनेटर गेम्स एंड स्पॉर्ट्स तथा आयोजन संपादक सिस्टर पी. सेल्वी, ??सेंट टेरेसा इंग्लिश स्कूल की वाइस प्रिंसिपल ,सिस्टर जगरानी, सिस्टर तेरेश्यामा अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन अनिल दास, संजय कुमार पाढ़ी, हमिद कुमार महापात्र, देबासीस साहू, सौम्यरंजन नायक, दीपक साहू, अरिंदम महापात्र, आनंद कुजूर ने किया जबकि अन्य शिक्षकों ने योगदान दिया।

सौंदर्यीकरण से वंचित झूला पुल के लिए दिलीप राय ने उठाई आवाज

PHOTON NEWS ROURKELA : वेदव्यास पीठ के विकास पर स्मार्ट सिटी की ओर से करीब 10 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। राज्य सरकार ने शुक्रवार को 14 करोड़ 5 लाख रुपए की अनुदान मंजूर किए हैं। स्वीकृत धनराशि से वेदव्यास पीठ एवं उसके चारों ओर का सौन्दर्यीकरण कराया जा रहा है। लेकिन लंबे समय से मांग में रहे है झूला पुल को सौंदर्यीकरण कार्य से बाहर रखा गया है। वेदव्यास विकास मंच के नेतृत्व में प्रस्तावित झूला पोल के निर्माण के लिए सर्वे का काम पूरा हो चुका है। ब्रिज कंसल्टेंट इंजीनियरिंग के अशोक कुमार दास ने परियोजना की विस्तृत जानकारी (डीपीआईआर) सरकार के समक्ष प्रस्तुत की।

राज्य सरकार द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिये जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप राय ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 2015 में, जब वह राउरकेला विधायक थे, सुंदरगढ़ के सांसद और पूर्व आदिवासी मंत्री जोएल ओराम ने झूला पुल के निर्माण के लिए 12 करोड़ रुपये मंजूर किये

थे। सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वेद व्यास पश्चिमी ओडिशा के एक अन्यतम शिवपीठों में से एक हैं। ब्रह्माणी शंख, कोयल और सरस्वती के त्रिवेणी संगम का स्रोत बहती है। हर वर्ष शिवरात्रि पर लगभग 15 दिनों तक जागर मेला लगता है। लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। वैदिक गुरुकुल आश्रम, गोशाला सह में ऋषि ब्याश की प्रतिमा हाल ही में स्थापित की गई है। ब्यास गुफा शिवपीठ के इतिहास की भी गवाह है। पश्चिम ओडिशा के ऐसे प्रसिद्ध शिवपीठ में झूला पुल बना दिया जाए तो भारी संख्या में भक्तों की भीड़ जुटेगी। इससे वेद व्यास शिव पीठ भी एक अन्य आकर्षण केन्द्र के रूप में राज्य के पर्यटन मानचित्र की शोभा बढ़ाएगा।

सुस्मिता मिंज के मौत की सीबीआइ जांच की मांग

SUNDARGARH : झामुमो ने बहुचर्चित सुस्मिता मिंज व महिला एएसआइ एलिस नरमी लुगून की संदिग्ध मौत को सुनियोजित हत्याकांड करार दिया है। दिवंगत असिस्टेंट कलेक्टर सुस्मिता मिंज की मौत के बाद उनकी सुरक्षा में नियोजित महिला एएसआइ लुगून की संदिग्ध मौत भी इस ओर इशारा कर रही है कि उनकी मौत सामान्य मौत नहीं है। झामुमो ने कहा कि सुस्मिता मिंज से जुड़ी कड़ी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो रही है। मामले में करने के लिये इसकी सीबीआइ जांच होना नितांत जरूरी है। शनिवार को पंथ निवास में आयोजित झामुमो सुंदरगढ़ जिलाध्यक्ष पातरस एक्का और झामुमो के स्टेट कमेटी सचिव लेथा तिर्की ने यह मांग की। पातरस एक्का ने कहा कि परिवारों को न्याय दिलाने के लिये वे सीबीआइ जांच की मांग कर रहे हैं, वर्तमान में परिजनों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। लेकिन झामुमो उनके साथ है तथा लगातार उनके संपर्क में हैं।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों व संवेदनशील स्थलों पर होगी दंडाधिकारियों और पुलिस जवानों की प्रतिनियुक्ति

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर थाना प्रांगण में रविवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर की संयुक्त अध्यक्षता में शहर अंतर्गत केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति सहित अन्य पूजा पंडाल समिति के सदस्यों की उपस्थिति में दुर्गा पूजा को लेकर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के संदर्भ में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में केंद्रीय पूजा समिति व शांति समिति, पंडाल समिति सदस्यों संग शहर में कुल 21 पूजा पंडाल का निर्माण के अलावा साफ-सफाई, रोशनी व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि शहर में केंद्रीय पूजा समिति का पुनर्गठन के लिए शहर वासियों को बधाई देता हूं, साथ ही जिला प्रशासन समस्त आयोजन से लेकर विसर्जन तक में केंद्रीय पूजा समिति के सदस्यों से दुर्गा पूजा के दौरान अपेक्षित सहयोग की आशा भी

बैठक में शामिल उपायुक्त व अन्य। • फोटोन न्यूज

रखता है। उन्होंने कहा कि पूजा आयोजनों में विधि व्यवस्था संधारण के लिए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर दंडाधिकारी सहित पुलिस जवानों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। आप लोगों से अपील है कि कोई भी ऐसी भ्रामक सूचना जो विधि-व्यवस्था संधारण के विपरीत हो, उसकी जानकारी तुरंत प्रशासन के लोगों तक उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें, ताकि तत्परता से सूचना पर कार्रवाई किया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि दुर्गा पूजा आयोजन एवं पूजा पंडाल का पट खुलने से लेकर प्रतिमा विसर्जन तक सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं आम नागरिकों को उपलब्ध करवाने के लिए जिला प्रशासन मुस्तैद है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने पूजा पंडाल समिति के प्रतिनिधियों को पंडाल में आवश्यक रूप से सीसीटीवी कैमरे का अधिष्ठापन, अग्निशमन हेतु वैकल्पिक व उचित व्यवस्था, पंडाल में आगमन और निकास हेतु अलग-अलग दरवाजे का निर्माण सहित सुरक्षा दृष्टिकोण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं को उल्लेखित कर इसके अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए संसूचित किया गया। उन्होंने कहा कि जिला में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा आयोजन में आप सभी का सहयोग आवश्यक है। सदर थाना प्रभारी ने बताया कि विगत दिनों थाने में आहूत शांति समिति की बैठक में आगामी बुधवार 18 अक्टूबर को प्रशासन, शांति समिति व पूजा पंडाल समिति के सदस्यों की सहभागिता से विसर्जन घाटों का श्रमदान द्वारा सफाई करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है। इस दौरान केंद्रीय पूजा समिति के द्वारा बताया गया कि दुर्गा पूजा के तहत विसर्जन के दौरान केंद्रीय पूजा समिति के सदस्य पहचान पत्र के साथ मौजूद रहेंगे। बैठक में सहायक समाहर्ता श्रुति राजलक्ष्मी, सिविल सर्जन डॉ. सहिर पाल, सदर अनुमंडल पदाधिकारी शशीन्द्र कुमार बढ़ाईक, सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, चाईबासा नगरपरिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी व अन्य उपस्थित रहे।

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेला जा रहा एस आर रूंगटा बी-डिविजन लीग

एकतरफा मुकाबले में प्रताप क्रिकेट क्लब ने फेनेटिक क्लब को 115 रनों से पराजित कर बटोरे पूरे चार अंक

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेले जा रहे एस आर रूंगटा बी-डिविजन लीग के अंतर्गत रविवार को खेले गए मैच में प्रताप क्रिकेट क्लब चाईबासा ने फेनेटिक क्लब चाईबासा को एकतरफा मुकाबले में 115 रनों से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए।

स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस फेनेटिक क्लब के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रताप क्रिकेट क्लब की टीम ने निर्धारित तीस ओवरों में नौ

जीत के बाद प्रताप क्रिकेट क्लब की टीम। • फोटोन न्यूज

विकेट खोकर 192 रन बनाए। चक्रधर ने सात चौकों एवं एक छक्का की मदद से सर्वाधिक 46 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों में अमन पासवान ने दो चौकों एवं एक छक्का की मदद से 28 रन, पश्चिमी उद्घाटक बल्लेबाज अनीस कुमार दास ने 24 रन, प्रभात बोयपाई ने 19 रन तथा चंदन कुमार ने 17 रन बनाए। फेनेटिक क्लब की ओर से सुनील कुमार चातर ने 31 रन देकर तीन विकेट, अनमोल टोपनो ने 49 रन देकर दो विकेट तथा अभिषेक बोदरा ने 41 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए।

जीत के लिए निर्धारित तीस ओवर में 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी फेनेटिक क्लब की हालत उस समय काफी खराब हो गई थी जब मात्र 40 रन के स्कोर पर उसके 9 खिलाड़ी पैविलियन लौट चुके थे परंतु दसवें विकेट के लिए सन्नी सन तिरिया एवं सावन गोप ने 37 रनों की साझेदारी निभाकर टीम की लाज बचाई। सावन गोप ने तीन चौकों एवं एक छक्का की मदद से मात्र आठ गेंदों पर 18 रन बनाए और अंत तक नाबाद रहा। कृपा सिंधु चंदन ने 15 तथा सन्नी सन तिरिया ने 13 रन बनाए। अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया। प्रताप क्रिकेट क्लब की ओर से आदित्य कुमार यादव ने 3.5 ओवर की गेदबाजी कर मात्र 21 रन देकर पाँच खिलाड़ियों को चलता किया। रही सही कसर सुधांशु पाल ने पूरी कर दी जिसने 16 रन देकर तीन विकेट झटके। कप्तान प्रतीक अग्रवाल को एक विकेट हासिल हुआ। इससे पूर्व मैच का प्रारंभ जिला क्रिकेट संघ के महासचिव असीम कुमार सिंह ने दोनों टीमों के कप्तानों एवं अंपायरों की उपस्थिति में टॉस करवाकर किया।

MBSN के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की महिषासुर के वध की झांकी

महिषासुर वध की प्रस्तुत करती छात्राएं। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : नवरात्रि के शुभ अवसर पर रविवार को महाविद्यालय के बीएड संकाय के छात्र-छात्राओं द्वारा दुर्गोत्सव का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के निदेशक महोदय विवेक सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद प्रियंका दास और ग्रुप ने मां दुर्गा की जगराता के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वहीं नंदनी और ग्रुप ने मां दुर्गा की विभिन्न रूपों के द्वारा महिषासुर के वध की झांकी प्रस्तुत की और हेमंती ने दुर्गोत्सव की संपूर्ण कहानी को कला के माध्यम से रखते हुए दुर्गा पूजा की महत्ता और असत्य पर सत्य की जीत का वृतांत गाथा को सुंदर शैली में प्रस्तुत किया। इसके बाद किशन एंड ग्रुप ने गुजरात के सुप्रसिद्ध डांडिया नृत्य और आरती और ग्रुप ने विभिन्न नृत्यों की प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस पूरे कार्यक्रम के लिए मंच संचालन परमजीत और पायल ने किया तथा विद्यार्थीगण के लिए विभिन्न प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन कर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

खुद में इच्छा शक्ति, सरकार और प्रशासन का समर्थन हो तो

महिलाएं कुछ भी कर सकती हैं: सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास से नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति के चौथे चरण का आगाज महिला सशक्तिकरण रैली को रवाना कर किया, जो राजधानी के विभिन्न पड़ाव से होते हुए 1090 चौराहे पर समाप्त हुई। रैली के जरिये केंद्र और राज्य सरकार की ओर से महिलाओं-बेटियों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं से रूबरू कराया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में वर्ष 2020 में महिला संबंधी अपराधों को नियंत्रित करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसकी थीम थी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन। तीन मुद्दों को लेकर शुरू हुआ कार्यक्रम आज मिशन शक्ति के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम ने प्रदेश में लोकप्रियता हासिल करने के साथ पूरे देश में महिला संबंधी अपराध को नियंत्रित करने और अपराधियों को सजा दिलाने वाले राज्यों में अग्रणी राज्य बन गया। मिशन शक्ति की सफलता का ही परिणाम है कि भारत सरकार ने भी महिला सुरक्षा के लिए चलाए जाने वाले अभियान का नाम मिशन शक्ति रखा है, जो यह दशार्ता है कि जब कोई भी इनिशिएटिव समाज में व्यापक जागरूकता का बड़ा माध्यम बनता है तो उसे राष्ट्रव्यापी बनने में देर नहीं लगती है। मिशन शक्ति के इस चौथे चरण का भी यह उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न तरह के कार्यक्रम चलाती है, लेकिन जिनके लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है उन्हे इसकी जानकारी ही नहीं हो पाती। इसकी वजह से वह इसका लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे में प्रदेश के सभी 75 जिलों के लिए जागरुकता रैली का शुभारंभ किया गया है। इसके बाद प्रदेश के हर जनपद के स्कूल, कॉलेज में प्रभात रैलियां निकाल जाएंगी। इसके अलावा उन जनपदों में महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन को लेकर अच्छा काम करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं 15 अक्टूबर से हर शहर, गांव और नगर निकायों के वार्ड में केंद्र और राज्य सरकार की महिला संबंधी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दौरान सरकार की ओर से महिलाओं और बेटियों की रक्षा से संबंधित उठाए गए विभिन्न मुद्दों से उन्हें अवगत कराया जाएगा। पहले प्रदेश में लोग महिलाओं के बारे में बोलते थे कि वह बहुत पढ़ी-लिखी नहीं है तो वह क्या काम कर पाएंगी, लेकिन हमारी सरकार ने इस धारण को बदला। आज बीसी सखी, बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंस सखी बन कर वह गांव में बैंक की कमी को पूरा कर रही हैं। इतना ही नहीं वह गांवों के लोगों की विपत्ति के समय में मदद भी कर रहीं हैं। इन महिलाओं को सरकार की ओर से छह माह का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सरकार ने मानदेय भी दिया। इनमें सबसे कम 25 हजार रुपये और सबसे अधिक सवा से डेढ़ लाख तक महिलाएं कमा रहीं हैं। इस प्रयास को और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इससे पहले वर्ष 2019 में तीसरी और पांचवीं पास महज पांच से सात महिलाओं का सपोर्ट करते हुए सरकार ने बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर की स्थापना की। पिछले 3 वर्षों में इनका कारोबार प्रति वर्ष डेढ़ सौ करोड़ के टर्नओवर तक पहुंच गया है और लगभग 15 से 16 करोड़ का नेट प्रॉफिट होता है।

विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर नेत्र प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

संवाददाता

धामपुर। शुगर मिल्स धामपुर मे विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर शुगर मिल के यूनिट हेड सुभाष पांडे के निर्देशन में सी,एल, गुप्ता आई हॉस्पिटल मुरादाबाद की टीम के द्वारा नेत्र प्रशिक्षण सिविल लगाया गया। शिविर में धामपुर शुगर मिल के श्रमिकों एवं कर्मचारियों तथा उनके पारिवारिक जनों के रेटिना तथा मोतियाबिंद का प्रशिक्षण सी,एल गुप्ता आई हॉस्पिटल मुरादाबाद की टीम के द्वारा किया गया। शिविर में कुल 125 श्रमिकों एवं कर्मचारियों के आंखों का प्रशिक्षण किया गया तथा उनका परामर्श दिया गया और चश्मे भी वितरण किए गए। नेत्र प्रशिक्षण में मिस सादिया, सरोज ,सरिता अनूप नीरज कुमार के द्वारा संयुक्त रूप में किया गया। धामपुर शुगर मिल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंकज श्रीवास्तव एवं सहायक मेडिकल ऑफिसर कमल सिंह पवार ने सी,एल, गुप्ता आई हॉस्पिटल मुरादाबाद की टीम का भरपूर सहयोग किया। इस अवसर पर धामपुर शुगर मिल के कारखाना प्रबंधक विजय कुमार गुप्ता, विवेक सिंह यादव ,तरुण राणा ,कविता रानी, संजय त्यागी, उज्जवल सिंह, शरद गहलोत, उत्तम सिंह, मोहम्मद शमीम, धर्मेंद्र सिंह ,शिखर चंद ,अनिल उपाध्याय ,वीरेंद्र यादव ,आदि उपस्थित रहे।

यशवर्धन राय मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा शिक्षण सामग्री वितरण

संवाददाता

कुशीनगर। यशवर्धन राय मेमोरियल फाउंडेशन की स्थापना के एक वर्ष पूरे होने पर हाटा विकास खंड के ग्रामसभा भठही बाबू स्थित प्राथमिक विद्यालय भठही राजा में बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरण वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन से हुआ। बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर के बीएड विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 निगम मौर्य ने कहा कि शिक्षा दान सभी दान में सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि इसके माध्यम से हर लक्ष्य की प्राप्ति संभव है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्राथमिक संवर्ग के मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ल ने शिक्षण सामग्री वितरण हेतु फाउंडेशन की सराहना करते हुए बच्चों से शिक्षण सामग्री के समुचित उपयोग की बात कही। फाउंडेशन के उप प्रबंधक उपेंद्र राय ने बच्चों को पढ़ने और आगे बढ़ने का मंत्र देते हुए आगे भी जरूरत पड़ने पर सामग्री उपलब्ध कराने को कहा। संचालन प्रबंधक डॉ0 हरिओम मिश्र, अतिथियों का स्वागत प्रधानाध्यापिका शैलवी वर्मा, आभार शिक्षक राजू कुमार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ0 सौरभ द्विवेदी, ग्राम प्रधान सुभाष कान्दू, प्रकाम्य चतुवेर्दी, प्रवीण राव, कृष्णमोहन गौड़, हरगोविंद राव, पेशकार गौड़, किशन, अमन, आशा देवी, रूपा देवी, चंद्रावती देवी इत्यादि उपस्थित रहे।

नि:शुल्क तर्पण सम्बंधित विशेष पूजा अर्चना आत्मीय परिजनों द्वारा हुआ

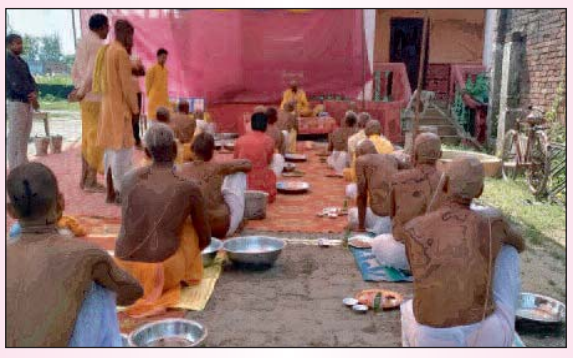

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र के अहिरौली राजा के शिव मंदिर परिसर में शनिवार को गायत्री परिवार शाखा- अहिरौली बाजार के तत्वावधान में नि:शुल्क तर्पण सम्बंधी विशेष पूजा अर्चना आत्मीय परिजनों, के द्वारा किया गया और सभी लोगों द्वारा अपने अपने पितरों के लिए पिण्ड दान और पूजा अर्चना किया गया। कार्यक्रम संयोजक और गायत्री परिवार शाखा अहिरौली राजा के आचार्य राजमंगल वर्मा के द्वारा क्षेत्र से सैकड़ों की संख्या में जुटे यजमानो को विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पितृपक्ष अमावस्या के अवसर पर नि:शुल्क तर्पण का कार्यक्रम किया गया। जुटे यजमानो को पूरे बिधि बिधान पूर्वक अपने अपने पूर्वजों को मोक्ष के लिए पिण्ड दान और पूजा अर्चना किया गया और सभी यजमानो ने जो भी बहन-भाई अपने पितरों को पितृपक्ष में जल अर्पित किया था। सभी लोगों द्वारा तर्पण एवं पिण्ड दान किया है। इस दौरान आचार्य राजमगल बर्मा ने कहा कि हम सभी लोग अपने पितरों को समय समय पर दर्पण के दौरान पूजा अर्चना किया है। वह पितरों को श्राद्ध दिया है वह आपको शक्ति देंगे इस अवसर पर डाक्टर राजाराम गुप्ता, सुरेश शास्त्री, सुधाकर, रामबेलाश शर्मा, दिनेश गुप्ता, तेजप्रताप सिंह, महेंद्र कुशवाहा, चनदन गुप्ता, चन्दबली गोंड आदि मौजूद रहे।

हिंदुस्तान पिछड़ा मोर्चा भारत ने प्रदेश सहित जिला अध्यक्षों की घोषणा

संवाददाता

धामपुर । हिंदुस्तान पिछड़ा मोर्चा भारत की कार्यकारिणी की हुई घोषणा। धामपुर डा, आयुष कुमार के आवास पर एक प्रेस वार्ता आयोजित कि गई प्रेस वार्ता मे हिन्दुस्तान पिछड़ा मोर्चा भारत के प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र रस्तोगी ने जानकारी देते हुए बताया कि हिन्दुस्तान पिछड़ा मोर्चा भारत की प्रदेश सहित जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि लोकसभा चुनाव नजदीक है इस लिए हिन्दुस्तान पिछड़ा मोर्चा भारत ने सभी पदों पर घोषणा की प्रदेश संयोजक अमित कुमार अग्रवाल कानपुर, प्रदेश महामंत्री गगनं सिंघल मेरठ, प्रदेश उपाध्यक्ष हरपाल सिंह चावला बिजनौर, प्रदेश मंत्री प्रेमपाल सिंह अलीगंज, प्रदेश महामंत्री कुमकुम पासवान हरियाणा जिला, जिला अध्यक्ष बिजनौर डा आयुष कुमार, जिलाध्यक्ष आगरा पवन गुप्ता, जिला अध्यक्ष गाजियाबाद विकास राजौरा, जिला अध्यक्ष बिजनौर महिला सभा रेखा रानी, जिला अध्यक्ष मेरठ हनी बंसल, जिला अध्यक्ष हापुड़ हरीश कुमार, जिला अध्यक्ष लखनऊ रिहान, जिला अध्यक्ष रामपुर अंकित रस्तोगी जिला अध्यक्ष पीलीभीत संजय रस्तोगी, जिला अध्यक्ष कानपुर अविनाश दीक्षित ,जिला अध्यक्ष सुल्तानपुर अशोक कसोधन, जिला अध्यक्ष शाहजहांपुर रईम अहमद, जिला प्रभारी मेरठ रवि सागर मिनी, जिला महामंत्री मुरादाबाद अकील अहमद जिला मंत्री बिजनौर गौरव रस्तोगी, जिला महामंत्री आगरा सत्यभान सिंह, नगर अध्यक्ष धामपुर गणेश मराठा को बनाया गया, प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि बे अपने जिले की कार्यकारिणी जल्द से जल्द बनाकर प्रदेश कार्यालय को सूचित करें। ओर 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए मेहनत करें ओर भाजपा सरकार के हाथों को मजबूत करने का काम करे प्रेस वार्ता के दौरान वीरेंद्र रस्तोगी प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह चावला प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ आयुष कुमार जिला अध्यक्ष बिजनौर गणेश मराठा नगर अध्यक्ष धामपुर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धामपुर शुगर मिल्स में एनडीआरएफ टीम द्वारा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

धामपुर । शुगर मिल्स धामपुर में एन.डी.आर.एफ.की टीम द्वारा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित - आठवीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल(एन.डी.आर.एफ.) गाजियाबाद की टीम के प्रभारी निरीक्षक सत्यवीर सिंह एवं स्थानीय अग्नि शमन अधिकारी, रामानंद शर्मा के नेतृत्व में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर धामपुर शुगर मिल्स लिमिटेड, तहसील धामपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश मैं आपदा प्रबंधन पर जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम से पूर्व धामपुर शुगर मिल के ट्रेनिंग पॉइंट पर सुभाष पांडेय अध्यक्ष (यूनिट हेड) के द्वारा फ्लैग मार्च को झंडा दिखाकर रवाना किया गया । फ्लैग मार्च में धामपुर शुगर मिल के सिक्योरिटी, सेफ्टी विभागों के अलावा स्थानीय अग्निशमन विभाग की टीम, धामपुर कोतवाली पुलिस एवं श्रमिकों वं कर्मचारियों, यूनियन के पदाधिकारियों के साथ संयुक्त रूप में फ्लैग मार्च(जागरूकता रैली) किया गया फैक्ट्री के विभिन्न संवेदनशील स्थानो पर एनडीआरफ के इंस्पेक्टर सत्यवीर सिंह के द्वारा उपस्थित श्रमिकों, कर्मचारियों, सिक्योरिटी, सेफ्टी विभाग के लोगों को सुरक्षा, आपदा प्रबंधन एवं विषम परिस्थितियों जैसे आग एवं बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए विस्तृत जानकारी दी गई । केमिकल यूनिट में इथेनॉल टैंको के पास स्थापित किए गए अग्निशमक यंत्रों को चला कर देखा गया । कारखाने के द्वारा अग्निशामक यंत्र, फायर हाइड्रेंट, जगह-जगह लगाए गए हैं वह क्रियाशील पाए गए एनडीआरएफ हेड के द्वारा बॉटलिंग प्लांट में पहुंचने के बाद उपस्थित लोगों को सुरक्षा एवं आपदा से निपटने के लिए ट्रेनिंग दि गई।, जिसमें लगभग 75 श्रमिकों कर्मचारी एवं फायर की टीम ने भाग लिया । आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन विजय कुमार गुप्ता,कारखाना प्रबंधक एवं एचआर हेड विवेक सिंह यादव के द्वारा संयुक्त रूप में किया गया । इस मौके पर सुरक्षा विभाग के हेड संजय त्यागी, उज्जवल सिंह सुभाष कश्यप, प्रशासनिक विभाग की ओर से शरद गहलोत, राणे सिंह , डी. एस. रेड्डी, जितेश गुप्ता मुकेश कश्यप , एनडीआरएफ के मास्टर ट्रेनर ओम प्रकाश सिंह, पंकज कुमार शर्मा, अनिरुद्ध प्रताप सिंह, रविंदर मंगल सिंह, हेड कांस्टेबल जगदीश कुमार, हरिओम शर्मा ,राजेंद्र सिंह चौहान नेत्रपाल सिंह ,सुरेंद्र कुमार, आदि उपस्थित रहे ।

प्रदेश में निमार्णाधीन विद्यालयों/महाविद्यालयों, आई0टी0आई0 तथा पॉलिटेक्निक संस्थानों की

सीएम ने अद्यतन स्थिति की समीक्षा की

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश में निमार्णाधीन विद्यालयों/महाविद्यालयों, आई0टी0आई0 तथा पॉलिटेक्निक संस्थानों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात को मानक अनुरूप संतुलित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बेसिक, माध्यमिक, उच्च तथा व्यावसायिक शिक्षा के विद्यालयों को साधन-सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने पर बल देते हुए कहा कि आकांक्षात्मक जनपदों में संचालित सभी बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में प्राथमिकता के साथ पर्याप्त शिक्षकों की तैनाती की जाए। कहीं भी शिक्षकों व अन्य मानव संसाधन का अभाव न रहे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षकों की तैनाती में मेरिट का ध्यान रखें। जिन जनपदों में जिला विद्यालय निरीक्षक का पद रिक्त है, वहां इनकी तत्काल तैनाती की जाए। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात को मानक अनुरूप संतुलित बनाएं। जहां शिक्षकों की संख्या अधिक हो उन्हें अन्यत्र समायोजित किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कक्षा 06 से 08 तक संचालित 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के उच्चीकरण का कार्य यथाशीघ्र पूरा करा लिया जाए। सत्र 2023-24 में 136 विद्यालयों का उच्चीकरण किया गया है, जबकि 512 नवनिमार्णाधीन विद्यालयों का उच्चीकरण जारी है। अवशेष कार्य समयबद्ध रूप से पूरा कराएं। आगामी दिसंबर तक यहां शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाए। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के उच्चीकरण के इस प्रयास से लगभग सवा लाख बालिकाओं को लाभ होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालयों से आच्छादित जनपदों के अतिरिक्त शेष 57 जनपदों में एक-एक ह्लमुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयह्व की स्थापना की तैयारी प्रारम्भ करें। ह्लमुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयह्व का परिसर 5-10 एकड़ का हो। इसके लिए सम्बन्धित जनपदों में भूमि का चिन्हांकन यथाशीघ्र पूरा कर लें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा बेसिक शिक्षा में व्यापक सुधार के उद्देश्य से पी0एम0 श्री (प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इण्डिया) योजना की घोषणा की गई है। योजना के अंतर्गत भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश के 1,725 शासकीय विद्यालयों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में विकास के लिए चयनित 925 शासकीय विद्यालयों के चरणबद्ध उच्चीकरण के लिए भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक निर्माण कार्य आगामी दिसंबर तक पूरा करा लिए जाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ह्यपी0एम0 श्रीह्व योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सिद्धांतों के अनुरूप चरणबद्ध रूप से इन विद्यालयों में अल्ट्रा मॉडर्न तकनीक व डिजिटल शिक्षा व्यवस्था का विकास किया जाना है। इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आई0सी0टी0 लैब, लैंग्वेज लैब, विज्ञान प्रयोगशाला तथा अटल टिंकरिंग लैब स्थापित होंगे। साथ ही, सोलर पैनल, एल0ई0डी0 लाइटिंग, ऊर्जा कुशल संसाधन, पोषण वाटिका, वेस्ट मैनेजमेंट, जल संरक्षण आदि के माध्यम से इन्हें ग्रीन स्कूल्स के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें स्किल हब सेंटर का विकास होगा। इससे प्रदेश के बच्चों को अच्छी शिक्षा सुविधा सुलभ कराने में बड़ी सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद गोरखपुर में निमार्णाधीन प्रदेश के चौथे सैनिक स्कूल का निर्माण कार्य आगामी दिसम्बर तक पूर्ण करा लिया जाए। दिसम्बर में प्रवेश परीक्षा सम्पन्न कराते हुए सत्र 2024-25 से इसका संचालन किया जाना है। इस लक्ष्य के साथ सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। प्रत्येक संस्थान में समय से सत्र की शुरूआत और समय पर परीक्षा होना सुनिश्चित किया जाए।

संक्षिप्त डायरी

आजादी की लड़ाई में लाखों ने दी अपने प्राणों की आहुतिः अनिल प्रताप राव

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। 'मेरी माटी मेरा देश' अमृत कलश संग्रहण कार्यक्रम बुद्धा घाट पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया गया और पंच प्रण की शपथ ली गयी। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में लाखों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम अमर शहीदों को याद करने का आयोजन है। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रभा पाण्डेय ने कहा कि सरकर द्वारा महिला आरक्षण नारी वन्दन अधिनियम लागू होना नारी सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा देश के शहिदों की याद में बनवाये जा रहे अमृत बाटिका में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए हर घर की मिट्टी संग्रहित किया गया है। अध्यक्षता नपाप अध्यक्ष किरन जायसवाल ने किया। इस दौरान ईओ संतोष कुमार, लिपिक राजेश श्रीवास्तव, श्रवण तिवारी, उग्रसेन, संजय भारती, रास बिहारी, मुस्तफा, हरेंद्र यादव, विजय यादव, रवि पांडेय, जीउत, मुन्ना राजन पांडेय सहित सभासद केशव सिंह, पीएन सिंह, गिरिजेश सिंह, अजेंद्र सिंह, विजेंदर प्रताप सिंह, कमलेश शर्मा, राजेश मद्धेशिया आदि सहित स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

नौवें थाई राजा भूमिबोल अदुलयदेज की मनी सातवीं पुण्यतिथि

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अंतरराष्ट्रीय बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित थाई मोनेस्ट्री परिसर में थाईलैंड के नौवें राजा भूमिबोल अदुलयदेज की सातवीं पुण्यतिथि पर भिक्षुओं ने बुद्ध का विशेष पूजन किया। प्रार्थना की और दान दिया। गुरुवार को थाई मन्दिर के मुख्य भन्ते पी सोमपोंग, भन्ते पी सों क्रांन के नेतृत्व में देश व विदेशी बौद्ध भिक्षुओं ने महापरिनिर्वाण मंदिर व थाई मोनेस्ट्री में तथागत बुद्ध का पूजन व प्रार्थना किया। बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष हथुआ स्टेट के राजा मृगेंद्र प्रताप शाही ने कैंडिल जला कर विशेष पूजन किया। इस अवसर पर भिक्षु नंदिका, भिक्षु शील प्रकाश, भन्ते पी नरोंग, भँते महेंद्र, भन्ते सागर, भंते सूर्या, विमल कृति, भन्ते विनय कीर्ति, भन्ते तेजेन्द्र, भन्ते शील रत्न, भन्ते करुणा रख्खित, भन्ते मुलायम, भिक्षुणी धम्म नैना, अम्बिकेश त्रिपाठी, विवेक कुमार, गौतम शर्मा, सूरज यादव आदि मौजूद रहे।

नवरात्र का प्रथम दिनः लाखों भक्तों की मुरादें पूरी करती हैं मैनपुर कोट की माता भगवती

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। देवी शक्ति पीठों में एक अति प्राचीन मैनपुर कोट माता भगवती देवी का स्थान लाखों भक्तों की आस्था व श्रद्धा का केंद्र है। नवरात्र या सामान्य दिनों में यहां आने वाले श्रद्धालु भक्तों की मुरादें मैनपुर कोट की माता भगवती पूरी करती हैं। बिहार के सीमावर्ती जनपद कुशीनगर में नेशनल हाईवे 28 पर प्रेमवलिया से मैनपुर कोट स्थान के लिए पीच मार्ग जाता है। यह स्थान बाड़ी नदी व खौवा नदी के बीच स्थित एक रमणीयता लिए हुए सुंदर जगह है। जहां माता की महिमा बरसती है। शारदीय नवरात्र व चैत्र नवरात्र में यहां बिहार व अन्य जनपदों के भक्तों की भारी से देर रात तक भीड़ पूजा - अर्चना करने के लिए उमड़ती है। मान्यता है कि मां भक्तो की हर मुरादें पुरी करती हैं। इस स्थान का हजारों वर्ष पुराना इतिहास है। प्रचलित कथाओं में इस स्थल को महाभारत काल से जोड़ा गया है। अज्ञातवास के समय पांडवों ने घने मैनपुर कोट की देवी का पूरी निष्ठा से आराधना की थी। बौद्ध ग्रंथ दीपवंश में उल्लेखित है। जिसके अनुसार कुशीनारा/कुशीनगर मल्ल गणराज्य की राजधानी थी व मैनपुर में मल्ल राज्य की छावनी थी। मंदिर के पुजारी मौनी बाबा के मुताबिक मैनपुर कोट माता भगवती का सिद्ध पीठ स्थान है। शुरू से यहां ऋषि, मुनि तपस्या के लिए आते रहे हैं। इस स्थल पर सिसवा - महन्थ में श्री राधा कृष्ण मठ की स्थापना करने वाले बाबा जियन दास ने भी योग साधना की थी। इस स्थल के विकास को लेकर नगरपालिका परिषद कुशीनगर प्रशासन और प्रबुद्ध जन लगे हुए हैं।

जल्द ही 350 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन करेगा परिवहन निगम

संवाददाता

लखनऊ । उप्र परिवहन निगम द्वारा 100 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों को खरीदने तथा 250 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों को जीसीसी मॉडल पर सीईएसएस के माध्यम से अनुबंध करने के लिए परिवहन निगम बोर्ड को प्रस्ताव भेजा गया है। इन बसों को भारत सरकार पीएमई बस सेवा के अंतर्गत अनुबंध पर लेने की कार्यवाही की जायेगी। जल्द ही बोर्ड द्वारा इस पर निर्णय लिया जायेगा। इन बसों के बेड़े में शामिल होने से प्रदेश के लोगों को यात्रा के लिए अच्छी और सुविधाजनक इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध होंगी। परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि 30 जून 2028 तक 5 हजार इलेक्ट्रिक बसों को परिवहन निगम के बेड़े में शामिल किया जाना प्रस्तावित है। इन बसों को एनसीआर क्षेत्र तथा प्रदेश के महत्वपूर्ण धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों में संचालित किया जायेगा। एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर संचालन के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्र वायु गुणवत्ता प्रबंध आयोग के निदेर्शानुसार इन क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक बसों का ही संचालन किया जाना है।

अशोक कुमार की शराब और शतरंज में पहली हार

हर साल 13 अक्टूबर को हिंदी सिनेमा के पहले स्टार अशोक कुमार की जयंती मनाई जाती है। कोलकाता में कानून की पढ़ाई कर रहे अशोक कुमार का फिल्मों में आना एक संयोग ही था। वह अपने जीजा शशधर मुखर्जी से मिलने बंबई (अब मुंबई) गए थे। उनके जीजा बॉम्बे टॉकीज में साउंड रिकॉर्डिस्ट थे। नौकरी दिलाने के उद्देश्य से वे उन्हें बॉम्बे टॉकीज के मालिक हिमांशु राय से मिलाने ले गए। अशोक कुमार तब निर्देशक बनना चाहते थे किंतु हिमांशु राय ने यह कहकर कि अच्छे निर्देशक होने के लिए पहले अभिनेता बनना जरूरी है, उन्हें अपने जर्मन निर्देशक फ्रैंज ऑस्टिन से मिलने भेज दिया। फ्रैंज ऑस्टिन ने उन्हें पहली नजर में ही रिजेक्ट कर दिया। बीएससी होने के कारण शशधर ने पहले सहायक कैमरामैन फिर सहायक फिल्म संपादक और लैब टेक्नीशियन बनाकर बॉम्बे टॉकीज में ही रख लिया। एक दिन जीवन नैय्या फिल्म का हीरो अचानक गायब हो गया तो उन्हें हीरो बनकर कैमरे के आगे खड़ा कर दिया गया और यहीं से अशोक कुमार की फिल्म जीवन की नाव चल पड़ी। इसी दौरान देविका रानी के साथ बनी अछूत कन्या फिल्म ने देशभर में धूम मचा दी। इसमें उनका गाया हुआ गाना मैं वन की चिड़िया बनके वन-वन बोलूं रे ... बहुत लोकप्रिय हुआ। उसके बाद तो बॉम्बे टॉकीज की कई हिट फिल्में उनके नाम रहीं जैसे वचन, कंगन, बंधन, झूला, किस्मत, चल चल रे नौजवान आदि। हिमांशु राय की मृत्यु के बाद 1947 से 1949 तक अशोक कुमार ने बॉम्बे टॉकीज को चलाने के लिए दूसरे बैनर की फिल्में नहीं की। इस दौरान मजबूर, जिद्दी, महल, मुकद्दर, मां , मशाल, तमाशा और संग्राम जैसी सफल फिल्मों का निर्माण हुआ। लेकिन वहां के अकाउंटेंट की धोखाधड़ी से कंपनी घाटे में रही। 1953 में उन्होंने बॉम्बे टॉकीज छोड़ दी और अपनी एक फिल्म कंपनी फिल्मिस्तान का निर्माण किया। किशोर साहू जो अपने समय के प्रसिद्ध अभिनेता, निमार्ता-निर्देशक थे ने अशोक कुमार के साथ का एक किस्सा बड़े रोचक ढंग से अपनी आत्मकथा में लिखा है। किशोर साहू, अशोक कुमार से पहली बार बॉम्बे टॉकीज में जब मिले तब वह काम की तलाश में वहां पहुंचे थे। यह पहली मुलाकात उस आम के पेड़ के नीचे हुई जिसकी डाली पर बैठकर अशोक कुमार और देवका रानी पर अछूत कन्या का गाना मैं वन की चिड़िया...फिल्माया गया था। अशोक कुमार के साथ उन्होंने सावित्री फिल्म में चित्रकार का एक छोटा सा रोल भी किया। आगे अशोक कुमार के जीजा शशधर मुखर्जी ने उनको एक मकान किराये पर दिलाया जो की मान बाग के नाम से प्रसिद्ध था बॉम्बे टॉकीज के स्टूडियो के नजदीक था। तभी किशोर साहू को वहां की फिल्म जीवन प्रभात में हीरो का रोल मिला। उस दौरान अशोक कुमार लंबी छुट्टी लेकर खंडवा आराम करने चले गए थे । 22 अक्टूबर को किशोर साहू का जन्मदिन होता है उस दिन अशोक कुमार ने उनसे कहा कि चलो साहू आज बंबई चलकर तुम्हारा जन्मदिन मनाते हैं। दोनों लोकल ट्रेन लेकर मलाड से बंबई पहुंचे। वीटी स्टेशन पर उतरकर उन लोगों ने एम्पायर थियेटर में अंग्रेजी फिल्म देखी और फिर अशोक कुमार के कहने पर एम्पायर रेस्त्रां में चले गए। इससे पहले न किशोर साहू ने और न अशोक कुमार ने कभी शराब पी थी। अशोक कुमार के पूछने पर की क्या पीना है उन्होंने ब्रांडी का नाम लिया। अशोक कुमार भी ब्रांडी पीने को तैयार हो गए । दोनों ने एक-एक पैग ब्रांडी पी और साथ में मूंगफली और नमकीन चिप्स खाए। आधे घंटे बाद जब दोनों महात्मा गांधी रोड (उस समय हॉर्नबी रोड) पर निकले तो विक्टोरिया टर्मिनल स्टेशन के भारी भरकम घड़ी के कांटे उन दोनों को धुंधले दिखाई दे रहे थे, कदम डगमगा रहे थे। अब बारी इतनी चौड़ी सड़क पार करने की थी। दोनों डर भी रहे थे और शर्म के चलते एक- दूसरे को यह भी नहीं कह पा रहे थे कि उन्हें शराब चढ़ गई है। दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर किसी तरह साथ-साथ सड़क पार की और वहां से लोकल ट्रेन पकड़ कर रात 11:00 बजे मलाड पहुंचे । तब तक नशा उतर चुका था । इसी रास्ते में उनके जीजाजी मुखर्जी का घर पड़ता था। अशोक कुमार की बहन खाना बहुत अच्छा बनाती थी, इसलिए दोनों लोगों ने वहां पहुंचकर खाना खाया । खाने के दौरान ही अशोक कुमार ने ब्रांडी पीने की पूरी बात अपने जीजा और दीदी को बता दी। बात सुनकर जीजा जी उन दोनों पर यह कहकर गुस्सा हुए कि इतनी रात तक वहां क्यों रहे और पार्टी के लिए उन्हें साथ क्यों नहीं ले गए। इसके बाद तो कई दिनों तक शशधर मुखर्जी ने उन दोनों का खूब मजाक यह कहते हुए उड़ाया कि मध्य प्रदेश के दो अनाड़ी... बंबईकर ब्रांडी पीने चले... और एक ही पैग में चकराने लगे...। 259 फिल्मों के महान और लोकप्रिय अभिनेता अशोक कुमार को फिल्म इंडस्ट्री में आदर के साथ दादा मुनि कहा जाता था। एक अच्छे अभिनेता के अलावा वे अच्छे ज्योतिषी, होम्योपैथी चिकित्सक, चित्रकार और शतरंज के खिलाड़ी के रूप में भी जाने जाते थे। होम्योपैथी से उन्होंने कई गंभीर रोगियों का इलाज सफलतापूर्वक किया था। उर्दू साहित्यकार सआदत हसन मंटो दादा मुनि के ज्योतिष ज्ञान पर फिदा थे। मंटो की जन्म कुंडली देखते ही अशोक कुमार ने उनसे कहा था कि आपका कोई पुत्र नहीं है। जिस व्यक्ति की कुंडली में ऐसे ग्रह हों उनका पहला पुत्र पैदा होते ही मर जाता है। यह बात सच थी। दादा मुनि को चित्रकारी उस समय के प्रख्यात चरित्र अभिनेता इफ्तिखार ने सिखाई थी। शतरंज भी वह बहुत अच्छा खेलते थे और कभी हारते नहीं थे।

समाजवाद के सच्चे प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना के लिए उन्होंने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले प्रत्येक परिवार की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक परिवार उसे एक सिक्का व एक ईंट देगा। जिससे आने वाला परिवार स्वयं के लिए मकान व व्यापार का प्रबंध कर सके। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की छोटी-छोटी मदद से समान समाज में बराबरी का दर्जा प्राप्त किया जा सकता है। महाराजा अग्रसेन ने शासन प्रणाली में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया था। उन्होंने वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना की थी। महाराजा अग्रसेन एक कर्ता (कर्मयोगी) थे जिन्होंने सभी के लिए समृद्धि की कामना की। उन्होंने अहिंसा का आदर्श अपनाया जिसमें उन्हें पशु बलि की निरर्थकता का एहसास हुआ। इस अहसास ने उन्हें 'अहिंसा' के सशक्त नायकों में से एक बना दिया।

महाराजा अग्रसेन भगवान राम के वंशज और भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन थे। वे राजा राम के पुत्र कुश की 34वीं पीढ़ी की संतान थे । महाराजा अग्रसेन को अहिंसा के प्रतीक, शांति के दूत के रूप में जाना जाता है। महाराजा अग्रसेन त्याग, करुणा, अहिंसा, शांति, समृद्धि के अवतार और एक सच्चे समाजवादी थे। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना के लिए उन्होंने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले प्रत्येक परिवार की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक परिवार उसे एक सिक्का व एक ईंट देगा। जिससे आने वाला परिवार स्वयं के लिए मकान व व्यापार का प्रबंध कर सके। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की छोटी-छोटी मदद से समान समाज में बराबरी का दर्जा प्राप्त किया जा सकता है। महाराजा अग्रसेन ने शासन प्रणाली में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया था। उन्होंने वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना की थी। महाराजा अग्रसेन एक कर्ता (कर्मयोगी) थे जिन्होंने सभी के लिए समृद्धि की कामना की। उन्होंने अहिंसा का आदर्श अपनाया जिसमें उन्हें पशु बलि की निरर्थकता का एहसास हुआ। इस अहसास ने उन्हें 'अहिंसा' के सशक्त नायकों में से एक बना दिया। उन्होंने सभी जानवरों की बलि पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि अहिंसा में उनके विश्वास का मतलब उत्पीड़न का विरोध न करना नहीं था बल्कि उन्होंने आत्मरक्षा को बढ़ावा दिया। उनके अनुसार आत्मरक्षा और राष्ट्र रक्षा

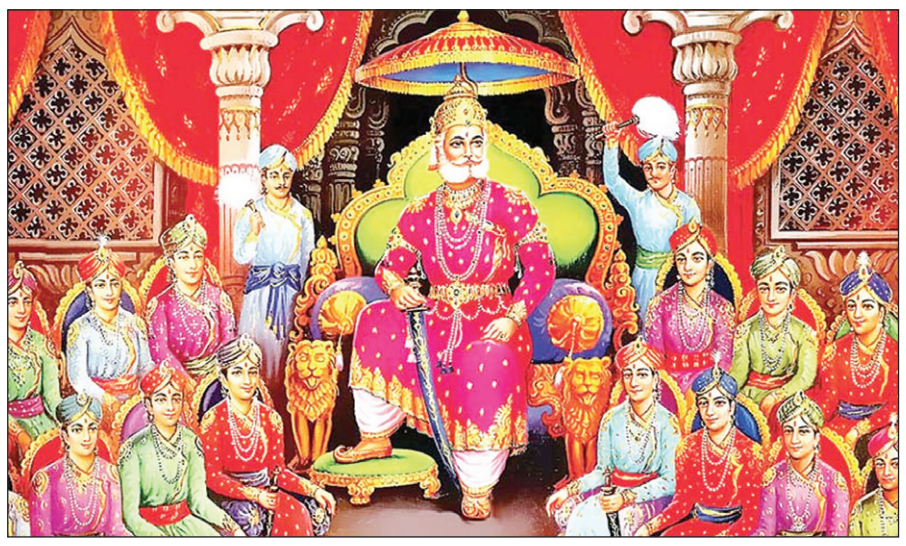

केवल क्षत्रियों-योद्धा जाति का कार्य नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपनी मातृभूमि की रक्षा करे। महाराजा अग्रसेन का जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को महाराजा वल्लभ सेन के घर हुआ था। जिसे दुनिया भर में अग्रसेन जयंती के रूप में मनाया जाता है। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये थे। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था कि यह बालक बहुत बड़ा राजा बनेगा। इस के राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा। उनके राज में कोई दुखी या लाचार नहीं था। बचपन से ही वे अपनी प्रजा में बहुत लोकप्रिय थे। महाराजा अग्रसेन एक सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा थे। जिन्होंने प्रजा की भलाई के लिए वणिक धर्म अपना लिया था। महाराज अग्रसेन ने नाग लोक के राजा कुमद के यहां आयोजित स्वंयवर में राजकुमारी माधवी का वरण किया। इस विवाह से नाग एवं आर्य कुल का नया गठबंधन हुआ। माता लक्ष्मी की कृपा से श्री अग्रसेन के 18 पुत्र हुये। राजकुमार विभु उनमें सबसे बड़े थे। महर्षि गर्ग ने महाराजा अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया। माना जाता है कि यज्ञों में बैठे 18 गुरुओं के नाम पर ही अग्रवंश की स्थापना हुई। ऋषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को महाराजा अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ उनके द्वारा बसायी 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया। एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी अग्रवाल समाज में प्रचलित है। महाराजा वल्लभ के निधन के बाद अपने नये राज्य की स्थापना के लिए महाराज अग्रसेन ने अपनी रानी माधवी के साथ सारे भारतवर्ष का भ्रमण किया। इसी दौरान उन्हें एक जगह शेर तथा भेड़िये के बच्चे एक साथ खेलते मिले। उन्हें लगा कि यह दैवीय संदेश है जो इस वीरभूमि पर उन्हें राज्य स्थापित करने का संकेत दे रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया जिसे अग्रोहा नाम से जाना जाता है। वह जगह आज के हरियाणा के हिसार के पास है। आज भी यह स्थान अग्रहरि और अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ के समान है। यहां महाराज अग्रसेन और मां लक्ष्मी देवी का भव्य मंदिर है। उन्होंने परिश्रम और उद्योग से धनोपार्जन के साथ-साथ उसका समान वितरण और आय से कम खर्च करने पर बल दिया। जहां एक ओर वैश्य जाति को व्यवसाय का प्रतीक तराजू प्रदान किया वहीं दूसरी ओर आत्म-रक्षा के लिए शस्त्रों के उपयोग की शिक्षा पर भी बल दिया। उस समय यज्ञ करना समृद्धि, वैभव और खुशहाली की निशानी माना जाता था। महाराज अग्रसेन ने बहुत सारे यज्ञ किए। महाराज अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया। महाराज अग्रसेन ने एक ओर हिन्दू धर्म ग्रंथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्म क्षेत्र को स्वीकार किया और नए आदर्श स्थापित किए। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता। कहते हैं कि एक बार अग्रोहा में बड़ी भीषण आग लगी। उस पर किसी भी तरह काबू ना पाया जा सका। उस अग्निकांड से हजारों लोग बेघरवार हो गये और जीविका की तलाश में भारत के विभिन्न प्रदेशों में जा बसे। पर उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। वे सब आज भी अग्रवाल ही कहलवाना पसंद करते हैं और उसी 18 गोत्रों से अपनी पहचान बनाए हुए हैं। आज भी वे सब महाराज अग्रसेन द्वारा निर्देशित मार्ग का अनुसरण कर समाज की सेवा में लगे हुए हैं। वैसे महाराजा अग्रसेन पर अनगिनत पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं। सुप्रसिद्ध लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र जो खुद भी अग्रवाल समुदाय से थे। उन्होंने 1871 में अग्रवालों की उत्पत्ति नामक एक प्रामाणिक ग्रंथ लिखा है। जिसमें विस्तार से इनके बारे में बताया गया है। 24 सितंबर 1976 को भारत सरकार द्वारा 25 पैसे का डाक टिकट महाराजा अग्रसेन के नाम पर जारी किया गया था। सन 1995 में भारत सरकार ने दक्षिण कोरिया से 350 करोड़ रुपये में एक विशेष तेल वाहक पोत (जहाज) खरीदा, जिसका नाम महाराजा अग्रसेन रखा गया। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 10 का आधिकारिक नाम महाराजा अग्रसेन पर है। आज का अग्रोहा ही प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित अग्रवालों का उद्गम स्थान आग्रेय है। अग्रोहा हिसार से 20 किलोमीटर दूर महाराजा अग्रसेन राष्ट्र मार्ग संख्या 10 के किनारे एक साधारण गांव के रूप में स्थित है। जहां पांच सौ परिवारों की आबादी रहती है।

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

अस्तित्व को मां रूप में देखना आनंददायी

देवी उपासना के उल्लासधर्मा उत्सव चल रहे हैं। यह प्रकृति की आराधना है। प्रकृति मां है। हम सब इसी के अंश हैं, इसी में पलते हैं। प्रकृति गर्भ से अरबों जीव आ चुके। प्रतिपल आ रहे हैं। सतत अविरल। पुनर्नवा। फूल, फल वनस्पति, प्राणी। प्रश्न उठते हैं कि बार-बार क्यों होता है ऐसा सृजन? वैसी ही नन्ही चिड़िया, गाय का निर्दोष बछड़ा। निष्कलुष, अनासक्त, लोभ मुक्त शिशु। जीवन अद्वितीय है। मां का ही प्रसाद है। प्रकृति सृजनरत है। यह संभवतः कोई गीत रच रही है-अनंतकाल से। अपूर्ण गीत को फिर-फिर संशोधित करती है। छन्दबद्ध करती है। लय देती है। प्रकृति लालित्य रस से भरी-पूरी है। सृजन रहस्यपूर्ण है 'ऊधो कहि न जाय का कहिए/देखत अति विचित्र रचना यह समुझि मनै मन रहिए।' यह जीर्ण शीर्ण को निरस्त करती है बार-बार। फिर नूतन प्रवाह और बार-बार सृजन। प्रकृति माता है। हम सबको सींचती है प्रतिपल। वनस्पतियां आकर्षित करती हैं। वे हमारी प्राण ऊर्जा की पूरक हैं। कीट पतंग विविध परिधान में घूमते हैं। प्रकृति दशों दिशाओं से अनुग्रह की वर्षा करती है। हमारा अनुगृहीत भाव स्वाभाविक है। यहां समूची प्रकृति के प्रति धन्यवाद भाव है। वह हमारी माता है। दिव्यता के कारण देवी है। जननी होने के कारण माता है। यह जीवन प्रकृति का ही उपहार है। प्रकृति का पोषण, संवर्द्धन मां की ही सेवा है। व्रत आदि आस्था के विषय हैं। मुख्य बात है-प्रकृति में मां देखने की अनुभूति। यह अनुभूति 'सर्वभूतेषु मातृरूपेण' प्रतीति है। प्रकृति स्वयंभू है,सदा से है। सभी रूप प्रकृति के ही रूप हैं। प्रकृति को मां देखते ही हमारी जीवनदृष्टि बदल जाती है। हम अपनी सुविधा के लिए उन्हें अनेक नाम देते हैं। दुर्गा, काली, सरस्वती, शाकम्भरी, महामेधा, कल्याणी, वैष्णवी, पार्वती आदि आदि। नाम स्मरण आंतरिक बोध में भी सहायक हैं। मूलभाव है-मां। या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता, नमस्तस्ये, नमस्तस्ये नमो नमः। प्रकृति को दिव्य मां देखना अंधविश्वास का प्रश्न नहीं। प्रकृति अखण्ड इकाई है। इस अखण्ड इकाई का नाम क्या रखें? नाम रखते ही रूप का ध्यान आता है। रूप की सीमा है। प्रकृति अनंत है। असीम और अव्याख्येय। इसे मां कहने में आह्लाद है। सम्प्रति भारत का मन भावप्रवण है। भावप्रवण चित्त में ही शिवसंकल्प उगते हैं। दुनिया का सारा सुन्दर भावप्रवण लोगों ने गढ़ा है। सुन्दर काव्य या सुन्दर ऊक्त-सूक्त। कला सहित सारे सृजन। प्रकृति प्रत्यक्ष भाव बोध में माता है। माता देवी है। देवी माता है। देवी उपासना मां और संतान के अविभाज्य और अनिवर्चनीय प्रेम का चरम है। दुर्गा सप्तशती में भी यही अनुभूति है। यह मां सर्वभूतेषु उपस्थित है। मां मां है। मां न स्त्री है और न पुरुष। वह देवी है, दिव्य है, देवता है। प्रणम्य है। मां उपासना वैदिक काल से भी प्राचीन है। ऋग्वेद में पृथ्वी माता हैं ही। इडा, सरस्वती और मही भी माता हैं, ये तीन देवियां कही गयी हैं-इडा, सरस्वती, मही तिस्रो देवीर्मयो भुव।' (1.13.9) एक मंत्र (3.4.8) में 'भारती को भारतीभिः कहकर बुलाया गया है-आ भारती भारतीभिः।' मां हरेक क्षण स्तुत्य है। दुख और विषाद में मां आश्वस्तिदायी है तो प्रसन्नता और आह्लाद में भी मां की उपस्थिति जरूरी है। इसलिए 'भारती' को नेह-न्योता है। भारतीभिः भरतजनों की इष्टदेवी हैं। ऋग्वेद में ऊषा भी देवी हैं। एक सूक्त (1.124) में 'ये ऊषा देवी नियम पालन करती हैं। नियमित रूप से आती हैं।' (वही मन्त्र 2) ऊषा, 'सबको प्रकाश आनंद देती हैं। अपने पराए का भेद नहीं करतीं।' (वही, 6) सबको समान दृष्टि से देखती हैं। ऋग्वेद में जागरण की महत्ता है। इसलिए 'सम्पूर्ण प्राणियों में सर्वप्रथम ऊषा ही जागती हैं।' (1.123.2) प्रार्थना है कि 'हमारी बुद्धि सत्कर्मों की ओर प्रेरित करे।' (वही, 6) ऊषा सतत प्रवाह है। आती हैं, जाती हैं फिर फिर आती हैं। जैसी आज आई हैं, वैसे ही आगे भी आएंगी।' ऋग्वेद में मन की शासक देवी का नाम 'मनीषा' है। मनीषा और प्रज्ञा पर्यायवाची हैं। ऋषि आवाहन करते हैं 'प्र शुकैतु देवी मनीषा'। (7.34.1) ऋग्वेद में श्रद्धा भी एक देवी हैं, 'श्रद्धा प्रातर्हवामहे, श्रद्धा मध्यंदिन परि, श्रद्धां सूर्यस्य निम्रुचि श्रद्धे श्रद्धापयेह नः'-हम प्रातःकाल श्रद्धा का आह्वान करते हैं, मध्यान्ह में श्रद्धा का आह्वान करते हैं, सूर्यास्त काल में श्रद्धा की ही उपासना करते हैं। हे श्रद्धा हम सबको श्रद्धा से परिपूर्ण करें। (10.151.5) श्रद्धा प्रकृति की विभूतियों में शिखर है-श्रद्धां भगस्तय मूर्धनि। (10.151.1) ऋग्वेद में जल को भी मां देखा गया है। वे 'जल माताएं' आपः मातरम् हैं और देवियां हैं। मां ही जन्म देती है। मां नहीं तो सृष्टि विकास नहीं। ऋग्वैदिक ऋषियों की अनुभूति में संसार के प्रत्येक तत्व को जन्म देने वाली यही आपः माताएं हैं-विश्वस्य स्थातुर्जगतो जनित्रीः (6.50.7) ऋग्वेद के बहुत बड़े देवता है अग्नि। इन्हें भी आपः माताओं ने जन्म दिया हैः तमापो अग्निं जनयन्त मातरः (10.91.6) ऋग्वेद में वाणी की देवी वाग्देवी (10.125) हैं। वाणी की शक्ति अपरिमित है। वाग्देवी (ऋग्वेद वाक्सूक्त 10.125) कहती हैं-'मैं रूद्रगणों वसुगणों के साथ भ्रमण करती हूं। मित्र, वरुण, इन्द्र, अग्नि और अश्विनी कुमारों को धारण करती हूं। मेरा स्वरूप विभिन्न रूपों में विद्यमान है। श्रवण, मनन, दर्शन क्षमता का कारण मैं ही हूं। मैं समस्त लोकों की सर्जक हूं आदि। वे 'राष्ट्री संगमनी वसूनां-राष्ट्रवासियों और उनके सम्पूर्ण वैभव को संगठित करने वाली शक्ति-राष्ट्री है'। (10.125.3) हम सबने भारत को भी भारत माता जाना। मां सर्वोत्तम अनुभूति है, प्रकृति की आदि अनादि अनुभूति। जीवन के हरेक स्पंदन में मां है। हम विराट का अंश है। मां भी विराट का अंश है। विराट अपने अंश हममें प्रकट करता है। मां को माध्यम बनाता है। हम 9 माह गर्भ में रहते हैं। मां की सांस हमारी सांस बनी रहती है।

Social Media Corner

सच के हक में...

अपने विनम्र व्यवहार और विशिष्ट वैज्ञानिक प्रतिभा को लेकर जन-जन के चहेते रहे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को सदैव श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाएगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर जिले में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में अनेक लोगों के हताहत होने के समाचार से मुझे बहुत दुख हुआ है। मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

ज्ञान और विज्ञान के अद्भुत संयोजन से डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी ने देश की सुरक्षा को अभेद्य बनाने में अहम योगदान दिया। संघर्ष से शीर्ष तक का उनका सफर न केवल देश बल्कि सम्पूर्ण मानव जगत के लिए एक विरासत है। मिसाइल मैन डॉ कलाम का जीवन देश के युवाओं को नई सोच व समर्पण के साथ राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी की जयंती पर उन्हें नमन।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

डॉ. कलाम के विचार, प्रभावित करते हैं बारंबार

तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को जन्मे भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद् और देश के महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ऐसे महानायक हैं, जिन्होंने अपना बचपन अभावों में बीतने के बाद भी अपना पूरा जीवन देश और मानवता की सेवा में व्यतीत कर दिया। न केवल भारत के लोग बल्कि पूरी दुनिया मिसाइल मैन डॉ. कलाम की सादगी, धर्मनिरपेक्षता, आदर्शों, शांत व्यक्तित्व और छात्रों व युवाओं के प्रति उनके लगाव की कायल रही है। वह देश को वर्ष 2020 तक आर्थिक शक्ति बनते देखना चाहते थे। युवा पीढ़ी को दिए गए उनके प्रेरक संदेश तथा उनके स्वयं के जीवन की कहानी तो देश की आने वाले कई पीढ़ियों को भी सदैव प्रेरित करने का कार्य करती रहेगी। छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए वह अकसर कहा करते थे कि छात्रों के जीवन का एक तय उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वे हरसंभव स्त्रोतों से ज्ञान प्राप्त करें। छात्रों की तरक्की के लिए उनके द्वारा जीवन पर्यन्त किए गए महान कार्यों को देखते हुए ही सन 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनका 79वां जन्म दिवस ह्यविश्व विद्यार्थी दिवसह्ण के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से डॉ. कलाम की जयंती पर 15 अक्टूबर को प्रतिवर्ष 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। पढ़ाई-लिखाई को तरक्की का साधन बताने वाले डॉ. कलाम का मानना था कि केवल शिक्षा के द्वारा ही हम अपने जीवन से निर्धनता, निरक्षरता और कुपोषण जैसी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। वे कहते थे कि अगर आप फेल होते हैं तो निराश मत हों क्योंकि फेल होने का अर्थ है ह्यफर्स्ट अटैंप्ट इन लर्निंगह्ण और अगर आपमें सफल होने का मजबूत संकलप है तो असफलता आप पर हावी नहीं हो सकती। इसलिए सफलता और परिश्रम का मार्ग अपनाओ, जो सफलता का एकमात्र रास्ता है। उनके ऐसे ही महान विचारों ने देश-विदेश के करोड़ों लोगों को प्रेरित करने और देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनका ज्ञान और व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें दुनियाभर के 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि प्रदान की। सादगी की प्रतिमूर्ति डॉ. कलाम का व्यक्तित्व कितना विराट था, इसे परिभाषित करते कई किस्से भी सुनने को मिलते हैं। राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन रहते हुए भी डॉ. कलाम आम लोगों से मिलते रहे। राष्ट्रपति जैसे बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी डॉ. कलाम अपने बचपन के दोस्तों को भी नहीं भूले। एक बार कुछ युवाओं ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए उन्होंने उनके कार्यालय को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी मिलने के बाद डॉ. कलाम ने उन युवाओं को अपने पर्सनल चैंबर में आमंत्रित किया और वहां न केवल उनसे मुलाकात ही की बल्कि उनके विचार, उनके आइडिया सुनते हुए काफी समय उनके साथ गुजारा। जिस समय डॉ. कलाम भारत के राष्ट्रपति थे, तब वे एक बार आईआईटी के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पहुंचे। उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए आयोजकों द्वारा उनके लिए मंच के बीच में बड़ी कुर्सी लगवाई गई। डॉ. कलाम जब वहां पहुंचे और उन्होंने केवल अपने लिए ही इस प्रकार की विशेष कुर्सी की व्यवस्था देखी तो उन्होंने उस कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने उनके लिए मंच पर लगी दूसरी कुर्सियों जैसी ही कुर्सी की व्यवस्था कराई। उनके मन में दूसरे जीवों के प्रति भी करुणा और दयाभाव विद्यमान था। डॉ. कलाम के जीवन के अंतिम पलों के बारे में उनके विशेष कार्याधिकारी रहे सृजन पाल सिंह ने लिखा है कि शिलांग में जब वह डॉ. कलाम के सूट में माइक लगा रहे थे।

भड़कता युद्ध

पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात का लगातार बिगड़ते चले जाना एक बड़ी चिंता का विषय है। यह बहुत दुखद और शर्मनाक है कि युद्ध रोकने के गंभीर प्रयास नदारद हैं और युद्ध में किसी न किसी का पक्ष लेने की होड़ मची हुई है। उदासीनता की वजह से संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संगठन का विरोध भी हो रहा है। इजरायल ने करीब साढ़े तीन लाख सैनिक पूरे साजो-सामान के साथ युद्ध में उतार दिए हैं, तो आतंकी संगठन हमास के लगभग 1,200 आतंकियों के बारे में बताया जा रहा है कि वे इजरायल में घुसपैठ कर चुके हैं और भयानक हमले की तैयारी में हैं। दोनों ओर से जुबानी जंग भी घातक हो चली है। एक-दूसरे को मिटा देने या अब तक के सबसे गहरे घाव देने के दावे किए जा रहे हैं। शुद्ध रूप से दहशत की स्थिति है। अब पूरा जोर बस इस बात पर है कि कौन किसको पहले आतंकित कर पाता है। हमास यह बताने में लगा है कि वह इजरायल से अब तक का सबसे बड़ा बदला लेगा, तो दूसरी ओर, इजरायल ने घोषणा ही कर दी है, दुश्मन खुद को मुर्दा मान लें। जिस भाषा में दोनों पक्ष हमलावर हो रहे हैं, वह निकट भविष्य में सुलह की उम्मीद नहीं जगाती। पश्चिम एशिया से जो खबरें आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि कम से कम छह देश युद्ध में प्रत्यक्ष या परोक्ष ढंग से कूद गए हैं। हमास पहले से ही सक्रिय है और अब उसके समर्थन में लेबनान की ओर से आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह भी उतर आया है। ईरान भी बांहें चढ़ा रहा है। यह गौर करने की बात है कि हमास और हिज्बुल्लाह जैसे आतंकी संगठनों की पीठ पर ईरान का मजबूत हाथ रहा है। ये संगठन इजरायल के विरुद्ध वर्षों से विषवमन करते रहे हैं और अब सीधे मैदान में उतरकर चुनौती देने लगे हैं। इन सबके जवाब में इजरायल जो कर रहा है, वह भी बहुत निंदनीय है। उसके हमले में गाजा में मासूम भी मारे जा रहे हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

रिटेल इनवेस्टर्स की हालत हो जाती है नाजुक

बाजार की उठा-पटक में मल्टी एसेट फंड में निवेश कितना हो सकता है सही

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बाजार में इस समय खूब उठा-पटक चल रही है। बाजार खुलते ही गोता खा जाता है तो किसी दिन सुबह-सुबह ही संवेदी सूचकांक सरपट ऊपर भाग जाता है। ऐसे में बाजार के खिलाड़ियों को भले ही मजा आता हो, लेकिन रिटेल इनवेस्टर्स की हालत पतली हो जाती है। इसलिए वे म्यूचुअल फंड में मल्टी असेट फंड को चुनते हैं, लेकिन उन्हें यह जान कर हैरानी होगी कि सभी म्यूचुअल फंड हाउस की स्कीम सही में मल्टी एसेट फंड नहीं होता है। इसके कई बार नुकसान भी हो सकते हैं।

बाजार में रिटेल निवेशकों को बड़ सूझबूझ के साथ कदम उठाना होता है। चूंकि वे ज्यादा अनुभवी नहीं होते और कई बार जोश में आकर नुकसान उठा बैठते हैं। इसलिए ऐसे निवेशकों को सधी शुरूआत करनी चाहिए। बाजार में पिछले कई सप्ताह से खूब उठा-पटक चल रहा है। इस समय लगातार चार सप्ताह से विदेशी मुद्रा भंडार भी घट ही रहा है। बाजार में महंगाई नरम नहीं हो रही है। ऊपर से ब्याज दरों में इस महीने भी कमी नहीं हुई। माना जा रहा था कि शायद रिजर्व बैंक रेपो रेट में कुछ राहत दे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। कुछ सप्ताह पहले रिजर्व बैंक ने जो इंडिविजुअल्स के कर्ज और बचत की रिपोर्ट जारी की, वह अलग डरा रहा है। लोग सोच रहे हैं कि कहीं इकॉनमी पर मंदी का साया न पड़े। इसलिए पिछले कुछ महीनों में इंवेस्टर्स मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड (एमएसएफ) की ओर रुख कर रहे हैं। ऐसे समय में, मल्टी एसेट फंड को स्थिर रिटर्न के लिए एक सुरक्षित दांव माना जाता है।

लेकिन ऐसे मामलों में निवेशक हर बार ही सही नहीं होते। इसलिए निवेशकों को चाहिए कि उनके पोर्टफोलियों में कई तरह के शेयर हों जो उनको बाजार की उठा-पटक के बीच भी अच्छा मुनाफा दे सकें। मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड वे होते हैं, जो अपनी पूंजी को इक्विटी, डेट और कमोडिटी जैसे कई एसेट क्लास में निवेश करते हैं। नियम तो यह है कि फंड मैनेजर को इनमें से प्रत्येक एसेट क्लास में कम से कम 10% कॉर्पस का निवेश करना होगा, लेकिन क्या यह वास्तव में इसे एक सच्चा मल्टी एसेट फंड बनाता है? उदाहरण के लिए, जब शेयर बाजार में गिरावट की स्थिति चल रही हो तो इक्विटी में 80% और डेट तथा कमोडिटी में केवल 10% का निवेश होता है। यदि कोई फंड हाउस ऐसा करता है तो इससे फंड के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। एक सच्चा मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड वह है जो 'पूर्वनिर्धारित' तरीके से सभी एसेट क्लास में अनिवार्य रूप से निवेश करता है।

क्या रहा एक साल में रिटर्न

पिछले एक साल में एसबीआई, टाटा और एचडीएफसी के मल्टी एसेट फंड ने क्रमशः 18.53 फीसदी, 18.18 फीसदी और 16.23 फीसदी का रिटर्न दिया, जबकि निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड ने 18.54 फीसदी का रिटर्न दिया। वित्तीय मामलों के योजना बनाने वाले एक्स्पर्ट्स निवेशकों को सलाह देते हैं कि उनके पोर्टफोलियो को एसेट क्लासेस में विविधता लाने की आवश्यकता है, ताकि उतार-चढ़ाव के समय में भी न केवल उनका निवेश सुरक्षित रहे बल्कि उन्हें अच्छा रिटर्न भी मिले। इसके साथ ही मल्टी एसेट फंड चुनते समय, उन्हें ऐसे फंड में निवेश करना चाहिए जो वाकई इसकी थीम के अनुरूप हो। इससे निवेशकों को मुनाफा भी मिलेगा और उनका निवेश भी सुरक्षित रहेगा। निवेशकों को बाजार की चाल को देखते हुए लंबे समय तक निवेश करना चाहिए।

एसेट क्लास का रेशियो न बदले

एडवाइजर खोज के को-फाउंडर ह्रैपायन बोस कहते हैं कि पूर्व-निर्धारित एसेट एलोकेशन सही विविधीकरण सुनिश्चित करता है। इसलिए एसेट क्लास का रेश्यो या अनुपात मार्केट की परिस्थितियों के अनुसार नहीं बदलना चाहिए। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड का ही उदाहरण लें तो यह एकमात्र मल्टी एसेट फंड है जो चार एसेट क्लासों में निश्चित अनुपात में निवेश करता है। यह भारत की इक्विटी (ग्रोथ) में 50 फीसदी, डेट (रिलेटिव स्टबिलिटी) में 15 फीसदी, कमोडिटीज में 15 फीसदी (इक्विटी के साथ कम जुड़ाव) और शेष 20 फीसदी विदेशी इक्विटी (ग्लोबल ग्रोथ की संभावनाओं) में निवेश करता है। 50:20:15:15 के एलोकेशन का यह फार्मूला (मार्केट की परिस्थितियां चाहे जैसी हो) इसे वास्तव में मल्टी एसेट फंड बनाता है। कोटक, यूटीआई और टाटा जैसे लगभग सभी अन्य मल्टी एसेट फंड अपने कॉर्पस को तीन एसेट क्लासों, इक्विटी, डेट और कमोडिटी में निवेश करते हैं और बड़े पैमाने पर एलोकेशन के फॉर्मूले का हमेशा पालन नहीं करते हैं।

अहम सबक

- ऐसे में वे मल्टी एसेट फंड की ओर रुख करते हैं
- सभी मल्टी एसेट फंड सही मायने मुनाफा देने वाले नहीं
- प्रत्येक एसेट क्लास में कम से कम 10% कॉर्पस का निवेश करें
- एक सच्चा मल्टी एसेट एमएफ वह है जो पूर्वनिर्धारित तरीके से सभी एसेट क्लास में निवेश करता है
- एक साल में एसबीआई ने 18.53 फीसदी रिटर्न दिया
- टाटा और एचडीएफसी के मल्टी एसेट फंड ने 18.18 फीसदी और 16.23 फीसदी का रिटर्न दिया
- निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड ने 18.54 फीसदी का रिटर्न दिया

मल्टी कैप फंड कर सकता है निवेशकों को मालामाल

- यह म्यूचुअल फंड स्मॉल कैप से ज्यादा सुरक्षित
- मल्टी कैप एमएफ दे सकता है 20% तक रिटर्न
- इसमें लार्ज कैप से ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता
- नए निवेशकों को भी कर सकता है मालामाल

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं लेकिन, मार्केट के उतार-चढ़ाव को देख कर किसी खास कंपनी में निवेश करने में संकोच कर रहें हैं, तो आपके लिए मल्टी कैप फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां निवेश करने पर आपको एक बैलेंस तरीके से 3 मार्केट कैप (स्मॉल, मिड और लार्ज कैप) में इन्वेस्टमेंट का फायदा मिल सकता है। मल्टी कैप फंड्स ने बीते 5 वर्षों में सालाना आधार पर औसतन 19.21%, तीन साल में 31.01% और 10 साल में 20.09% सालाना के हिसाब से रिटर्न दिया है। हालांकि यह मार्केट और आपके इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटजी के अनुसार कम या ज्यादा भी हो सकता है। मल्टी कैप म्यूचुअल फंड में आप मिनिमम 100 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। मल्टी कैप फंड, डायवर्सिफाइड म्यूचुअल फंड होते हैं। यानी स्मॉल कैप, मिड कैप और लार्ज कैप का एक 'पैकेज' फंड। इसमें सिंगल फंड के जरिए आप एक साथ सभी साइज और सेक्टर की कंपनियों में इन्वेस्ट करते हैं। हाल में ये म्यूचुअल फंड स्कीम काफी पॉपुलर हुआ है।

क्या होती हैं स्मॉल कैप, मिड कैप और लार्ज कैप कंपनियां

मार्केट कैपिटलाइजेशन यानी मार्केट वैल्यू के हिसाब के देश की सभी कंपनियों को 3 कैटेगरी में बांटा गया है। इनमें जिन कंपनियों का मार्केट कैप 20 हजार करोड़ रुपए या इससे ज्यादा होता है, उन्हें लार्ज कैप जिनकी वैल्यू 20 हजार करोड़ रुपए से कम लेकिन 5 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा होती है, उन्हें मिड कैप कंपनी कहा जाता है। जबकि स्मॉल कैप कंपनियां वैसी कंपनियां है जिनकी वैल्यूएशन 5 हजार करोड़ से कम होती है।आमतौर पर मार्केट कैप के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां लार्ज कैप, 100-250 तक मिड कैप और इसके बाद की सभी कंपनियां स्मॉल कैप कंपनियां होती हैं।

कहां कितना इन्वेस्टमेंट

- मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी के नियमों के मुताबिक आपको मल्टी कैप में इन्वेस्टमेंट के लिए तीनों तरह की कंपनियों में कम से कम 25-25% जमा करना ही होता है।
- बाकी बचे 25% फंड को आपका फंड मैनेजर मार्केट की स्थिति के मुताबिक इन्वेस्ट कर देता है। फंड मैनेजर इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट होता है, जिसका काम निवेश से जुड़े निर्णय लेना और इन्वेस्टमेंट करना होता है।

ऐसे समझें

मान लीजिए आप मल्टी कैप फंड में 1000 रुपए इन्वेस्ट करने जा रहें हैं, तो आपको इसका 25% यानी 250 रुपये स्मॉल कैप में, 25% यानी 250 रुपये मिड कैप में और 25% यानी 250 रुपये लार्ज कैप में निवेश करना ही होता है। बाकी बचे 25% फंड यानी 250 रुपये को आपका फंड मैनेजर अपनी समझ और मार्केट की स्थिति के मुताबिक इन तीनों में से किसी भी कैप की कंपनी में इन्वेस्ट कर सकता है या बॉन्ड या कैश के रूप में भी रख सकता है। इससे आपके प्रॉफिट पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

पॉपुलर मल्टी कैप फंड

फंड का नाम	1 साल में	3 साल में	5 साल में
निप्पॉन इंडिया मल्टी कैप फंड	19.52%	29.73%	26.17%
क्वांट एक्विव मल्टी कैप फंड	12.13%	21.96%	28.76%
महिन्द्रा मनुलाइफ मल्टी कैप फंड	16.77%	22.49%	24.94%
इन्वेस्को इंडिया मल्टी कैप फंड	15.58%	19.18%	20.77%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी कैप फंड	15.29%	20.74%	20.52%
बड़ौदा बीएनपी परिबास मल्टी कैप फंड	17.89%	24.64%	16.88%
एचडीएफसी मल्टी कैप फंड	19.04%	-	-

(औसत सालाना रिटर्न)

कैसे करें निवेश

●सबसे पहले आपको मल्टी कैप म्यूचुअल फंड देने वाली कंपनियों के वेबसाइट पर जाना होगा। ●इसके बाद आपको म्यूचुअल फंड सेक्शन में जाकर, मल्टी कैप फंड का ऑप्शन चुनना होगा। ●'इन्वेस्ट' के ऑप्शन पर क्लिक करें, यहां आपको इन्वेस्ट करने वाली राशि और इन्वेस्टमेंट का मोड (एसआईपी या लंपसम) सिलेक्ट करना होगा।●इसके बाद अपनी केवाईसी डिटेल (जैसे पैन, आधार) देकर इन्वेस्टमेंट की प्रोसेस पूरी करें।●रिस्क के मामले में कैसा है मल्टी कैप म्यूचुअल फंड?

स्मॉलकैप फंड में निवेश का सही समय, मिलेगा हाई रिटर्न

बिजनेस डेस्क

इस समय स्माल कैप फंड में निवेश का सही समय हो सकता है। यह निवेशकों को मोटा रिटर्न देकर मालामाल कर सकता है। जिन निवेशकों के पास निवेश का लक्ष्य लंबी अवधि का है इसमें मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके लिए एक प्लानिंग बनाकर निवेश करें तो बढ़ियां मुनाफा कमा सकते हैं। पिछले कुछ महीनों से स्मॉलकैप फंडों में भारी निवेश देखने को मिल रहा है। इसकी वजह है कि स्मॉलकैप फंड से निवेशकों को हाई रिटर्न मिल रहा है। बीते 1 साल की बात करें तो कई ऐसे स्मॉलकैप फंड हैं, जिन्होंने 20 से 25 फीसदी या इससे भी ज्यादा रिटर्न दिए हैं। असल में ग्लोबल स्तर पर भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में दिख रही है। वहीं दुनियाभर के बाजारों की तुलना में भारतीय बाजारों का प्रदर्शन स्टेबल रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था के 7-8% की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह ग्रोथ स्मॉलकैप के लिए बेहतर अवसर पैदा कर सकती है, क्योंकि वे अक्सर अर्थव्यवस्था के नए और उभरते क्षेत्रों में शामिल होते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे स्मॉलकैप फंड में निवेश में अभी क्यों बेहतर समय है और इसमें निवेश के क्या फायदे हैं।

एक साल में स्माल कैप फंडों का हाई रिटर्न

फंड	रिटर्न
एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड	38%
क्वांट स्मॉल कैप फंड	37%
एक्सिस निफ्टी स्मॉल कैप 50 इंडेक्स फंड	35%,
निप्पोन इंडिया स्मॉल कैप फंड	34%,
एबीएसएल स्मॉल कैप 50 निफ्टी इंडेक्स	34%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड	32%

स्मॉल कैप फंड क्या हैं

स्मॉल-कैप फंड एक इक्विटी-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड स्कीम है, जो मुख्य रूप से स्मॉल-कैप कंपनियों के शेयरों में निवेश करती है। स्मॉल-कैप कंपनियां वे होती हैं जिनका मार्केट कैपिटलाइजेशन (बाजार पूंजीकरण) 17,390 करोड़ रुपये से कम (22 दिसंबर से 23 जून तक एएमएफआई औसत मार्केट कैप के अनुसार) है। स्मॉल-कैप फंडों में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लार्ज-कैप कंपनियों की तुलना में स्मॉल-कैप कंपनियों में तेजी से ग्रोथ करने और उनके द्वारा अधिक मुनाफा कमाने की उम्मीद होती है।

निवेश से जुड़े जोखिम

दूसरी कैटेगरी के म्यूचुअल फंड की तुलना में स्मॉल-कैप फंड में जोखिम अधिक होते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि स्मॉल-कैप कंपनियां लार्जकैप या मिडकैप कंपनियों की तुलना में अस्थिर होती हैं और बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकती हैं, जिसके चलते स्मॉल-कैप फंड हर तरह के निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प नहीं हैं। स्मॉल-कैप फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जो हाई रिटर्न की संभावना के बदले बाजार में अधिक जोखिम लेने को तैयार हैं, जिन निवेशकों के पास निवेश का लक्ष्य लंबी अवधि का है और वे स्मॉल-कैप कंपनियों की अस्थिरता के साथ सहज हैं, उन्हें इसमें निवेश करना चाहिए। ऐसे निवेशकों की स्मॉल-कैप फंडों में निवेश करने में सफल होने की अधिक संभावना है।

कैसे करें चुनाव?

- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड:** पॉजिटिव रिटर्न जेनरेट करने के लंबे ट्रैक रिकॉर्ड वाले फंड की तलाश करें।
- **फंड की प्रबंधन टीम:** यह सुनिश्चित करें कि फंड का प्रबंधन स्मॉल-कैप कंपनियों के प्रबंधन में अनुभव वाली टीम द्वारा किया जा रहा है।
- **फंड के निवेश का उद्देश्य:** सुनिश्चित करें कि फंड के निवेश का उद्देश्य ऐसा हो जो आपके अपने निवेश के टारगेट को पूरा करने के लिए मेल खा रहा हो।

कहां निवेश करें?

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सीधे म्यूचुअल फंड हाउस के साथ

यह अच्छा समय क्यों है

हाल के कुछ साल में स्मॉलकैप ने लार्जकैप से बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले 10 साल में, स्मॉलकैप ने लार्जकैप की तुलना में बड़े मार्जिन से आउटपरफॉर्म किया है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि लार्जकैप की तुलना में स्मॉलकैप के अधिक ग्रोथ ओरिएंटेड होने की उम्मीद है, और उन्हें भारत में मजबूत आर्थिक विकास से लाभ हुआ है। आने वाले सालों में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7-8% की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह ग्रोथ स्मॉलकैप के लिए बेहतर अवसर पैदा कर सकती है, क्योंकि वे अक्सर अर्थव्यवस्था के नए और उभरते क्षेत्रों में शामिल होते हैं। साल 2023 में अबतक एसएंडपी बीएसई स्मॉल कैप फंड इंडेक्स का रिटर्न 30%, बीएसई सेंसेक्स का रिटर्न 8.65%, निफ्टी 50 का रिटर्न 8.83% और एसएंडपी बीएसई मिडकैप इंडेक्स का रिटर्न करीब 27% रहा है।

प्रचुरता की मानसिकता से खुलेंगे अवसर के द्वार

फाइनेंशियल प्लानिंग
दीपशा तनेजा

वित्तीय यात्रा में हमारी मानसिकता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मानसिकता के संबंध में मुख्य रूप से दो अवधारणाएं हैं। **पहली अभाव मानसिकता :** इस प्रकार की मानसिकता वाले लोगों का मानना है कि पैसा, अवसर और संसाधन सीमित हैं, जो उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने से दूर रखते हैं। ये लोग हमेशा इस डर में रहते हैं कि उनके पास जो कुछ भी है उसे खो देंगे, ये लोग जीवन में जोखिम नहीं लेते हैं, ये ज्यादातर जीवन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। इस मानसिकता ने उन्हें विकास से रोक दिया। यह एक मानसिक अवरोध है जो हमारे विकास की दिशा में प्रगति में बाधा डालता है। **दूसरी प्रचुरता मानसिकता :** दूसरी ओर, प्रचुरता की मानसिकता वाले लोग दुनिया को अवसरों से भरपूर देखते हैं, लचीले और आशावादी होते हैं। यहां तक कि वे असफलता को भी कर्मियों और पेशेवर विकास के अवसर के रूप में स्वीकार करते हैं। इस मानसिकता वाले लोग उदार होते हैं और जीवन के सभी पहलुओं में विकास की गुंजाइश देखते हैं। सही मानसिकता और अपने लक्ष्यों के प्रति लगातार कार्रवाई करने से आपकी वित्तीय यात्रा में भारी और तुरंत बदलाव आ सकते हैं और वित्तीय परिवर्तन की यात्रा की दिशा में विकास के नए अवसर खोलेंगे।

> "धन के प्रति सकारात्मक मानसिकता बनाने में समय और प्रयास लगता है। पैसे के प्रति अपने दृष्टिकोण और व्यवहार में छोटे-छोटे बदलाव करके, आप पैसे के साथ एक स्वस्थ संबंध विकसित कर सकते हैं और अपना वांछित वित्तीय भविष्य बना सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए रॉबर्ट कियोसाकी की पुस्तक रिच डैड पुअर डैड और कैश फ्लो क्वाड्रंट पढ़ें।"

सोच-समझकर खर्च करने की आदत

आम भाषा में संपत्ति कुछ ऐसी चीज है जो आपकी जेब में पैसा डालती है, जैसे नौकरी, किराये की आय, लाभांश, सौर पैनल, रियल एस्टेट, व्यवसाय आदि जबकि देनदारियां आपकी जेब से पैसा निकालती हैं, जैसे ईएमआई, क्रेडिट कार्ड, ऋण आदि। वित्तीय स्वतंत्रता के लिए किसी को भी सोच-समझकर खर्च करने की आदत डालना चाहिए। व्यय की ऐसी आदतें विकसित करें जो अतिरिक्त आय उत्पन्न करें न कि उसे नष्ट करें। जब हम वित्तीय स्वतंत्रता पर जोर देते हैं तो यह केवल धन संचय करने के बारे में नहीं है, यह विकल्पों और मूल्यों की स्वतंत्रता के बारे में भी है जो जीवन में नियंत्रण की ओर ले जाता है। खर्च करने की आदत यहां प्रमुख कारक है।

धन संबंधी मानसिकता के प्रभाव को समझें

वित्तीय कल्याण पर आपकी धन संबंधी मानसिकता के प्रभाव को समझें। एक सकारात्मक धन मानसिकता बेहतर वित्तीय निर्णय, प्रचुरता की भावना और शानदार वित्तीय सफलता का कारण बन सकती है। सकारात्मक धन मानसिकता विकसित करके, आप अपनी वित्तीय भलाई में सुधार कर सकते हैं और अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। अपनी वर्तमान धन मानसिकता पर विचार करके शुरुआत करें। अपनी वित्तीय मान्यताओं और दृष्टिकोण पर विचार करें। जब आप पैसे के बारे में सोचते हैं तो मन में क्या विचार आते हैं? क्या आप अभी भी अपने पैसे को अधिक गंभीरता से लेने की उम्मीद कर रहे हैं, शायद बाद में जीवन में? या क्या आपको लगता है कि पैसे से जीतना केवल अमीर लोगों के लिए है? यदि वह आप हैं, तो आपको अपनी धन संबंधी मानसिकता में सुधार करने की आवश्यकता है। पैसों के साथ आपका सकारात्मक संबंध आपको बड़ी वित्तीय सफलता हासिल करने में मदद करेगा।

जल्दी शुरुआत करें, अधिक लाभ उठाएं

वित्तीय स्वतंत्रता की यात्रा तब सबसे प्रभावी होती है जब यह जीवन में जल्दी शुरू होती है, जैसे ही आप कमाना शुरू करते हैं, अपने खर्च करने की आदतों पर बारीकी से नजर रखें, चाहे वह कितनी भी छोटी क्यों न हो, समय के साथ महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। परिसंपत्तियों पर सोच-समझकर खर्च करके आप आय के अधिक स्रोत बना सकते हैं जो आपके लिए उपयोगी होंगे। पैसा एक पेचीदा विषय हो सकता है। क्या आप जानना चाहते हैं कि किसी व्यक्ति को अपने पैसे से क्या सफलता मिलती है?

मनी माइंडसेट क्या है?

धन संबंधी मानसिकता धन और संपत्ति के प्रति व्यक्तियों के दृष्टिकोण, विश्वास और व्यवहार को संदर्भित करती है। इसमें यह शामिल है कि व्यक्ति पैसे को कैसे समझते हैं और उसका उपयोग कैसे करते हैं, वे इसका प्रबंधन कैसे करते हैं और इसका उनके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। एक स्वस्थ धन मानसिकता में पैसे के बारे में सकारात्मक धारणाएं शामिल होती हैं, जैसे कि इसे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और एक पूर्ण जीवन जीने के लिए एक उपकरण के रूप में देखना। यह मानसिकता महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है कि लोग वित्तीय निर्णय कैसे लेते हैं, अपने वित्त का प्रबंधन कैसे करते हैं और अंततः अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को कैसे प्राप्त करते हैं। ऐसे लोग खर्च करने की स्वतंत्रता रखते हैं, लेकिन अपनी खर्च करने की आदतों के प्रति सचेत रहते हैं और अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं।

मनी माइंडसेट कैसे बनती है?

1. **बचपन के अनुभव:** एक बच्चे के रूप में पैसे और वित्त के साथ आपके अनुभव आपकी पैसे की मानसिकता को आकार दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप ऐसे घर में पले-बढ़े हैं जहां पैसे की कमी थी, तो आपने यह धारणा विकसित कर ली होगी कि पैसा आना मुश्किल है।
2. **सांस्कृतिक और सामाजिक प्रभाव:** सांस्कृतिक-सामाजिक कारक, जैसे मीडिया, परिवार और मित्र, और सामाजिक अपेक्षाएँ भी आपकी धन संबंधी मानसिकता को आकार दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप ऐसी संस्कृति में पले-बढ़े हैं जो मितव्ययिता और बचत को महत्व देती है, तो आपने यह धारणा विकसित कर ली होगी कि पैसा खर्च करना व्यर्थ है।
3. **शिक्षा और सीखना:** शिक्षा और सीखना भी आपकी धन संबंधी मानसिकता में योगदान कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपने निवेश की शक्ति और चक्रवृद्धि ब्याज के बारे में सीखा है, तो आपने यह विश्वास विकसित कर लिया होगा कि आप समय के साथ धन बना सकते हैं।
4. **व्यक्तिगत अनुभव:** पैसे के साथ आपके अपने अनुभव, जैसे वित्तीय सफलताएँ और असफलताएँ, आपकी पैसे संबंधी मानसिकता को आकार दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपको वित्तीय झटका लगा है, तो आपके मन में वित्तीय जोखिम लेने का डर पैदा हो गया होगा।

सकारात्मक मानसिकता बनाएं

1. अपनी पिछली वित्तीय गलतियों को छोड़ें: कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। संभावना है कि आपने पिछले कुछ वर्षों में कई ख़राब वित्तीय निर्णय लिए होंगे। पछताने के बजाय, अपने अनुभव से सीखने का प्रयास करें और स्वयं को क्षमा करें। हर किसी को पैसे का प्रबंधन करना नहीं सिखाया जाता है, लेकिन अंततः, आप परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से अपना रास्ता खोज लेते हैं।
2. सराहना का अभ्यास करें: आपके पास क्या कमी है इसके बजाय आपके पास क्या है उस पर ध्यान केंद्रित करें। आपके पास मौजूद पैसे के लिए आभार व्यक्त करने से आपको अपने वित्त के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिल सकती है।
3. प्रचुरता पर ध्यान दें: विश्वास रखें कि चारों ओर घूमने के लिए पर्याप्त पैसा है और आप धन बना सकते हैं। कमी के बारे में सोचने के बजाय प्रचुरता और अवसरों के बारे में सोचें।
4. स्वयं को शिक्षित करें: व्यक्तिगत वित्त और वित्तीय प्रबंधन के बारे में जानें। यह समझना कि पैसा कैसे काम करता है, आपको अपने वित्त पर नियंत्रण की भावना दे सकता है और आपको सूचित निर्णय लेने में मदद कर सकता है।
5. अपने आप को सकारात्मक प्रभावों से घेरें: धन और वित्त के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण वाले लोगों के साथ समय बिताएं। उनकी सकारात्मक आदतों और विश्वासों से सीखने से आपको सकारात्मक धन मानसिकता विकसित करने में मदद मिल सकती है।
6. नकारात्मक आत्म-चर्चा से बचें: पैसे के प्रति अपने विचारों और भावनाओं से अवगत रहें। नकारात्मक आत्म-चर्चा नकारात्मक धन मानसिकता पैदा कर सकती है। इसके बजाय, अपनी मानसिकता को सकारात्मकता की ओर स्थानांतरित करने में मदद के लिए सकारात्मक पुष्टि और आत्म-चर्चा पर ध्यान केंद्रित करें।

दुष्टात्माओं के नाश के लिए करें

देवी शक्ति का आह्वान

माँ दुर्गा की पूजा से हम पर देवी शक्ति की कृपा होती है और हम सभी संकटों, रोगों, दुश्मनों, प्राकृतिक आपदाओं से बच पाते हैं। इसके अलावा शारीरिक तेज में वृद्धि होती है मन निर्मल व आत्मिक, दैविक, भौतिक शक्तियों का लाभ मिल पाता है। नवरात्र माँ भगवती जगत–जननी का आह्वान दुष्टात्माओं का नाश करने के लिए किया जाता है। प्रत्येक नर–नारी जो हिन्दू धर्म की आस्था से जुड़े हैं वे किसी न किसी रूप में कहीं न कहीं देवी की उपासना करते ही हैं। फिर चाहे व्रत रखें, मंत्र जाप करें, अनुष्ठान करें या अपनी–अपनी श्रद्धा–भक्ति अनुसार कर्म करते है रहें। वैसे माँ के दरबार में दोनों ही चैत्र व अश्विन मास में पड़ने वाले शारदीय नवरात्र की धूमधाम रहती है। सबसे अधिक अश्विन मास में जगह–जगह गरबों का आयोजन होता है और जगह–जगह देवी प्रतिमा स्थापित करने की भी प्रथा है।

शैल पुत्री

ब्रह्मचारिणी

चंद्रघंटा

कुष्मांडा

नवरात्र में घरों में देवी प्रतिमा-घट स्थापना करते हैं। इसी दिन से नववर्ष की बेला शुरु होती है। घर-घर में उत्साह का माहौल रहता है। कुछ साधकगण भी शक्तिपीठों में जाकर अपनी-अपनी सिद्धियों को बल देते हैं। अनुष्ठान, हवन आदि का पर्व भी होता है। कुछ अपनी वाकशक्ति को बढ़ाते हैं तो कोई अपने शत्रु से राहत पाने के लिए माँ बगुलामुखी का जाप-हवन आदि करते हैं। कोई काली का उपासक है तो कोई नवदुर्गा का। कुछ भी हो किसी न किसी रूप में पूजा तो देवी की ही होती है।

शैलपुत्री- माँ दुर्गा का प्रथम रूप है शैलपुत्री। पर्वतराज हिमालय के यहां जन्म होने से इन्हें शैलपुत्री कहा जाता है। नवरात्र की प्रथम तिथि को शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इनके पूजन से भक्त सदा धनधान्य से परिपूर्ण रहते हैं।

ब्रह्माचारिणी- माँ दुर्गा का दूसरा रूप ब्रह्माचारिणी है। माँ दुर्गा का यह रूप भक्तों और साधकों को अनंत कोटि फल प्रदान करने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की भावना जागृत होती है।

चंद्रघंटा- माँ दुर्गा का तीसरा स्वरूप चंद्रघंटा है। इनकी आराधना तृतीया को की जाती है। इनकी उपासना से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। वीरता के गुणों में वृद्धि होती है। स्वर में दिव्य अलौकिक माधुर्य का समावेश होता है, आकर्षण बढ़ता है।

कुष्मांडा- चतुर्थी के दिन माँ कुष्मांडा की आराधना की जाती है। इनकी उपासना से सिद्धियों में निधियों प्राप्त कर समस्त रोग-शोक दूर होकर आयु-यश में वृद्धि हाती है।

स्कंदमाता- नवरात्रि का पाँचवा दिन आपकी उपासना का दिन होता है। मोक्ष के द्वारा खोलने वाली माता परम सुखदायी है। माँ अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करती है।

कात्यायनी- माँ का छठा रूप कात्यायनी है। छठे दिन इनकी पूजा-अर्चना की जाती है। इनके पूजन से अदभुत शक्ति का संचार होता है व दुश्मनों का संहार करने में ये सक्षम बनाती हैं। इनका ध्यान गोधुली बेला में करना होता है।

कालरात्रि- नवरात्रि की सप्तमी के दिन माँ कालरात्रि की आराधना का विधान है। इसकी पूजा-अर्चना करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है व दुश्मनों का नाश होता है, तेज बढ़ता है।

महागौरी- देवी का आठवाँ रूप माँ गौरी है। इनका अष्टमी के दिन पूजन का विधान है। इनकी पूजा सारा संसार करता है। पूजन करने से समस्त पापों का क्षय होरक कांति बढ़ती है। सुख में वृद्धि होती है, शत्रु-शमन होता है।

सिद्धि दात्री- माँ सिद्धिदात्री की आराधना नवरात्र की नवमी के दिन की जाती है। इनकी आराधना से जातक को अणिमा, लधिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, महिमा, ईशित्व, सर्वकामावसायिता, दूर, श्रावण, परकामा प्रवेश, वाकसिद्ध, अमरत्व भावना आदि समस्त सिद्धियां की प्राप्ति होती है। आज के युग में इतना कठिन तप तो कोई नहीं कर सकता लेकिन अपनी शक्तिनुसार जप, तप, पूजा,-अर्जना कर कु छ तो माँ की कृपा का पात्र बनता है।

माँ भगवती की आराधना कल्याणकारी

संपूर्ण भारत वर्ष में नवरात्रि का पर्व वर्ष में दो बार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तथा आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को बड़ी श्रद्धा, भक्ति व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। जिसे बसन्त व शारदीय नवरात्रि के नाम से जाना जाता है।

इस कर्म भूमि के सपूतों के लिए माँ दुर्गा की पूजा व आराधना ठीक उसी प्रकार कल्याणकारी है जिस प्रकार अंधेरे में घिरे हुए संसार के लिए भगवान सूर्य की एक किरण।

नवरात्रि में दुर्गाष्टमी व महानवमी पूजन का बड़ा ही महत्व है। इस अष्टमी व नवमी की कल्याणप्रद, शुभ बेला श्रद्धालु भक्तजनों को मनोवांछित फल देकर नव दिनों तक लगातार चलने वाले व्रत व पूजन महोत्सव के सम्पन्न होने के संकेत देती है। माँ दुर्गा की आराधना से व्यक्ति एक सदृहस्थ जीवन के अनेक लक्षणों धन, ऐश्वर्य, पत्नी, पुत्र, पौत्र व स्वास्थ्य से युक्त हो जीवन के अंतिम लक्ष्य मोक्ष को भी सहज ही प्राप्त कर लेता है।

इतना ही नहीं बीमारी, महामारी, बाढ़,सूखा, प्राकृतिक उपद्रव व शत्रु से घिरे हुए किसी राज्य, देश व सम्पूर्ण विश्व के लिए भी माँ भगवती की आराधना परम कल्याणकारी है। इस पूजा में पवित्रता, नियम व संयम तथा ब्रह्मचर्य का विशेष महत्व है। पूजा के समय घर व देवालय को

तोरण व विविध प्रकार के मांगलिक पत्र, पुष्पों से सजाना चाहिए तथा स्थापित समस्त देवी–देवताओं का आव्हान उनके नाम मंत्रों द्वारा षोडषोपचार पूजा करनी चाहिए जो विशेष फलदायनी है। भविष्य पुराण के उत्तर–पूर्व में महानवमी व दुर्गाष्टमी पूजन के विषय में भगवान श्रीकृष्ण से धर्मराज युधिष्ठिर का संवाद मिलता है। जिसमें नवमी व दुर्गाष्टमी पूजन का स्पष्ट उल्लेख है।

यह पूजन प्रत्येक युगों, सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलियुग तथा कल्पों व मन्वन्तरों आदि में भी प्रचलित था। माँ भगवती सम्पूर्ण जगत् में परम शक्ति अनन्ता, सर्वव्यापिनी, भावगम्या, आद्या आदि नाम से विख्यात हैं जिन्हें माया, कात्यामिनी, काली, दुर्गा, चामुण्डा, सर्वमंगला, शंकरप्रिया, जगत जननी, जगदम्बा, भवानी आदि अनेक रूपों में देव, दानव, राक्षस, गन्धर्व, नाग, यक्ष, किन्नर, मनुष्य आदि अष्टमी व नवमी को पूजते हैं। माँ भगवती का पूजन अष्टमी व नवमी को करने से कष्ट, दु:ख मिट जाते हैं और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। यह तिथि परम कल्याणकारी, पवित्र, सुख को देने वाली और धर्म की वृद्धि करने वाली है। अनेक प्रकार मंत्रोपचार से विधि प्रकार पूजा करते हुए भगवती से सुख, समृद्धि,यश, कीर्ति, विजय, आरोग्यता की कामना करनी चाहिए। नवरात्रि के आठवें दिन की देवी माँ महागौरी हैं।

परम कृपालु माँ महागौरी कठिन तपस्या कर गौरवर्ण को प्राप्त कर भगवती महागौरी के नाम से सम्पूर्ण विश्व में विख्यात हुई। भगवती महागौरी की आराधना सभी मनोवांछित को पूर्ण करने वाली और भक्तों को अभय, रूप व सौंदर्य प्रदान करने वाली है। अर्थात शरीर में उत्पन्न नाना प्रकार के विष व्याधियों का अंत कर जीवन को सुख–समृद्धि व आरोग्यता से पूर्ण करती है।

माँ की शास्त्रीय पद्धति से पूजा करने वाले सभी रोगों से मुक्त हो जाते हैं और धन वैभव सम्पन्न होते हैं। नववें दिन की दुर्गा सिद्धिदात्री हैं यह दिन माँ सिद्धिदात्री दुर्गा की पूजा के लिए विशेष महत्वपूर्ण है। माँ भगवती ने नववें दिन देवताओं और भक्तों के सभी वांछित मनोरथों को सिद्ध कर दिया, जिससे माँ सिद्धिदात्री के रूप में सम्पूर्ण विश्व में व्याप्त हुई। परम करुणामयी सिद्धिदात्री की अर्चना व पूजा से भक्तों के सभी कार्य सिद्ध होते हैं। बाधाएं समाप्त होती हैं एवं सुख व मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इस प्रकार अष्टमी को विविध प्रकार से भगवती जगदम्बा का पूजन कर रात्रि को जागरण करते हुए भजन, कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए तथा नवमी को विविध प्रकार से पूजा–हवन कर नौ कन्याओं को भोजन खिलाना चाहिए और हलुआ आदि प्रसाद वितरित करना चाहिए और पूजन हवन की पूर्णाहुति कर दशमी तिथि को व्रती को व्रत खोलना पारण चाहिए। यदि नवमी तिथि की वृद्धि हो तो एक नवमी को व्रत कर दूसरे नवमी में अर्थात दसवें दिन पारण करने का विधान शास्त्रों में मिलता है। जो सभी प्रकार के अमंगल को दूर कर जीवन को सुखद व सुन्दर बना देता है।

स्कन्द माता

कात्यानी

कालरात्रि

महागौरी

सिद्धि दात्री

वर्ल्ड कप

अलीखिल ने दूसरी बार बनाया 50 प्लस का स्कोर

अफगानिस्तान ने सुधारा अपना रिकॉर्ड गुरबाज और जादरान ने जोड़े 114 रन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वर्ल्ड कप 2023 के 13वें मुकाबले में गत चैंपियन इंग्लैंड के समाने अफगानिस्तान था। दिल्ली में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 284 रन बनाए। अफगानिस्तान की पारी के दौरान कई सारे रिकॉर्ड्स बने। अफगनिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज और जादरान ने टीम को ठोस शुरुआत दी। दोनों के बीच रिकॉर्ड 114 रन की साझेदारी हुई। साथ ही दोनों ने पहले पावरप्ले में 79 रन जोड़े। यह वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान का पहले पावरप्ले सर्वोच्च स्कोर बनाया। इसके अलावा इकराम अलीखिल ने वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के लिए दूसरी बार 50 प्लस का स्कोर किया। बता दें कि अफगानिस्तान ने अपने दोनों मैच गंवाए हैं। इस मैच के पहले दिल्ली में ही भारत ने अफगानिस्तान को हराया था। वहीं, इंग्लैंड ने अपना पहला मैच न्यूजीलैंड के हाथों गंवाया है, जबकि दूसरे मैच में उसे जीत मिली है।

गुरबाज जादरान के बीच शतकीय साझेदारी

अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने महज 57 बॉल पर 80 रन बनाए। इस पारी में 8 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। गुरबाज अपने कॅरियर में 3 फिफ्टी और 5 सेंचुरी लगा चुके हैं। अफगानिस्तान का पहला विकेट 114 रन पर गिरा। गुरबाज और इब्राहिम जादरान के बीच पहले विकेट के लिए सेंचुरी पार्टनरशिप हुई। दोनों ने 101 बॉल पर 114 रन जोड़े। इस पार्टनरशिप को आदिल रशीद ने जादरान को आउट कर के तोड़ा।

इकराम का अर्धशतक

अफगानिस्तान ने 190 रन के स्कोर पर ही अपने 6 विकेट गंवा दिए। हशमतुल्लाह शहीदी 14, अजमतुल्लाह ओमरजई 19 और मोहम्मद नबी 9 रन ही बना सके। यहां से राशिद खान ने 23 रन की पारी खेली, उनके आउट होने के बाद मुजीब उर रहमान ने तेजी से 16 गेंद पर 28 रन बनाए। वहीं इकराम अलीखिल 58 रन बनाकर आउट हुए और टीम का स्कोर 275 रन के पार पहुंचा।

अफगान का सबसे बड़ा स्कोर

रन	बनाम	वर्ष
288	वेस्टइंडीज	2019
284	इंग्लैंड	2023*
272	भारत	2023
247	इंग्लैंड	2019

सर्वाधिक 50+ स्कोर

50+स्कोर	खिलाड़ी
3	हशमतुल्लाह शाहिदी
2	नजीबुल्लाह जादरान
2	समीउल्लाह शिनवारी
2	इकराम अलीखिल

रशीद ने झटके 3 विकेट

इंग्लैंड से लेग स्पिनर आदिल रशीद ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। तेज गेंदबाजों में मार्क वुड को 2 और रीस टॉप्ली को एक सफलता मिली। वहीं पार्ट टाइमर लियम लिविंगस्टन और जो रूट ने एक-एक विकेट झटका। रूट ने मैच में 4 कैच भी पकड़े।

वर्ल्ड कप : अंक तालिका

टीम	खेले	जीते	हारे	अंक
भारत	3	3	0	6
न्यूजीलैंड	3	3	0	6
द.अफ्रीका	2	2	0	4
पाकिस्तान	3	2	1	4
इंग्लैंड	2	1	1	2
बांग्लादेश	3	1	2	2
श्रीलंका	2	0	2	0
नीदरलैंड्स	2	0	2	0
ऑस्ट्रेलिया	2	0	2	0
अफगानिस्तान	2	0	2	0

शीर्ष स्कोरर

मो. रिजवान
248 रन
पाकिस्तान

शीर्ष विकेट टेकर

जसप्रीत बुमरा
08 विकेट
भारत

उपलब्धि

रौनक बने शतरंज अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन, पीएम मोदी ने दी बधाई

सार्डिनिया। भारत के ग्रैंडमास्टर 17 वर्षीय रौनक साधवानी इटली में दमदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 विश्व जूनियर रैपिड शतरंज चैंपियन बन गए। महाराष्ट्र के नागपुर के रौनक ने 11वें राउंड में 8.5 अंक के साथ विजेता ट्रॉफी अपने नाम की।

खास बात यह है कि रौनक को टूर्नामेंट में खेलने के लिए वीजा हासिल करने में परेशानी आई थी, लेकिन उनकी एकाग्रता भंग नहीं हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि पर रौनक साधवानी को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, फिडे वर्ल्ड जूनियर रैपिड शतरंज चैंपियनशिप 2023 में ऐतिहासिक जीत के लिए रौनक साधवानी को बधाई। उनकी रणनीतिक प्रतिभा और कौशल ने दुनिया को आश्चर्यचकित किया। साथ ही देश को गौरवान्वित भी किया है। वह अपनी असाधारण उपलब्धियों से हमारे देश के युवाओं को प्रेरित करते रहें। उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।'

हमारे लिए प्रत्येक मैच फाइनल जैसा

लखनऊ। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को लगता है कि अब उनके लिए एकदिवसीय विश्व कप में प्रत्येक मैच फाइनल जैसा बन गया है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम उन टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार है जिनके खिलाफ हाल में उनका रिकॉर्ड बेहतर रहा है। ऑस्ट्रेलिया को पहले मैच में भारत से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

बनाए रखा हौसला पिच को परखने से मिला फायदा

अहमदाबाद। पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी विश्व कप मैच में 19 रन देकर दो विकेट लेकर भारत की जीत की पटकथा लिखने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि उन्होंने आयु वर्ग की प्रतियोगिता के दिनों में इस मैदान पर काफी क्रिकेट खेला है जिससे इस पिच को समझने में आसानी हुई।

हुर्काज ने जीता शंघाई मास्टर्स का खिताब

शंघाई। हुबर्ट हुर्काज ने शंघाई मास्टर्स टेनिस के रोमांचक फाइनल में रविवार को यहां आंद्रे रुबलेव के खिलाफ मैच प्वाइंट का बचाव करते हुए 6-3, 3-6, 7-6 (8) से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में सेबेस्टियन कोर्डा को शिकस्त देने वाले पोलैंड के इस खिलाड़ी ने फाइनल में रूस के रुबलेव के खिलाफ पहली सर्विस को 80 प्रतिशत बार भुनाने में सफल रहे। हुर्काज ने पहले सेट में 6-3 की बढ़त के साथ रुबलेव को दबाव में ला दिया। टूर्नामेंट में रुबलेव ने पहली बार कोई सेट गंवाया था। रुबलेव ने दूसरे सेट में शानदार वापसी की और तीसरे सेट में 6-5 की बढ़त लेने के बाद वह मैच प्वाइंट के लिए सर्विस कर रहे थे। हुर्काज ने दो घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले शानदार जज्बा दिखाते हुए लगातार दो अंक जीत कर खिताब अपने नाम किया। हुर्काज का यह दूसरा मास्टर्स खिताब है। इससे पहले उन्होंने मियामी 2021 में खिताब जीता था।

खबर संक्षेप

करारी हार दुखद और पीड़ादायक

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान रमीज राजा ने वनडे विश्व कप में भारत के खिलाफ खराब प्रदर्शन के लिए पाकिस्तानी टीम की कड़ी आलोचना करते हुए इस हार को दुखद और पीड़ादायक करार दिया। राजा ने कहा, 'इस हार से वे बेहद दुखी होंगे। यह भयावह है। यह पीड़ादायक है। यह करारी हार है। वे खेल के तीनों विभागों में चित कर दिए गए। अगर आप जीत नहीं सकते तो कम से कम चुनौती तो पेश करो। पाकिस्तान ऐसा करने में सक्षम नहीं था।'

गेंदों को समझ नहीं पाए पाक बल्लेबाज

अहमदाबाद। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव का मानना है कि वह पाकिस्तान के बल्लेबाजों के दिमाग में भ्रम पैदा करने में सफल रहे, जिन्होंने शनिवार को यहां खेले गए विश्व कप मैच में उनकी गेंदों को समझे बिना जोखिम भरा स्वीप शॉट खेलने का प्रयास किया। कुलदीप ने सौद शकील और इफ्तिखार अहमद के महत्वपूर्ण विकेट लिए। इन दोनों ने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में अपने विकेट गंवाए। इफ्तिखार ने ऑफ स्टंप से बाहर जा रही गेंद को स्वीप करने के प्रयास में अपने विकटों में खेल दिया था।

कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत सम्मानित

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय कबड्डी टीम के सदस्य पवन सहरावत को रविवार को यहां सम्मानित किया। केजरीवाल ने इस दौरान हाल ही में चीन के हांगझोउ में आयोजित खेलों में पदक जीतने वाले दिल्ली के सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। इस मौके पर केजरीवाल ने दिल्ली में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

'मैंने खुद को गाली दी...', मंत्र फूंक विकेट लेने पर खुलासा

पंड्या ने 13वें ओवर में झटका था इमाम का विकेट

एजेंसी ⏭ अहमदाबाद

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच शनिवार को खेला गया। इस मुकाबले में स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने का एक वाकया काफी वायरल हुआ, जिसमें वो बॉल को हाथ में लेकर कुछ मंत्र जैसा पढ़ते नजर आ रहे हैं। इसके बाद वो फूंक मारते हैं और अगली ही बॉल पर विकेट हासिल कर लेते हैं।

■ मैच में पंड्या ने झटके थे 2 विकेट

पंड्या का जब यह वीडियो वायरल हुआ, तो फैन्स को मन में यह जानने की उत्सुकता हुई कि आखिर पंड्या ने यह क्या किया था? अब इस ऑलराउंडर ने खुद ही खुलासा कर दिया है। मैच के बाद पूर्व दिग्गज गौतम गंभीर और इरफान पठान से बात करते हुए पंड्या ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्होंने खुद को गाली दी थी। दरअसल, पाकिस्तान की पारी का 13वां ओवर तेज गेंदबाज हार्दिक पंड्या ने ही किया था। इसकी तीसरी बॉल डालने से पहले हार्दिक अपने दोनों हाथ में बॉल लेकर कुछ बोलते नजर आए। कुछ बोलने के बाद पंड्या ने फूंक मारी और तीसरी बॉल डाल दी। स्ट्राइक पर इमाम उल हक थे, जो उस बॉल पर विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट हो गए।

'मैं खुद को मोटिवेट कर रहा था'

मैच के बाद खुलासा करते हुए हार्दिक ने उस वाकये पर कहा, 'वो मैंने बड़ी सरल तरीके से अपने से बात की थी। बेसिकली खुद को गाली दी (हंसते हुए)। मैं खुद को मोटिवेट कर रहा था कि थोड़ी जगह पर गेंद करो। कुछ अलग करने मत जाओ।' हार्दिक ने गेम प्लानिंग पर कहा, 'मेरे हिसाब से मैंने और सिराज ने बात की थी कि एक जैसी विकेट पर गेंदबाजी करेंगे तो ज्यादा कुछ ट्राई नहीं करेंगे। जैसे पिछले मुकाबलों में बुमराह ने की है।'

हॉकी इंडिया: राष्ट्रीय शिविर के लिए चुने 34 महिला खिलाड़ी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बेंगलुरु में 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले राष्ट्रीय शिविर के लिए रविवार को 34 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। राष्ट्रीय शिविर 22 अक्टूबर तक चलेगा जबकि महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से रांची में खेली जाएगी। यह प्रतियोगिता पहली बार भारत में आयोजित की जा रही है। भारत के अलावा इसमें मौजूदा चैंपियन चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीम हिस्सा लेगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड के खिलाफ करेगा।

संभावित खिलाड़ी

गोलकीपर: सविता, रजनी एतिमारपु, बिचू देवी, बंसारी सोलंकी।

डिफेंडर: दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता ढेकाले, ज्योति छेत्री, महिमा चौधरी।

मिडफील्डर: निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मरीना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी फाल्के, अजमीना कुजूर।

फॉरवर्ड: लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो, ब्यूटी डुंगडुंग।

पेगुला ने जीता कोरिया ओपन का खिताब

सियोल। जेसिका पेगुला ने रविवार को कोरिया ओपन के फाइनल में युआन यू को 6-2, 6-3 से हराकर अपने कॅरियर का चौथा खिताब जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त पेगुला ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया। वह 2007 में वीनस विलियम्स के बाद सियोल में खिताब जीतने वाली अमेरिका की पहली खिलाड़ी बन गई। विश्व रैंकिंग में 128वें स्थान पर काबिज युआन कॅरियर का पहला फाइनल मुकाबला खेल रही थी।

राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स में रेलवे ओवरऑल चैंपियन

बेंगलुरु। रेलवे की टीम ने राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 220 अंकों के साथ रविवार को यहां ओवरऑल खिताब जीता। पुरुष टीम का खिताब 175 अंकों के साथ सेना के नाम रहा, जबकि रेलवे की महिला टीम 156 अंकों के साथ शीर्ष पर रही। सेना के भाला फेंक खिलाड़ी मनु डीपी को 1127 अंकों के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी घोषित किया गया, जबकि महाराष्ट्र की यमुना लडकत को मीट की सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट चुना गया। उसके नाम 1128 अंक थे। स्वर्ण पदक विजेता मनु ने अपने मीट रिकॉर्ड में सुधार किया। उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.06 मीटर था, जो पिछले साल बनाए गए 81.23 मीटर के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर रहा। तमिलनाडु ने पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले में 39.42 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ मीट रिकॉर्ड में भी सुधार किया।

हेड ने नेट सत्र में किया अभ्यास, ऑस्ट्रेलिया से जुड़ने की उम्मीद

एजेंसी ⏭ एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने बाएं हाथ में फ्रैक्चर से उबरने के बाद रविवार को नेट अभ्यास किया जिससे मध्यक्रम के इस बल्लेबाज के भारत में खेले जा रहे एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जल्दी शामिल होने की उम्मीद बढ़ गई है। वामहस्त बल्लेबाज हेड के गुरुवार को भारत आने की संभावना है। उन्होंने बीते शुक्रवार को हाथ से सुरक्षात्मक पट्टी हटा दी थी।

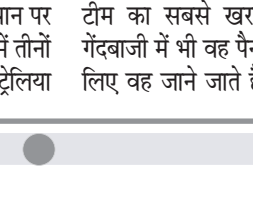

विश्व कप से पहले सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जे की गेंद लगने के बाद उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया था।

पांच बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया नौवें स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को पहली जीत की तलाश

एजेंसी ⏭ लखनऊ

अपने पहले दोनों मैच में हार से आहत ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका वनडे विश्व कप में सोमवार को यहां जब एक दूसरे का सामना करेंगे तो उनका लक्ष्य एक दूसरे से बेहतर प्रदर्शन करके जीत की राह पर लौटना होगा। यह दोनों टीम टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में हैं। ऑस्ट्रेलिया को जहां भारत और दक्षिण अफ्रीका से करारी हार का सामना करना पड़ा वहीं श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान से हार गई थी।

पांच बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम 10 टीमों की अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। उसका नेट रन रेट -1.846 है। श्रीलंका -1.161 के नेट रन रेट के साथ सातवें स्थान पर है। इन दोनों टीमों ने अभी तक टूर्नामेंट में तीनों विभाग में लचर प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया का खराब क्षेत्ररक्षण वास्तव में हैरान करने वाला है। उसने अभी तक दो मैच में छह कैच टपकाए हैं। यह टूर्नामेंट में अभी तक किसी भी टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। उसकी गेंदबाजी में भी वह पैनापन नहीं दिखा जिसके लिए वह जाने जाते हैं। उसके बल्लेबाज भी नहीं चल पाए हैं और आलम यह है कि उसकी टीम अभी तक 200 रन की संख्या पर नहीं कर पाई है। पहले मैच में उसके बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के सामने नहीं चल पाए जबकि दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने उनकी बखिया उधेड़ दी थी।

श्रीलंकाई गेंदबाज लुटा रहे रन

श्रीलंका की टीम भी अभी तक टूर्नामेंट में अपेक्षानुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उसके बल्लेबाजों ने बेहतर खेल दिखाया है तथा पिछले दोनों मैच में 320 से अधिक का स्कोर बनाया लेकिन गेंदबाजी उसके लिए चिंता का विषय है। कई प्रमुख गेंदबाजों की अनुपस्थिति में खेल रही श्रीलंका की टीम ने अभी तक दो मैच में 775 रन लुटाए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ एक समय उसकी टीम जीत की तरफ बढ़ रही थी लेकिन 20 वर्षीय मथीशा पथिराना जैसे युवा गेंदबाजों की अनुभवहीनता उसकी राह में रोड़ा बन गई। इससे पाकिस्तान विश्व कप में रिकार्ड लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा। श्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच से पहले एक और करारा झटका लगा है। कप्तान दासुन शनाका जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह कुसाल मेंडिस टीम का नेतृत्व करेंगे।

डेनियल और अल्माज ने जीती दिल्ली हाफ मैराथन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कीनिया के डेनियल एबेन्यो और इथियोपिया की अल्माज अयाना ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीती।

बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप 2023 में 10000 मीटर की दौड़ में रजत पदक जीतने वाले 28 वर्षीय एबेन्यो ने पुरुष वर्ग में दौड़ 59 मिनट और 27 सेकंड में पूरी की। उन्होंने हमवतन चार्ल्स माटाटा (1:00:05) और इथियोपिया के अदिसु गोबेना (1:00:51) को पीछे छोड़ा। रियो ओलंपिक 2016 में महिलाओं की 10000 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीतने वाली अयाना ने एक घंटे, सात मिनट और 59 सेकंड में दौड़ पूरी करके युगांडा की स्टेला चेसांग (1:08:28) और कीनिया की वियोला चेपनजेनो (1:09:09) को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों में अभिषेक पाल (1:04:08) और कविता यादव (1:17:42) ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में पहला स्थान हासिल किया।

पीएम मोदी ने मिसाइल मैन को किया याद बोले- देश उनके योगदान को हमेशा रखेगा याद

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि डॉ. डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने हमेशा अपने छात्रों को स्वयं का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने का प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें बहुमूल्य ज्ञान दिया।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मिसाइल मैन कहे जाने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मूर्धन्य वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल की की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका स्मरण किया और उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'अपने विनम्र व्यवहार और विशिष्ट वैज्ञानिक प्रतिभा को लेकर जन-जन के चहेते रहे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन'। राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को सदैव श्रद्धा पूर्वक याद किया जाएगा।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 92वीं जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी श्रद्धा सुमन अर्पित किए

कई दिग्गज नेताओं ने किया नमन

डॉ कलाम के योगदान को किया याद, पुष्पांजलि दी

डीआरडीओ और इसरो के लिए किया काम

उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से वैमानिकी इंजीनियरिंग में पढ़ाई की। एक एयरोस्पेस वैज्ञानिक के रूप में कलाम ने भारत के दो प्रमुख अंतरिक्ष अनुसंधान संगठनों - रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ काम किया। पूर्व राष्ट्रपति ने भारत के एयरोस्पेस और रक्षा अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वह देश के पहले परमाणु परीक्षण, स्माइलिंग बुद्धा के दौरान उपस्थित रहे । बाद में उन्होंने प्रोजेक्ट डेविल और प्रोजेक्ट वैलिएंट का नेतृत्व किया, जिसका उद्देश्य सफल एसएलवी तकनीक के आधार पर बैलिस्टिक मिसाइल विकसित करना था। इन वर्षों में, डॉ. कलाम भारत के उन्नत मिसाइल कार्यक्रम के निदेशक के रूप में एक अभिन्न हिस्सा बन गए।

शिक्षक की भूमिका में अब्दुल कलाम

शिक्षा के क्षेत्र में पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के उल्लेखनीय योगदान के सम्मान में 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। शिक्षा के प्रति डॉ. कलाम की प्रतिबद्धता इतनी अटूट थी। वह भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त करने के तुरंत बाद अपने शिक्षण पेशे में लौट आए। उनका मानना था कि शिक्षक छात्रों के चरित्र को आकार देने, मानवीय मूल्यों को स्थापित करने, प्रौद्योगिकी के माध्यम से उनकी सीखने की क्षमताओं को बढ़ाने और नवोन्वेषी और रचनात्मक होने के लिए उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भविष्य का सामना करने के लिए तैयार करते हैं।डॉ. कलाम ने हमेशा अपने छात्रों को स्वयं का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने का प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें बहुमूल्य ज्ञान दिया। यदि आप असफल होते हैं, तो कभी हार न मानें क्योंकि एफएआईएल का अर्थ है 'सीखने में पहला प्रयास।' अंत अंत नहीं है, दरअसल ईएनडी का अर्थ है 'प्रयास कभी नहीं मरता।' यदि आपको उत्तर के रूप में 'नहीं' मिलता है, तो याद रखें कि एनओ का अर्थ है 'अगला अवसर।

कलामजी का सफर मानव जगत के लिए एक विरासत : अमित शाह

तो वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें याद करते हुए एक्स पर लिखा ज्ञान और विज्ञान के अद्भुत संयोजन से डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी ने देश की सुरक्षा को अभेद्य बनाने में अहम योगदान दिया। संघर्ष से शीर्ष तक का उनका सफर न केवल देश बल्कि सम्पूर्ण मानव जगत के लिए एक विरासत है। अमित शाह ने आगे लिखा,कि 'मिसाइल मैन' डॉ कलाम का जीवन देश के युवाओं को नई सोच व समर्पण के साथ राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति कलाम का जन्म भारत रत्न अब्दुल कलाम का जन्म जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम के पास धनुषकोडी गाँव में हुआ था। उनका पूरा नाम अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम था। 2002 में उन्हें भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। अब्दुल कलाम को 1981 में भारत सरकार ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म भूषण और फिर 1990 में पद्म विभूषण और 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

अधीरंजन ने बिना हेलमेट के चलाई बाइक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेरहमपुर के पास कांग्रेस नेता अधीर रंजन

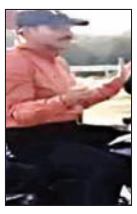

चौधरी का बिना हेलमेट लगाकर बाइक चलाने का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियों में हैंडल छोड़कर बाइक चलाते नजर आ रहे हैं? इसको लेकर सोशल मीडिया पर लोग अपनी प्रतिक्रियाएं भी जाहिर कर रहे हैं। इस पर कांग्रेस नेता चौधरी का कहना है कि अगर पुलिस मुझे दंडित करती है तो कोई समस्या नहीं है, लेकिन जिस जगह मैं बाइक चला रहा था वहां कोई नहीं था।

बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए भाजपा नेता

पटना। बक्सर के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह ट्रेन के

फर्स्ट एसी कोच में बिना टिकट के यात्रा करते पकड़े गए। जब उनसे और उनके साथियों से टीटीई ने टिकट मांगा तो वह बहस करने लगे और फिर विवाद हो गया। इतना ही नहीं, उन्होंने टीटीई से कहा कि मैं यही बैठा हूं, अब किसी को भी बुला लो। टीटीई और भाजपा नेता के बीच हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग इस पर भाजपा को न शाने पर ले रहे हैं।

चोरी के शक में दो कारीगरों की पीटकर हत्या

राजकोट। दो कारीगरों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। दोनों

कारीगर चांदी के आभूषण बनाने वाली एक इकाई में काम करते थे। चोरी के शक में पश्चिम बंगाल के दोनों कारीगरों की पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को घटना की जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को अपराध के संबंध में फैक्ट्री के मालिक और आठ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लगाए गंभीर आरोप, महुआ ने दिया जवाब

टीएमसी की महुआ ने संसद में सवाल पूछने के लिए ली रिश्वत ? खतरे में पड़ी सदस्यता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पैसे लेकर सदन में सवाल पूछती थीं। भाजपा सांसद निशिकांत ने तथ्यों के साथ लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत की है। अब तक पूछे गए 61 में से 50 सवाल एक ही उद्योगपति के हितों से संबंधित है। भाजपा सांसद के आरोप के बाद अब महुआ की सदस्यता खतरे में है। सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा है कि वो किसी भी तरह की जांच का स्वागत करती हैं.।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई के पत्र का हवाला देते हुए जांच की मांग की। ओम बिरला को लिखे पत्र में भाजपा सांसद ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर लोकसभा में सवाल पूछने के नाम पर घूस लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा कि ये सदन की अवमानना है। इसकी तत्काल जांच कराई जाए।

पत्र में उन्होंने कहा कि 'मुझे जय अनंत देहाद्राई, अधिवक्ता का एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें उन्होंने महुआ मोइत्रा पर सवाल के बदले रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। भाजपा सांसद ने पत्र में लिखा है कि एक प्रसिद्ध बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी के बिजनेस हितों को ध्यान में रखते हुए सवाल पूछे गए.। महुआ ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ सवाल संसद में पूछे और दर्शन हीरानंदानी को लाभ पहुंचाने की कोशिश की।निशिकांत दुबे ने पत्र में लिखा कि महुआ मोइत्रा के हालिया 61 सवालों में से 50 सवाल ऐसे हैं, जो दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों की रक्षा करने या उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए पूछे गए।

महुआ ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ सवाल संसद में पूछे

अब तक पूछे गए 61 में से 50 सवाल एक ही उद्योगपति के हितों से संबंधित

'चिल्लाने वाली ब्रिगेड'

पत्र में कहा गया है, कि जब भी संसद सत्र होता है, मोहुआ मोइत्रा और सौगत रॉय किसी न किसी बहाने, हर किसी के साथ दुर्व्यवहार कर सदन की कार्यवाही को बाधित करते हैं। मैं और कई अन्य सांसद हमेशा हैरान रहते थे कि महुआ मोइत्रा के नेतृत्व वाली टीएमसी की 'चिल्लाने वाली ब्रिगेड' ऐसी रणनीति क्यों अपनाती है, जो मुद्दों पर बहस करने और चर्चा करने के अन्य सदस्यों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती है।उन्होंने कहा कि अब लोकसभा में प्रश्न पूछने के बदले एक व्यवसायी से धन जुटाने और दूसरे व्यावसायिक समूह को निशाना बनाने की महुआ मोइत्रा की मंशा का पर्दाफाश हो गया है।

महुआ ने कहा जांच का स्वागत है

निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष से तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। माजपा सांसद ने यह शिकायत एडवोकेट जय अनंत देहाद्री द्वारा उन्हें लिखे गए पत्र के आधार पर दर्ज करवाई है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ संसद की अवमानना और विशेषाधिकार हनन है बल्कि दंड संहिता के 120 ए के तहत अपराध भी है। वहीं इस पूरे मामले पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा है कि वो किसी भी तरह की जांच का स्वागत करती हैं।

सेना ने बाढ़ में फंसे 245 को बचाया

एनएचपीसी ने माना बांध टूटने से हुआ भारी नुकसान

एजेंसी ▶▶ गैंगटॉक

पिछले हफ्ते ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड के कारण तीस्ता-3 बांध टूटने पर प्रतिक्रिया देते हुए, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने तीन प्रमुख हितधारकों को 20 अक्टूबर को पेश होने के लिए नोटिस जारी किया था। एनजीटी ने सिक्किम सरकार, सिक्किम ऊर्जा लिमिटेड जिसने चुंगथांग में तीस्ता-3 का विकास और संचालन किया और एनएचपीसी को नोटिस जारी किया है। डिक्चू में 37 किमी डाउनस्ट्रीम पर 510 मेगावाट की तीस्ता-5 को भारी क्षति हुई है।

त्रिशक्ति कोर के सैनिको अक्टूबर से 13 अक्टूबर, 2023 तक उत्तरी सिक्किम में एक साहसी बचाव अभियान चलाया। चुनौतीपूर्ण मौसम में घने जंगलों और झाड़ियों वाले पहाड़ी इलाकों से गुजरते हुए, सैनिक उत्तरी सिक्किम के रबोम गाँव में फंसे 245 लोगों तक पहुंचे। सैनिकों ने फंसे हुए लोगों को भोजन और चिकित्सा सहायता

प्रदान की । त्रिशक्ति कोर के हैंडल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि खराब मौसम की स्थिति में भी चौबीसों घंटे काम करते हुए, भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों ने 14.8 किलोमीटर का रास्ता बनाया और कुंदन हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के 97 श्रमिकों सहित 80-100 स्थानीय लोगों को बचाया। सैनिकों ने गाँव में एक हेलीपैड बनाया है। इससे पहले भारतीय वायुसेना के एक बयान में बताया गया था कि सिक्किम के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों से 1700 से अधिक लोगों को निकाला जा चुका है । सिक्किम में ल्होनक ग्लेशियर 3 अक्टूबर को फट गया, जिससे झील का एक किनारा टूट गया। इस कारण तीस्ता में जल स्तर बढ़ गया जिससे नुकसान हुआ।

गांवों को जोड़ने के लिए अभियान

इस बीच उत्तरी सिक्किम में चलाए गए एक साहसी मिशन में भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर के जवानों ने सिक्किम में अचानक आई बाढ़ के कारण राबोम गांव में फंसे 245 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया । त्रिशक्ति कोर ने बाढ़ के बाद संपर्क से कटे गांवों को फिर से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया ।

दुर्गाउत्सव का पर्व...

पटना में भक्तों ने नवरात्रि उत्सव के पहले दिन गंगा नदी में पवित्र स्नान किया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्रित हुए थे।

नागालैंड के पहले मेडिकल कॉलेज का हुआ उद्घाटन

कोहिमा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नागालैंड के

कोहिमा में नागालैंड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एनआईएमएसआर) का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एनआईएमएसआर सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज ही नहीं बल्कि एक शोध संस्थान भी है । यह न केवल चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य को पूरा करेगा बल्कि नागा लोगों के स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा । उन्होंने कहा कि केवल 9 वर्षों की अवधि में, नागालैंड में एमबीबीएस सीटें 64,000 से बढ़कर 1,60,000 हो गई हैं।इसी तरह पीजी सीटें भी पिछले 9 वर्षों में दोगुनी हो गई हैं ।

पूर्व कमिश्नर की किताब में खुलासा

अजित ने 2010 में की थी पुलिस की जमीन नीलाम?

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार को लेकर पुणे के पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारी ने सनसनीखेज दावा किया है। पूर्व आईपीएस अधिकारी और पुणे की पूर्व पुलिस कमिश्नर मीरा बोरवंकर ने अपनी किताब 'मैडम कमिश्नर' में खुलासा किया है कि अजित पवार ने 2010 में पुलिस की जमीन की नीलामी की थी, जिसके बाद सियासी जगत में हंगामा मच गया।पुणे की पूर्व पुलिस कमिश्नर मीरा बोरवंकर ने अपनी किताब में दावा किया है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने 2010 में पुणे के यरवदा में 3 एकड़ जमीन की नीलामी की थी, जो पुलिस की थी।यह जमीन एक बोली लगाने वाले को बेची गई थी, जिसे बाद में सीबीआई द्वारा 2जी घोटाले में आरोपी बनाया गया था।

नीलामी रोकने की मजबूरी

'मैडम कमिश्नर' शीर्षक से अपने संस्मरण में, बोरवंकर ने खुलासा किया कि पुणे के तत्कालीन जिला संरक्षक मंत्री पवार ने एक निजी पार्टी को जमीन बेचने का निर्णय लिया था, जिसे बाद में वह कठिन संघर्ष के माध्यम से वापस पाने में कामयाब रहीं। लेखिका ने यह भी दावा किया कि उनके महाराष्ट्र के तत्कालीन गृह मंत्री आरआर पाटिल के साथ अच्छे संबंध थे, लेकिन हाथ बंधे होने के कारण वह भी नीलामी नहीं रोक सके।किताब में बोरवंकर ने दावा किया कि नीलामी पुलिस विभाग के खिलाफ थी और निजी खिलाड़ियों को जमीन सौंपने में एक निश्चित घोटाला" था।

अजित पवार ने दावे का खंडन किया

अजित पवार के कार्यालय ने आरोपों से इनकार किया है। कहा, अजित पवार उक्त मुद्दे में शामिल नहीं थे और रिपोर्ट में उल्लिखित भूमि से उनका कोई संबंध नहीं है। पुस्तक में अजित पवार का नाम नहीं लिया है, बल्कि उन्हें केवल 'जिला मंत्री' या 'दादा' के रूप में संदर्भित किया है।

एवियन इन्फ्लूएंजा से मुक्ति में मिलेगी राहत: केंद्रीय मंत्री रूपाला

चेन्नई से सागर परिक्रमा कार्यक्रम की शुरुआत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एवियन इन्फ्लुएंजा (एचपीएआई), जिसे आमतौर पर बर्ड फ्लू के रूप में जाना जाता है। भारत में पहली बार फरवरी 2006 में महाराष्ट्र राज्य में पाया गया था। तब से देश ने विभिन्न क्षेत्रों में एचपीएआई के वार्षिक प्रकोप का अनुभव किया है, जिससे काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। यह बीमारी 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रिपोर्ट की गई है, जिसके परिणामस्वरूप इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए 9 मिलियन से अधिक पक्षियों को मार दिया गया। केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला ने चेन्नई से सागर परिक्रमा कार्यक्रम के अगले चरण की शुरुआत करते हुए बताया कि विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारतीय पोल्ट्री डिब्बों में एवियन इन्फ्लूएंजा से मुक्ति की स्व-घोषणा की मंजूरी दे दी गई है ।

एचपीएआई से जुड़े जोखिमों कम होंगे

केंद्रिए मंत्री ने कहा कि भारत में एचपीएआई के खिलाफ टीकाकरण की अनुमति नहीं है। इन चुनौतियों के बावजूद भारत ने

पोल्ट्री कंपार्टमेंटलाइजेशन की अवधारणा को अपनाकर एचपीएआई से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है। कंपार्टमेंटलाइजेशन एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो पशु स्वास्थ्य को बढ़ाता है, डिब्बे के भीतर और बाहर बीमारी के फैलने के जोखिम को कम करता है, और पोल्ट्री और पोल्ट्री से संबंधित उत्पादों के व्यापार को सुविधाजनक बनाता है। परषोत्तम रूपाला ने कहा कि ये पोल्ट्री डिब्बे भारत के चार राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में स्थित हैं। इनसे मांस और अंडे सहित भारतीय पोल्ट्री और पोल्ट्री उत्पादों की निर्यात क्षमता को बढ़ाने में योगदान मिलेगा ।

भारतीय खिलाड़ियों में अभिषेक ने बाजी मारी

36 हजार लोग हुए शामिल,पिछली बार 28 हजार हुए थे शामिल

दिल्ली हॉफ मैराथन में केन्या के डेनियल एबेन्यो ने मारी बाजी, भारत के अभिषेक,कार्तिक,सावन ने दिखाया दम

दिल्ली में रविवार को वेदांता हॉफ मैराथन का आयोजन किया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पहुंचकर हॉफ मैराथन को हरी झंडी दिखाई.केन्या के डेनियल एबेन्यो ने इस दौड़ में बाजी मारी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में रविवार को हुई हॉफ मैराथन दौड़ में दिल्ली एनसीआर के लोग जमकर दौड़े। दिल्ली एनसीआर में बड़े पैमाने पर लोगों ने हाफ मैराथन में हिस्सा लिया। रविवार सुबह दिल्ली में वेदांता हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। वेदांता हाफ मैराथन का खिताब इस बार केन्या के डेनियल के नाम रहा। वहीं भारतीय खिलाड़ियों में अभिषेक ने बाजी मारी। दूसरे नंबर पर कार्तिक और तीसरे नंबर पर सावन रहे हैं।

- केन्या के डेनियल के नाम रहा

दूसरे नंबर पर कार्तिक और तीसरे पर सावन रहे

दिल्ली में हुई इस हॉफ मैराथन में कई वर्गों में दौड़ आयोजित की गई, जिसमें आज हजारों की संख्या में दिल्ली वासियों के साथ-साथ एनसीआर के लोगों ने भी भाग लिया। सुबह 5:30 बजे दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन की शुरुआत हुई। जिसमें हर उम्र के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लेने पहुंचे। लोग दौड़ के लिए समय से पहुंच सके इसके लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष इंतजाम किए थे और सुबह से ही सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ नजर आ रहा था। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा है कि आज बहुत ही अच्छा लग रहा है कि दिल्ली के लोग दौड़ना चाहते हैं फिट रहना चाहते हैं। पीएम मोदी ने जो नारा दिया था स्वस्थ इंडिया वह हिट हो रहा है। उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बताया कि पिछली बार इस हॉफ मैराथन रेस में 28000 लोगों ने भाग लिया था।

दक्षिण पूर्व एशिया के दो देशों की यात्रा के पहले चरण में वियतनाम पहुंचे जयशंकर

भारत और वियतनाम की दोस्ती से चीन हुआ परेशान

विदेश मंत्री एस जयशंकर शनिवार से वियतनाम के 4 दिवसीय दौरे पर हैं। यहां की यात्रा के बाद वह 2 दिन के लिए सिंगापुर भी जाएंगे। विदेश मंत्री का वियतनाम में जोरदार स्वागत किया गया है। उन्होंने इस मौके पर रविंद्रनाथ टेगोर की प्रतिमा का अनावरण किया। जयशंकर 19 से 20 अक्टूबर तक सिंगापुर की यात्रा पर जाएंगे।

एजेंसी ▶▶ हनोई

विदेश मंत्री एस जयशंकर दक्षिण पूर्व एशिया के दो देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में रविवार को वियतनाम पहुंच गए। वियतनाम पहुंचने पर उनका जोदार स्वागत हुआ। भारत- वियतनाम के संबंधों को मजबूत करने के लिए उन्होंने वियतनाम के विदेश मंत्री बुई थान सोन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। इस दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और विकास पर भी चर्चा हुई। भारत और वियतनाम की दोस्ती से चीन परेशान हो उठा है। दरअसल चीन और वियतनाम की समुद्री सीमा एक है। मगर चीन वियतनाम के समुद्री क्षेत्र में दादागिरी दिखाता है। भारत हमेशा से वियतनाम की समुद्री सुरक्षा में जरूरत पड़ने पर सहयोग करने का भरोसा देता आया है। वे सोमवार को 18वीं संयुक्त आयोग बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। वियतनाम के बाद जयशंकर 19 से 20 अक्टूबर तक सिंगापुर की यात्रा पर जाएंगे।

खास बातें

- 18वीं संयुक्त आयोग बैठक की करेंगे सह-अध्यक्षता
- 18वीं संयुक्त आयोग बैठक की करेंगे सह-अध्यक्षता
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और विकास पर विशेष फोकस
- चीन वियतनाम के समुद्री क्षेत्र में दिखाता है दादागिरी, अब चकराया
- वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट नीति का प्रमुख सदस्य

ट्रान क्वोक पैगोडा का जाना ऐतिहासिक महत्व

वियतनाम के प्रसिद्ध ट्रान क्वोक पैगोडा में जयशंकर का विदेश मंत्री बुई थान सोन ने गर्मजोशी से स्वागत किया। छठी शताब्दी में निर्मित, ट्रान क्वोक पैगोडा हनोई का सबसे पुराना बौद्ध मठ है। भारत और वियतनाम के बीच सदियों पुराने संबंधों का प्रतीक यहां का बोधि वृक्ष है। इसे 1959 में (तत्कालीन) राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने वियतनाम के राष्ट्रपति हो ची मिन्ह को उपहार में दिया था। मंत्री रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दक्षिण पूर्व एशियाई देशों वियतनाम और सिंगापुर के साथ विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों की अपनी छह दिवसीय यात्रा के तहत हनोई में हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और वियतनाम एक मजबूत व्यापक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। वियतनाम हमारी एक्ट ईस्ट नीति का एक प्रमुख सदस्य है।

महात्मा गांधी की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

विदेश मंत्री की यात्रा कई क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा करने और द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी। जयशंकर वियतनाम के विदेश मंत्री समकक्ष बुई थान सोन के साथ आर्थिक, व्यापार और वैज्ञानिक तथा तकनीकी सहयोग पर भारत-वियतनाम संयुक्त आयोग की 18वीं बैठक की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। साथ ही हनोई और हो ची मिन्ह सिटी का दौरा करेंगे तथा वियतनामी नेतृत्व के साथ बातचीत करने की उम्मीद है। वह भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मिलेंगे और हो ची मिन्ह सिटी में महात्मा गांधी की एक प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

खबर संक्षेप

अफगान में भूकंप, एक की मौत, 150 घायल

काबुल। पश्चिमी अफगानिस्तान में रविवार को 6.3 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इससे

करीब एक सप्ताह पहले ही अफगानिस्तान के इसी क्षेत्र में तेज भूकंप और भूकंप बाद के झटकों के कारण हजारों लोगों की मौत हो गई थी और पूरे के पूरे गांव तबाह हो गए थे। राजधानी हेरात से लगभग 34 किलोमीटर दूर और सतह से 8 किलोमीटर गहराई में था।

दुबई-अमृतसर फ्लाइट में यात्री की तबीयत हुई खराब

कराची। दुबई से अमृतसर की तरफ आ रही एक उड़ान को शनिवार को उस वक्त कराची

हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी, जब यात्रा के दौरान एक व्यक्ति की सेहत अचानक खराब हो गई थी। एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान दुबई से सुबह 8:51 बजे (स्थानीय समय) पर रवाना हुई और दोपहर 12:30 बजे (स्थानीय समय) पर कराची में उतरी।

ट्रूडो के तेवर नरम, हिंदू समुदाय को दी शुभकामनाएं

ओटावा। कनाडा और भारत के बीच पीएम ट्रूडो ने राजनयिक तनाव को कम करने की कोशिश

ही है। पीएम जस्टिन ट्रूडो ने रविवार को नवरात्र के अवसर पर हिंदू समुदाय को अपनी शुभकामनाएं दी। उनकी सरकार भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अगले नौ रातों और 10 दिनों में कनाडा में लोग नवरात्र मनाने के लिए इकट्ठा होंगे।

श्रीलंका की गिरफ्त में 27 भारतीय मछुआरे

कोलंबो। श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध शिकार करने के आरोप में भारतीय मछुआरों को

गिरफ्तार किया गया है। श्रीलंका की नौसेना ने कहा कि मछुआरों ने समुद्री सीमा का उल्लंघन किया है। उन्हें पूर्वोत्तर में मन्नार के तट और उत्तर में डेल्फ्ट और कच्चातिवु द्वीपों से गिरफ्तार किया गया है। कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

एनएएल निर्माण साझेदारी करेगा

बेंगलुरु। राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला दो सीट वाले प्रशिक्षक विमान 'हंसा-न्यू जनरेशन' के लिए

निर्माण साझेदार का नाम संभवतः एक महीने में तय कर लेगी। एनएएल में 'सिविल एयरक्राफ्ट' कार्यक्रम के निदेशक सीएम आनंद ने एक अध्ययन से पता चला है कि अगले पांच से 10 साल में भारत में ऐसे लगभग 400-500 विमानों की मांग हो सकती है।

नेतन्याहू बोले- हमास को तबाह कर देंगे, डेडलाइन के बाद भी दिया 3 घंटे का और समय

गाजा की तबाही का वक्त पूरा! सीमा पर टैंक, फाइटर जेट ने दिखाया तांडव

इजराइली सेना द्वारा 10 लाख से अधिक आबादी को अपनी सुरक्षा के लिए क्षेत्र खाली करने का आदेश देने के बाद हजारों गाजा निवासी शहर छोड़कर भाग गए हैं। इजराइल ने एक दिन पहले ही कहा था कि वह शाम 4 बजे तक लोगों को दक्षिण की ओर भागने देने के लिए दो सड़कें खुली रखेगा।

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल का आखिरी प्रण पूरा होने का वक्त नजदीक आ गया है। इजराइल टैंक, फाइटर जेट और फौजों ने गाजा पट्टी के पास अपना तांडव दिखाना शुरू कर दिया है। अब गाजा की तबाही का वक्त पूरा होने को है। गाजा के लाखों लोग इजराइल की चेतावनी के बाद पलायन कर चुके हैं, जो नहीं गए उनका मारा जाना तय है। ये रात गाजा के लिए आखिरी मानी जा रही। इज़राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कहा कि वे नागरिकों के निकलने के कॉरिडोर पर 3 घंटे तक कोई हमला नहीं करेंगे और न ही कोई ऑपरेशन शुरू नहीं करेंगे। तब तक जिन नागरिकों को निकलना है, वह गाजा छोड़ दें। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। वहीं इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजराइली कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई है। इस बैठक में हमास से लड़ने को लेकर रणनीति तय की जाएगी।

गाजा में इजराइल का रौद्र रूप

खास बातें

- गाजा पर इजराइल का ऑपरेशन ऑल आउट
- इजराइल के आक्रोश से सीमा पर बड़े ऑपरेशन की आहट
- गाजा शहर के सबसे बड़े अस्पताल में 35 हजार लोगों ने ली शरण

मारा गया हमास का एक और टॉप कमांडर

इजराइली एयरफोर्स ने शनिवार रात को की गयी एयर स्ट्राइक में आतंकी संगठन हमास के एक और टॉप कमांडर बिलाल अल-कदरा को मार गिराया। बिलाल दक्षिणी खान यूनिस बटालियन में नहबा बल का टॉप कमांडर था और इजरायल में घरों में घुस कर लोगों की हत्या करने में शामिल था। इसके साथ ही इजराइली फोर्स ने इस्लामिक जेहाद के हेडक्वार्टर को भी एयर स्ट्राइक में ध्वस्त कर दिया।

संघर्ष को बढ़ावा देने वालों को बाइडेन ने चेताया

अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार राष्ट्रपति बाइडेन ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से बात की और अमेरिकी सैन्य समर्थन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने संघर्ष को बढ़ावा देने की कोशिश करने वालों को भी चेतावनी दी। इसमें कहा गया है कि बाइडेन ने पानी, भोजन और चिकित्सा देखभाल तक निर्दोष नागरिकों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र, मिस्र, जॉर्डन, इजराइल और क्षेत्र के अन्य सहयोगियों के साथ अमेरिका के समन्वय पर नेतन्याहू के साथ चर्चा की। बाइडेन ने अब्बास से बात की और इजराइल पर हमास के हमलों की निंदा की।

हजारों गाजा निवासी शहर छोड़कर भागे

इजराइली सेना द्वारा 10 लाख से अधिक आबादी को अपनी सुरक्षा के लिए क्षेत्र खाली करने का आदेश देने के बाद हजारों गाजा निवासी शहर छोड़कर भाग गए हैं। इजराइल ने शनिवार को कहा कि वह शाम 4 बजे तक लोगों को दक्षिण की ओर भागने देने के लिए दो सड़कें खुली रखेगा। इजराइल का जमीनी आक्रमण अब आसन्न लगता है।

2329 फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी

हमास और इजराइल के बीच जारी मौजूदा संघर्ष में 2329 फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है और यह 5 गाजा युद्धों में से फिलिस्तीनियों के लिए सबसे घातक युद्ध बन गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार इजराइल और हमास के बीच 2014 में हुए युद्ध में 2251 फिलिस्तीनियों की मौत हुई थी। जिनमें से 1462 आम नागरिक थे।

पृथ्वी से हजारों प्रकाश वर्ष दूर

दो विशाल तारों में टक्कर कैमरे में रिकॉर्ड हुई घटना

- आसमान की निगरानी के लिए डिज़ाइन किए गए अंतरिक्ष यान
- वाष्पीकृत चट्टान और पानी से बना एक विशिष्ट डोनट

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

नासा के वैज्ञानिकों ने धरती से लगभग 3,600 प्रकाश वर्ष दूर स्थित दो विशाल तारों के टकराव की घटना की तस्वीर कैद की है। इसके लिए उन्होंने नासा के आसमान की निगरानी के लिए डिज़ाइन किए गए अंतरिक्ष यान का उपयोग किया है। इस अभूतपूर्व खोज में वैज्ञानिकों ने दो विशाल बर्फीले तारों के हिंसक विलय का पता लगाया है, जिसके परिणामस्वरूप वाष्पीकृत चट्टान और पानी से बना एक विशिष्ट डोनट के आकार का बादल बन गया है।

ग्रह निर्माण के रहस्य उजागर होंगे

खगोलविदों ने दावा किया है कि यह घटना वास्तविक समय में एक नई दुनिया के जन्म को देखने और संभावित रूप से ग्रह निर्माण के रहस्यों को उजागर करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है। खगोलविदों की समूह ने एक व्यक्ति की जिज्ञासा को संतुष्ट करने के लिए एएसएएसएसएन-21 क्यूजे नामक तारे के अजीबोगरीब व्यवहार का अध्ययन शुरू किया। पृथ्वी से 3,600 प्रकाश वर्ष दूर स्थित इस तारे ने एक यूनिक पैटर्न दिखाया, जिससे दुनिया भर के वैज्ञानिकों की इसमें रुचि जगी। खगोलविदों की टीम ने दो साल तक इस तारे का अध्ययन किया। सावधानीपूर्वक इसके सभी डिटेल्स को नोट किया। साथ ही यह भी सामने लाया कि समय के साथ इसकी चमक कैसे विकसित हुई। ऑप्टिकल फ़ेडिंग से एक हज़ार दिन पहले तारा इन्फ्रारेड के रूप में चमक रहा था।

300 से अधिक यात्री थे सवार

कांगो में नाव पलटने से 30 की मौत, 167 यात्री लापता

एजेंसी ▶▶ किंशासा

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में नाव पलटने से 30 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 167 लोग लापता हैं। बचाव दल लापता लोगों की तलाशी में जुटी है। यह नाव मबांदाका शहर के पास डूबी। उप प्रांतीय गवर्नर टेलर नगनजी के अनुसार, इक्वेटर प्रांत के मबांदाका शहर में शुक्रवार देर रात एक नाव पलट गई। यह नाव यात्रियों को कांगो नदी से सटे बोलोम्बा शहर ले जा रही थी। इस नाव पर 300 से अधिक लोग सवार थे।

189 लोगों को किया गया रेस्क्यू

इक्वेटर प्रांत के प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री डिडियर मबुला ने कहा कि 189 लोगों को रेस्क्यू किया गया। डिडियर मबुला ने कहा कि अक्सर नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार हो जाते हैं जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं घटती है। अधिकांश आबादी कम खर्चीली होने की वजह से नाव से यात्रा करना पसंद करते हैं।

नेतन्याहू के प्रण से मची खलबली

75 इस्लामिक देशों के आईओसी समूह ने बुलाई आपात बैठक

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजरायल-हमास युद्ध के बीच गाजा को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के तबाह करने के प्रण से इस्लामिक देशों में हलचल मच गई है। इस्लामिक राष्ट्र समूह ने इज़राइल-गाजा के मसले पर तत्काल आपात बैठक का आह्वान किया है। इस्लामिक शिखर सम्मेलन के वर्तमान सत्र की अध्यक्षता करने वाले सऊदी अरब ने जेद्दा में होने वाली बैठक के लिए इस्लामिक राष्ट्र संगठन (ओआईसी) के सदस्य देशों को आमंत्रित किया है।

57 देशों का दूसरा बड़ा वैश्विक संगठन है ओआईसी

ओआईसी चार महाद्वीपों में फैले 57 देशों की सदस्यता के साथ संयुक्त राष्ट्र के बाद दूसरा सबसे बड़ा संगठन है। ओआईसी की तत्काल बैठक का आह्वान उस दिन आया है, जब सऊदी अरब ने इजरायल के साथ संबंधों को संभावित रूप से सामान्य बनाने पर वार्ता निलंबित कर दी है।

ऑपरेशन अजय का चौथा चरण सफल

इजराइल से लौटे 274 नागरिक अब तक 918 की वतन वापसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में इजराइल और हमास के बीच आठवें दिन भी युद्ध जारी है। दोनों लगातार एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। इस बीच, भारत ने अपने नागरिकों को युद्ध ग्रस्त देश से निकालने के लिए ऑपरेशन अजय नामक अभियान चलाया है। इसकी चौथी फ्लाइट 274 भारतीय नागरिकों को लेकर शनिवार देर रात इजरायल के तेल अवीव से भारत के लिए रवाना हुई और रविवार सुबह दिल्ली लैंड कर गई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्वीट कर जानकारी दी।

दोनों देश लगातार एक-दूसरे पर कर रहे हमले

अभियान के तहत 212 यात्रियों को लेकर पहला विमान शुक्रवार, 13 अक्टूबर को भारत पहुंचा था। दूसरा विमान शनिवार सुबह दिल्ली पहुंचा जिसमें कुल 235 यात्री सवार थे। तीसरी फ्लाइट शनिवार देर रात इजराइल से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची।

यात्रियों की वापसी का खर्च भारत सरकार उठा रही

इजराइल और हमास के बीच हो रहे युद्ध में इजराइल में फंसे करीब 18,000 भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन अजय शुरू किया है। इसका पंजीकरण गुरुवार से शुरू हो गया था। ऑपरेशन अजय के तहत, जो भारतीय नागरिक इजराइल में हैं और भारत वापस आने की इच्छा रखते हैं, उनसे तत्काल संलग्न यात्रा फॉर्म को पूरा करने का अनुरोध किया।

मृतक अग्निवीर को 'गार्ड ऑफ ऑनर' नहीं मिलने पर बहस

सेना ने किया दावा: अमृतपाल सिंह ने की आत्महत्या

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अग्निवीर अमृतपाल को सेना की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिए जाने को लेकर सियासत गर्म है। 11 अक्टूबर को पंजाब के रहने वाले अमृतपाल की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई थी। हालांकि सेना का कहना है कि उनकी मौत किसी ऑपरेशन के दौरान नहीं हुई, बल्कि आत्महत्या है। सेना ने बयान में कहा कि एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में अग्निवीर अमृतपाल सिंह ने राजौरी सेक्टर में संतरी ड्यूटी के दौरान खुद को गोली मार ली जिससे उनकी मौत हो गई। इसलिए मौजूदा नीति के अनुसार उन्हें कोई 'गार्ड ऑफ ऑनर' नहीं दिया गया या सैन्य अत्येष्टि नहीं की गई। अधिक विवरण सुनिश्चित करने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' जारी है। जवान के पार्थिव शरीर को जूनियर कमीशन्ड अधिकारी और चार अन्य अग्निवीर इकाई के जवान किराए की एंबुलेंस में उनके गांव लेकर पहुंचे थे।

अग्निवीर की अंत्येष्टि बिना सम्मान के क्यों

शिरोमणि अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल ने भी कहा कि उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि आखिर अग्निवीर की अंत्येष्टि बिना सैनिक सम्मान के क्यों की गई। उन्होंने इस मामले में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से दखल देने की मांग की है। बादल ने कहा कि शहीद के शव को भी एक किराए की एंबुलेंस में घर पहुंचाया गया। यह सब इसलिए किया गया क्योंकि अमृतपाल एक अग्निवीर था। उन्हें भी सैनिक सम्मान मिलने का अधिकार था।

राज्य स्तर पर भी अग्निवीर का सम्मान नहीं

शिरोमणि अकाली दल के चीफ सुखबीर सिंह बादल ने भगवंत मान पर हमला करते हुए कहा कि उन्हें इस बात की हैरानी है कि राज्य स्तर पर भी अग्निवीर को सैनिक सम्मान देने से इनकार कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को केंद्र सरकार की नीति के पीछे नहीं छिपना चाहिए। कम से कम वह इस दुख के समय में शहीद के लिए कुछ कर सकते थे।

मान की आपत्ति

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा है कि इस मामले को लेकर वह केंद्र सरकार के सामने अपना पक्ष रखेंगे। शहीद के परिवार को एक करोड़ की मदद देंगे।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बोले यह देश के लिए दुख की बात

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा कि यह देश के लिए बहुत ही दुख की बात है कि अग्निवीर स्कीम के तहत भर्ती होने वाले युवा को इस तरह से निजी एंबुलेंस में घर भेज दिया गया और उसे सैनिक सम्मान भी नहीं दिया गया। क्या अग्निवीर का मतलब यही है कि आपके जीवन के कोई मायने नहीं हैं। वारिंग ने कहा कि पंजाब की पुलिस को अग्निवीर को गार्ड ऑफ ऑनर देना चाहिए था। क्या भाजपा की यही नीति है कि अग्निवीर के जवानों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाए? क्या केंद्र सरकार के पास इस तरह के व्यवहार के लिए कोई जवाब है?

'स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी'

अमेरिका में डॉ. आंबेडकर की सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत के संविधान निर्माता डॉ. बीआर आंबेडकर की अमेरिका की सबसे ऊंची प्रतिमा का राजधानी वॉशिंगटन डीसी के उपनगर मेरीलैंड में अनावरण किया गया। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को 'स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी' का नाम दिया गया है। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। पूरे अमेरिका और भारत से करीब 500 लोग प्रतिमा के अनावरण के समय मौजूद रहे। कई तो करीब 10 घंटे

का सफर करके वहां पहुंचे थे। अमेरिका में स्थापित की गई डॉ. आंबेडकर की इस प्रतिमा का अनावरण मशहूर मूर्तिकार राम सुतार ने किया। राम सुतार ने ही गुजरात में नर्मदा नदी के किनारे स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा का भी निर्माण किया है।

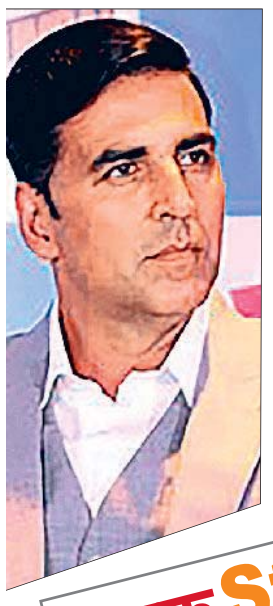

ऑस्कर्स में दम दिखाएगी मिशन रानीगंज

मुंबई। अक्षय कुमार के फैन्स और सिनेमा लवर्स के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। मिशन रानीगंज के मेकर्स ने फिल्म को ऑस्कर्स में स्वतंत्र रूप से भेजना का फैसला किया है। फिल्म के मेकर्स ने इसे स्वतंत्र रूप से ऑस्कर के लिए सब्मिट किया है। फिल्म के मेकर्स ने स्वतंत्र रूप से 'मिशन रानीगंज' को ऑस्कर के लिए भेजा है। यानी फिल्म बेस्ट फॉरेन फिल्म अवॉर्ड की कैटिगरी के लिए मान्य नहीं होगी लेकिन अन्य बड़ी कैटिगरीज में फिल्म नॉमिनेट हो सकती है, जैसे बीते साल फिल्म आरआरआर के साथ हुआ था। अब फिल्म किन कैटिगरीज में शामिल होगी, ये तो आने वाले वक्त में ही पता लगेगा।

लाइफ Style

कियारा

अशोक कुमार से है खास रिश्ता

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बॉलीवुड में कई ऐसे सितारे हैं जो इंडस्ट्री के कई दिग्गज और बड़े घरानों से ताल्लुक रखते हैं। कोई रिश्ते में किसी का कजिन तो कोई किसी की भाभी या फिर कोई दादा या नाना लगता है, लेकिन ये कभी किसी के सामने अपने रिश्ते का जिक्र नहीं करते हैं। एक ऐसी ही खास रिश्ता है बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अशोक कुमार और कियारा आडवाणी के बीच।

अब आप सोच रहे होंगे कि इनके बीच में ऐसा क्या रिश्ता है, जिसके बारे में कोई नहीं जानता है। तो आज हम आपको अशोक कुमार की बर्थ एनिवर्सरी पर उनके और कियारा के बीच रिश्ते के बारे में बताने जा रहे हैं। अशोक कुमार और बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के बीच एक खास रिश्ता है, जिसके बारे में शायद ही कोई जानता होगा। अशोक कुमार, कियारा के सौतेले परनाना थे। अशोक की बेटी भारती जाफरी कियारा की सौतेली दादी हैं। कियारा की मां जेनेवीव आडवाणी की सौतेली मां अभिनेत्री भारती जाफरी (अशोक की बेटी) थीं। इस रिश्ते से कियारा स्वर्गीय अशोक कुमार की सौतेली परपोती हुईं। अशोक कुमार को हिंदी सिनेमा का सदाबहार एक्टर कहा जाता है। अशोक कुमार ने जिस रोल को पर्दे पर निभाया वह उसमें पूरी तरह से समा जाते थे। अपने करियर में उन्होंने कई सुपरहिट और आइकॉनिक फिल्में दी हैं। जानकर हैरानी होगी कि अपने जन्म की तारीख पर ही उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनका निधन 13 अक्टूबर, 1987 को हुआ था, इसी दिन अशोक कुमार का 76वां जन्मदिन भी था। अशोक कुमार के असली नाम से कम लोग ही वाकिफ हैं। जन्म के वक्त उनका नाम 'कुमुदलाल गांगुली' रखा गया था, लेकिन फिल्मों में आने के बाद उन्होंने अपना नाम अशोक कुमार रख लिया था।

हॉलीवुड मसाला

हमास के हमलों पर फूटा गुस्सा

लॉस एंजेलिस। सुपरमॉडल गिगी हदीद, जो फिलीस्तीनी मूल की हैं, ने हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमलों की निंदा की और इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस मामले पर टिप्पणी करते हुए जोर दिया कि वह निर्दोष लोगों का पक्ष लेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, अपने बयान में गिगी ने साझा किया कि उनके विचार और संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जो बेवजह इस हमले का शिकार बने हैं। उन्होंने आगे कहा, फिलीस्तीनी संघर्ष और कब्जे के तहत जीवन के प्रति मेरे मन में गहरी सहानुभूति और शोक है।

माइकल को मिलेगा सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन लाइफटाइम अवार्ड

लॉस एंजेलिस। 'द सेंटिनल', 'द अमेरिकन प्रेसिडेंट', 'डिस्क्लोजर' और अन्य फिल्मों से पहचान बनाने वाले हॉलीवुड अभिनेता माइकल डगलस को प्रतिष्ठित सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन फिल्म लाइफटाइम अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इससे पहले स्पेनिश फिल्म निर्माता-लेखक कार्लोस सौरा को आईएफएफआई के 53वें संस्करण के दौरान सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन फिल्म लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया गया था। महोत्सव के आगामी संस्करण में माइकल डगलस को सम्मानित किए जाने की खबर साझा करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि माइकल डगलस, प्रतिष्ठित हॉलीवुड अभिनेता और निर्माता को 54वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव गोवा में प्रतिष्ठित सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन फिल्म लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

आर्या 3 का धांसू ट्रेलर रिलीज

मुंबई। आर्या 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। लोगों को सुष्मिता सेन की इस क्राइम ड्रामा वेब सीरीज का ट्रेलर खूब पसंद आ रहा है। बता दें, सुष्मिता सेन की ये वेब सीरीज साल 2023 की मच अवेटेड वेब सीरीज में से एक है। इस वेब सीरीज में सुष्मिता माफिया क्वीन, मां और खूंखार शेरनी का किरदार निभाती नजर आएंगी। इसके दो पार्ट पहले ही रिलीज हो गए हैं। वहीं तीसरा पार्ट 3 नवंबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाला है।'आर्या 3' के ट्रेलर को शेयर करते हुए डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने लिखा, "शुरुआत मजबूरी से जरूर हुई थी, लेकिन खत्म उसकी मनजूरी से होगा।" ट्रेलर शुरू होगा और शुरुआत में ही आर्या (सुष्मिता सेन) के सीने पर गोली लग जाएगी। फिर कहानी फ्लैशबैक में जाएगी और आर्या के खूंखार विलेन बनने की स्टोरी दिखाई जाएगी।

सैम बहादुर का टीजर आउट

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी सैम बहादुर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म को लेकर लगातार नई अपडेट्स सामने आ रही हैं। इसी बीच शुक्रवार को फिल्म सैम बहादुर का टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर में देख सकते हैं विक्की कौशल इंडियन आर्मी के फील्ड मार्शल रहे सैम मानेकशॉ के रोल में नजर आ रहे हैं। विक्की सैम मानेकशॉ के रोल में काफी जंच रहे हैं। विक्की उरी के बाद अब आर्मी की वर्दी में नजर आ रहे । सैम बहादुर के टीजर में दंगल एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख भी दिखाई दे रही हैं। फिल्म में सान्या सैम मानेकशॉ की पत्नी के रोल में नजर आ रही हैं तो वहीं, दूसरी तरफ फातिमा देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में।

टीवी मसाला

बिग बॉस 17 का प्रोमो आउट, 15 से होगा स्ट्रीम

मुंबई। सलमान खान का फेमस और कंट्रोवर्शियल शो बिग बॉस 17 को लेकर इस वक्त काफी बज बना हुआ है। फैंस दिल थाम कर शो के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। बिग बॉस 17 को लेकर लगातार नई अपडेट्स सामने आ रही है। ऐसे में अब शो का प्रोमो सामने आ चुका है, जिसने दर्शकों की एक्साइटमेंट को और भी बढ़ा दिया है। इस प्रोमो के साथ ही सलमान जमकर डांस करते दिख रहे हैं। बिग बॉस 17 शो शुरू होने के ठीक दो दिन पहले ही शो का प्रोमो जारी कर दिया गया है। प्रोमो में आपको सलमान खान के खतरनाक अंदाज के साथ ही घर की डरावना इंटीरियर भी देखने को मिलेगा। प्रोमो की शुरुआत में सलमान खान एक शेर के स्टैच्यू के सामने खड़े होते हैं कि तभी उसमें से आग निकलने लगता है और एक्टर का हाथ जल जाता है। इसके बाद सलमान अपनी ही फिल्म के गाने 'हमका पीनी है पीनी है' पर डांस करते नजर आ रहे हैं। इस प्रोमो में सलमान खान कहते हैं कि फर्स्ट डे फर्स्ट शो दो दिन बाद (15 अक्टूबर) रात नौ बजे से।

लीक हुई झलक दिखला जा 11 की कंटेस्टेंट लिस्ट

मुंबई। टीवी का मोस्ट पॉपुलर डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा जल्द ही अपने नए सीजन के साथ धमाल मचाने की लिए आ रहा है। झलक दिखला जा सीजन 11 को लेकर काफी चर्चा हो रही है। ये शो साल 2006 में शुरू हुआ था, जो दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर रहा। इस शो को लेकर हर दिन नई अपडेट्स सामने आ रही है। शो को लेकर अब तक कई नाम सामने आ चुके हैं। झलक दिखला जा 11 के कंटेस्टेंट की फाइनल लिस्ट सामने आ चुकी है। रिपोर्ट की मानें तो इस बार टीवी की कई बड़ी हस्तियां इस शो में अपने डांस का तड़का लगाएंगें। इसमें हिना खान, तनीषा मुखर्जी, शिव ठाकरे, सुम्बुल तौकीर खान, शिवांगी जोशी, मनीषा रानी, आमिर अली, उर्वशी ढोलकिया, सुरभि चांदना, शोएब इब्राहिम, करुणा पांडे, संगीता फोगाट, राजीव ठाकुर, अंजलि आनंद, आयशा सिंह अपनी डांस प्रतिभा दिखाएंगी। तेजस्वी प्रकाश झलक दिखला जा 11 को होस्ट कर सकती हैं। हालांकि, अभी तक इस बात को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

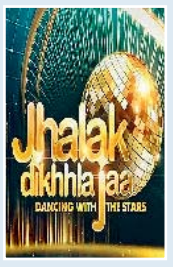

तापसी ने धक धक के प्रमोशन पर जाहिर की निराशा

मुंबई। तापसी पन्नू ने अपनी अदाकारी से बॉलीवुड में खास जगह बनाई है। अब उन्होंने फिल्म 'धक धक' के जरिए बतौर प्रोड्यूसर शुरुआत की है। रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा, फातिमा सना शेख और संजना सांघी अभिनीत यह फिल्म शुक्रवार को रिलीज हुई है। इस फिल्म के प्रमोशन के तरीके को लेकर तापसी पन्नू ने निराशा जाहिर की है। तापसी पन्नू ने कहा कि आज भी पूरा सिस्टम बड़े स्टार्स के इर्द-गिर्द घूमता है। इस दौरान उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' का भी जिक्र किया। तापसी ने कहा, 'फिल्म का ट्रेलर रिलीज से चार दिन पहले जारी होने के बाद मुझे ऐसी चीजें सुनने को मिलीं कि 'ये महिला प्रधान फिल्म है। सिर्फ कुछ दर्शक आएंगे। इतने शो नहीं मिलेंगे, बाद में ओटीटी पर यह फिल्म आनी ही है तो क्यों तनाव लेना। तापसी ने कहा, 'एक्सवाईजेड का ट्रेलर भी देर से आया था, लेकिन मेरी फिल्म 'जवान' नहीं है। छोटी फिल्मों को एक निश्चित प्रोत्साहन की जरूरत है।

पोस्टपोन नहीं होगी शाहरुख की 'डंकी'

मुंबई। फिल्म 'डंकी' पोस्टपोन नहीं हुई है। शाहरुख खान की फिल्म तय समय पर ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 22 दिसंबर के दिन 'सालार' के साथ बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 'डंकी' के मेकर्स इस वक्त फिल्म की रिलीज डेट पर नहीं, बल्कि फिल्म के टीजर पर काम कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान बहुत जल्द अपनी फिल्म के प्रमोशंस शुरू करेंगे। पिछले

कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा था कि 'डंकी' और 'सालार' का क्लैश नहीं होगा क्योंकि शाहरुख खान ने फिल्म की रिलीज पोस्टपोन कर दी है। ऐसे में फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने पोस्ट जारी कर यह दावा किया है कि 'डंकी' पोस्टपोन नहीं हुई है। इतना ही नहीं, उन्होंने टीजर से जुड़ा अपडेट भी दे डाला। फिल्म क्रिटिक ने लिखा, शाहरुख खान की 'डंकी' पोस्टपोन नहीं हुई है। हां, 'डंकी' क्रिसमस के मौके पर ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। 'डंकी' का टीजर बहुत जल्द रिलीज होने वाला है।'

पूजा ने ठुकराई थी मणिरत्नम की फिल्म

मुंबई। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने बॉलीवुड में अपनी पैठ बनाने के चलते मणिरत्नम जैसे सुपरहिट डायरेक्टर की फिल्म तक को लात मार दी थी। आशुतोष गोवारिकर जैसे हिट डायरेक्टर मोहनजोदाड़ो बना रहे थे। इस फिल्म के लिए उन्हें एक नए फेस की तलाश थी। इसी तलाश के दौरान डायरेक्टर की पत्नी की नजर टीवी के एड पर पड़ी, जिसमें पूजा हेगड़े दिखाई दीं। उन्हें देखते ही उन्होंने एक्ट्रेस को फिल्म के ऑडीशन के लिए बुलाया और वो सेलेक्ट भी हो गईं। इसके बाद आया ट्विस्ट और वो ट्विस्ट ये कि पूजा हेगड़े के सामने शर्त रखी गई कि जब तक 'मोहनजोदाड़ो रिलीज नहीं हो जाती तब तक वो किसी भी रीजनल भाषा की फिल्म में काम नहीं कर सकती हैं। अब सामने हो बॉलीवुड में एंट्री करने का मौका और वो भी हिट स्टार ऋतिक रोशन के साथ। ऐसे में फिल्म को हाथ से जाने देने की गलती पूजा नहीं करना चाहती थीं। जिसका रिजल्ट ये हुआ कि उन्होंने फेमस डायरेक्टर मणिरत्नम को ऋतिक रोशन और आशुतोष गोवारिकर के लिए मना कर दिया। दरअसल उन्हें उसी दौरान मणिरत्नम की फिल्म ऑफर हुई थी जिसे उन्हें न कहना पड़ा।

जीनत अमान जो किस्सा शेयर किया है वो आपको चौंका देगा

बिग बी के कारण फूट-फूट कर रोई थीं जीनत अमान

मुंबई। जीनत अमान ने अपने करियर में बिग बी यानी कि अमिताभ बच्चन के साथ कई फिल्मों में काम किया है। लावारिस, डॉन, दोस्ताना, महान और पुकार जैसी फिल्में काफी हिट भी रहीं। वैसे तो बिग बी के ताल्लुकात अपने को स्टार्स के साथ हमेशा अच्छे ही रहे हैं। उनकी दूसरी खूबी ये रही कि वो कभी अपने किसी सेट पर लेट नहीं हुए। लेकिन जीनत अमान जो किस्सा शेयर किया है वो आपको चौंका देगा। ये किस्सा जुड़ा है बिग बी के सेट पर लेट पहुंचने से। लेट तो बिग बी हुए थे लेकिन रोई थीं जीनत अमान।

माफी से भी नहीं बनी बात

इसके बाद अमिताभ बच्चन खुद डायरेक्टर को लेकर उनके पास आए और माफी मांगी। डायरेक्टर को भी अपनी गलती का एहसास हो चुका था कि उन्होंने अमिताभ बच्चन के हिस्से

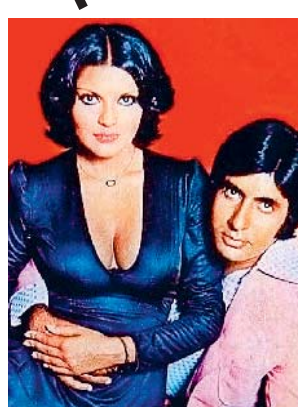

की डांट जीनत अमान को लगा दी है। जीनत अमान ने माफी मांग रहे डायरेक्टर के साथ वो फिल्म तो पूरी की। लेकिन दोबारा कभी उसके साथ काम नहीं किया। बकौल जीनत अमान डायरेक्टर का क्रू के सामने किया गया बर्ताव उन्हें बिलकुल पसंद नहीं आया।

छोड़ दिया था फिल्म का सेट

जीनत अमान ने ये किस्सा शेयर करते हुए लिखा है कि वो न फिल्म का नाम बताएंगी न डायरेक्टर का और न ही उसका साल। इतना कह कर जीनत अमान ने किस्सा शेयर किया है कि अमिताभ बच्चन वैसे तो कभी लेट नहीं होते। लेकिन एक बार मॉर्निंग शिफ्ट में वो लेट हुए थे। जबकि जीनत अमान समय पर पहुंच चुकी थीं। तकरीबन 45 मिनट बाद उन्हें पता चला कि अमिताभ बच्चन सीधे सेट पर पहुंचे हैं। जीनत भी वहां पहुंची। फिल्म के डायरेक्टर को लगा कि जीनत अमान की वजह से शूट लेट हुआ है और वो बिना कुछ सोचे समझे सबके सामने उन्हें डांटने लगे। इसके बाद फूट फूट कर रोते हुए जीनत अमान ने सेट छोड़ दिया।